जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 31 जुलाई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

आज रात से
5 लाख रेट बढ़ेगी !

"मंडी" जैसे दाम
लकजरी
आपके नाम

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

लकजरी की कीमत : ₹4200/- Sq ft में फ्लैट ! | ₹5400/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com www.kedia.com 78770-72737 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

*T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन

पहले सरसों के तेल की झाँझ से
आँखों में आँसू आ जाते थे... अब क्यों नहीं ?

आखिर बदला क्या है... सरसों का तेल या हमारी नाक ?

नानी-दादी के ज़माने की वही 0.36 की तेज़ प्राकृतिक झाँझ अब केडिया पवित्र कच्ची घानी सरसों के तेल में !

कच्ची घानी सरसों तेल

कोल्ड प्रेस्ड

पहली धार से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाला कच्ची घानी तेल

तेज झांझ (0.36 झांझ)

MRP ₹4000.00 15 ltr

MRP ₹300.00 1 ltr

ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल

MRP ₹4000.00 15 ltr

MRP ₹300.00 1 ltr

ट्रिपल फिल्टर्ड

सोर्टेक्स क्लीन मूंगफली दानों से निर्मित

Low FFA (0.50 से कम)

प्रोडक्ट्स केटेगरी

आटा | गेहूँ | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | ड्राई फ्रूट्स | कुकिंग ऑयल | चाय | पोहा | मिश्री | गुड | हींग | मसाला सत्तू | सेंधा नमक सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और Zepto पर उपलब्ध !

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply* MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

रूप की पहुँच आँखों तक है, गुण आत्मा को जीतते हैं। –पोप

राजस्थान में ट्रैफिक जाम नासूर बन रहा है

राजस्थान, जो अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और रंगीन जीवनशैली के लिए जाना जाता है, आज एक गंभीर समस्या से जूझ रहा है। शहरी और ग्रामीण मार्गों पर बढ़ता ट्रैफिक जाम। पहले जहां सड़क यात्रा अपेक्षाकृत सुगम और त्वरित मानी जाती थी, अब यातायात जाम इतनी आम बात हो चुकी है कि यह न केवल समय की बर्बादी बन गया है बल्कि यह आर्थिक क्षति, पर्यावरण प्रदूषण और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट का कारण भी बन रहा है। यह समस्या केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही; छोटे शहर, कस्बे और प्रमुख पर्यटन मार्ग भी इससे प्रभावित हैं। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते वाहन, अव्यवस्थित पार्किंग, संकरे मार्ग, सार्वजनिक परिवहन की कमी और अनुचित ट्रैफिक प्रबंधन ने जाम को नासूर का रूप दे दिया है। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य, व्यवसाय और सामाजिक गतिशीलता भी प्रभावित हो रही हैं।

ट्रैफिक जाम का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव समय की हानि है। प्रतिदिन कार्यस्थल, विद्यालय, अस्पताल तक पहुंचने में लोग घंटों फंसते हैं। यह समय हानि व्यक्तिगत उत्पादकता को कम करती है और कार्यालय, दुकानें, और सेवाओं के संचालन को बाधित करती है। खासकर कामकाजी वर्ग और छोटे व्यवसायियों के लिए यह नुकसान सीधे आर्थिक घाटे में बदल जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण उपलब्ध समय में कटौती से परिवारिक जीवन और सामाजिक गतिविधियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है लोग थके हुए और तनावग्रस्त होकर घर पहुंचते हैं, जिससे पारिवारिक मेलजोल प्रभावित होता है।

आर्थिक दृष्टि से भी जाम गम्भीर समस्या है। ईंधन की बर्बादी, माल ढुलाई में देरी, और समय पर सेवाओं के न मिलने से व्यापारिक लागत बढ़ जाती है। परिवहन–लोजिस्टिक्स पर निर्भर उद्योगों में डिलीवरी–समय का अनियंत्रित बढ़ना आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करता है। छोटे व्यापार जो ताजा सामान (फल, सब्ज़ी, दूध) पर निर्भर करते हैं, उन्हें नुकसान होता है क्योंकि समय पर डिलीवरी न होने से माल खराब हो सकता है। इसके अलावा, जाम के कारण सार्वजनिक परिवहन की विश्वसनीयता घटती है और लोग निजी वाहनों का उपयोग बढ़ा देते हैं, जिससे समस्या और जटिल होती जा रही है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय–सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है। राजस्थान जैसे सुखाग्रस्त और शुष्क वातावरण वाले स्थानों पर वायु गुणवत्ता का और बिगड़ना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय है।

ट्रैफिक जाम की जड़ें कई कारकों में निहित हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारणों में बढ़ती आबादी और वाहन संख्या है। पिछले दशक में निजी वाहनों, विशेषकर टू–व्हीलर और छोटे कारों की उपलब्धता और खरीद शक्ति में वृद्धि ने सड़कों पर दबाव बढ़ा दिया है। साथ ही शहरीकरण के कारण लोग शहरों की ओर प्रवास कर रहे हैं; नतीजतन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र सघन हो रहे हैं जबकि सड़कों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हुआ। पुराने शहर नियोजन, संकरे पुराने मार्ग और नए विकास के लिए पर्याप्त सड़क–नेटवर्क न होना भी बड़ा कारण है।

सार्वजनिक परिवहन की अप्रत्यक्षता और असुविधा। राजस्थान के कई शहरों में बस–सेवा अव्यवस्थित या अपर्याप्त है समय–सारिणी, आवृत्ति और मार्गों की योजना प्रभावी नहीं है। लोग समय की पाबंदी और सुविधा के कारण निजी वाहन चुनते हैं। तीसरा कारण पार्किंग की कमी और अवैध पार्किंग है। व्यापारिक क्षेत्रों और बाजारों में वाहन अक्सर सड़कों के किनारे खड़े रहते हैं, जिससे गति कम होती है और मार्ग संकरे हो जाते हैं। सड़क संरचना और सिग्नलिंग की कमी है, कई जगहों पर जंक्शन और चौराहों पर उचित ट्रैफिक सिग्नल, लेन मार्किंग और मोड़ के लिए अस्थायी जगह नहीं है। कुछ स्थानों पर लोकल मार्केट, स्कूल और सरकारी दफ्तरों के सामने सड़कें छोटी पड़ जाती हैं, जो जाम को आम बनाती हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय-सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है।

स्थानीय प्रशासन और नागरिक व्यवहार में भी जिम्मेदारी साझा है। अक्सर सड़क नियमों का पालन नहीं किया जाता; गलत तरीके से ओवरटेकिंग, नियमों का उल्लंघन, और रेड लाइट को पार करना सामान्य दृश्य हैं। इसके अलावा, निर्माण कार्य और रोड–वर्क के दौरान समुचित ट्रैफिक प्रबंधन के अभाव में जाम और बढ़ जाता है। मौसम के हिसाब से बारिश या त्योहारों के दौरान यातायात और अधिक जटिल हो जाता है। पर्यटन के मौसम में प्रमुख पर्यटक मार्गों और शहरों में भीड़ बढ़ती है, जिससे अस्थायी जाम बनते हैं।

इस समस्या के समुचित समाधान के लिए बहु–आयामी और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले सड़कों और यातायात बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना होगा। इसमें प्रमुख शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल, बेहतर लेन–डिजाइन, फ्लाईओवर, रिंग रोड और सड़कों का चौड़ीकरण शामिल है। परन्तु केवल सड़कों का चौड़ीकरण पर्याप्त नहीं है; दीर्घकालिक योजना में सार्वजनिक परिवहन का सशक्तिकरण आवश्यक है। अपने–आप में बेहतर बस–नेटवर्क, बीआरटी (बस रैपिड ट्रांज़िट) जैसे विकल्प, और इंटरसिटी कनेक्टिविटी सुधार कर निजी वाहन पर निर्भरता कम की जा सकती है।

मजबूत और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन के साथ–साथ पार्क–एंड–राइड सुविधाएँ, साइकिल लेन और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथ विकसित करने चाहिए। छोटे शहरों और कस्बों में भी साइकिल तथा ऑटो–रिक्शा जैसे लास्ट–माइल विकल्पों को व्यवस्थित करने से हालात सुधर सकते हैं। पार्किंग प्रबंधन के लिये डिजिटल प्रणालियाँ, स्मार्ट पार्किंग और पार्किंग शुल्क का विवेकपूर्ण उपयोग व्यवहार बदल सकता है, जिससे सड़क किनारे पार्किंग में कमी आएगी और मार्ग खुलेंगे।

ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिये ई–निगरानी और एनफोर्समेंट जरूरी है। सीसीटीवी, रेड–लाइट कैमरा, और चालान–आधारित दंड व्यवस्था से नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई हो सकती है। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन को सड़क निर्माण या मरम्मत के दौरान वैकल्पिक मार्ग और सुव्यवस्थित सूचना देनी चाहिए ताकि नागरिक पूर्व तैयारी कर सकें। न केवल दंड व्यवस्था, बल्कि जागरूकता अभियानों से नागरिकों की सोच बदलना जरूरी है, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से सुरक्षित और व्यस्थित ड्राइविंग की शिक्षा दी जाए।

टेक्नोलॉजी का उपयोग भी अहम भूमिका निभा सकता है। स्मार्ट सिटी पहल के तहत ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण कर समयानुकूल ट्रैफिक नियंत्रण, रियल–टाइम सूचना और यातायात के वैकल्पिक मार्ग सुझाए जा सकते हैं। मोबाइल ऐप्स और नेविगेशन सेवा प्रदाताओं के साथ तालमेल करके ड्राइवरों को जाम से बचने के उपाय सुझाए जा सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने को बढ़ावा देने से प्रदूषण में कमी आएगी, परंतु इसके साथ चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और नियोजन भी आवश्यक है ताकि नए वाहन और चार्जिंग स्टेशन ट्रैफिक का नया बोझ न बनें।

नियोजन और नीतिगत स्तर पर ज़रूरी है कि विकास योजनाएँ क्षेत्रीय और समन्वित हों। भूमि उपयोग नीति, आवासीय और वाणिज्यिक विकास, और परिवहन योजनाएँ आपस में जुड़ी रहें। शहरों के वृद्धि मानचित्रों और ट्रैफिक प्रक्षेपणों के आधार पर रोड नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन का पूर्व–निर्धारण करने से भविष्य में होने वाली जाम की गंभीरता घटाई जा सकती है। इसके लिए पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए निवेश, और राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी परिवहन योजनाओं को तेज़ी से लागू करना आवश्यक है।

समाज की भूमिका को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। नागरिक समन्वय समितियाँ, व्यापार संघ और स्कूल–स्तर पर समय सारिणी समायोजन (जैसे स्कूल शुरू होने के समय में फेरबदल) जैसे स्थानीय कदम भी जाम को कम कर सकते हैं। त्यौहार और बड़ी सार्वजनिक गतिविधियों के समय ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिये विशेष टीमों और स्वयंसेवकों का उपयोग प्रभावी परिणाम दे सकता है। स्थानीय मीडिया और विज्ञापन के माध्यम से जागरूकता फैलाने से नागरिकों में अनुचित पार्किंग और गैरकानूनी ड्राइविंग के रूप में सामाजिक दंड बन सकता है।

राजस्थान में ट्रैफिक जाम का निवारण केवल तकनीकी और वित्तीय उपायों तक सीमित नहीं है यह सामाजिक व्यवहार में बदलाव, नीतिगत दृढ़ता और दीर्घकालिक योजना का संयोग मांगता है। जब तक हम सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुविधाजनक नहीं बनाएंगे, तब तक निजी वाहनों की बढ़ती संख्या और उसके परिणाम बने रहेंगे। इसी तरह, जब तक नागरिक नियमों का सम्मान करना और साझा समाधान अपनाना नहीं सीखेंगे, तब तक छोटे–छोटे उपाय भी स्थायी प्रभाव नहीं डाल पाएंगे।

ट्रैफिक जाम को नासूर मानकर हल करना तभी संभव है जब राज्य सरकार, नगर निगम, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र मिलकर एक समग्र दृष्टि के साथ कार्य करें। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, सस्ती और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन तथा नागरिक जागरूकता ये चार स्तम्भ मिलकर ही इस समस्या को जड़ से मिटा सकते हैं। यदि आज हम सक्रिय रूप से कदम नहीं उठाएंगे, तो आने वाले वर्षों में बढ़ती आबादी, यात्री और वाहन राजस्थान की सड़कों को और अधिक घुटनपूर्ण बना देंगे। इसलिए समय रहते योजनाबद्ध, समन्वित और टिकाऊ उपाय अपनाना अब प्राथमिकता होनी चाहिए।

**–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार**

पुरानी वर्जनाओं, दकियानुसी विचारों तथा तानाशाही को तोड़ती थी प्रेमचंदजी की कहानियां व उपन्यास

31 जुलाई, मुंशी प्रेमचन्द जी की 146वीं जयंती पर विशेष..........

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

कहानियों के मील का पत्थर भीष्म पितामह, पुरोधा, महा झूमर, सुमेरू पर्वत, जामवन्त, कायस्थ–कुल गौरव रत्न, हिन्दी व उर्दु भाषा के शेक्सपीयर व जन्मजात प्रतिभा युक्त मुंशी प्रेमचन्द जी, जो कि महानतम कहानीकार व उपन्यास सम्राट तथा एक महाकवि थे। सीधी सादी गंभीर बेलोस बेमुरव्वत व बेमोहब्बत, प्रभावी शक्ल के मालिक जिनका नाम धनपत राय भी था, जो कि बिल्कुल गंवई, कस्बाई, भुच्च शक्ल व सांवले रंग के मालिक, जो सामान्यत बंद गाढ़े का कुर्ता पजामा तथा चमरौधीं जूता पहनते थे जो चर्र–चर्र की आवाज करते थे, एक अलग ही शख्सियत, व्यक्तित्व था, जो कि लोगों पर आसानी से हावी हो जाता था। मुंशी जी 31 जुलाई, 1880 को वाराणसी के लमही गाँव में जन्मे थे। परमादरणीय व अति सम्माननीय मुंशी जी की लेखनी हिन्दी व उर्दु दोनों भाषाओं में लाजवाब थी, त्वरित व समान चलती थी व आज भी एक वैश्विक व अन्तराष्ट्रीय पहचान बनी हुई है।

प्रेमचन्दजी ने समकालिन व सामयिक व यथार्थ परख जमीनी दुनिया से जुडे.हुए विषयों पर लगभग 300 से ज्यादा कहानियाँ लिखी व 15 के आसपास उपन्यास, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें व तीन नाटक लिखे तथा सैंकडों–हजारों पन्नों के लेख संपादकीय, पत्रकारिता लेखन, भूमिका व भाषण लेखन साथ ही साथ काफी सारी रचनाएं व पत्र आदि लिखे, जो कि अपने आप में बेमिसाल तथा बेजोड़ थे। उनकी मुख्य कहानियों में–''ठाकुर का कुआ, पूस की रात, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, कफ़न, बड़े भाई साहब, नशा, बू–सजयी काकी, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दरोगा, ईदगाह तथा मंत्र आदि–आदि व उपन्यास, रंग भूमि, गोदान, गबन, सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि आदि व आखरी अधूरा लिखित उपन्यास 'मंगलसूत्र' था। ये बात आज भी 100 फीसदी सही है कि भारत की अनुमानत: 76 प्रतिशत आबादी छोटे–छोटे गाँव, कस्बों–ढाणियों में बसती–विचरती है, आदरणीय प्रेमचन्द जी ने इन्हीं सब पर अपना पूरा साहित्य उड़ेला।

प्रेमचन्द जी की रचनाएं आज भी कालजयी व प्रासांगिक है। उन्हें हिन्दी का शेक्सपीयर यूही नहीं कहा जाता है। उनकी प्रत्येक रचना, कहानी व उपन्यास हमेशा एक परम्परा व काली सच्चाई के इर्द–गिर्द घूमते हैं। उनका असली नाम धनपत राय था व उन्होंने 1901 में उपन्यास लिखना शुरू किया तथा कहानियां लगभग 1907 से लिखना शुरू की। उनकी कहानियों व उपन्यासों में जमकर व तबीयत से लोकोक्तियों, कहावतों, मुहावरों तथा गंवई शब्दों व भाषा का उपयोग होता था।

1910 में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के दौरान उनकी कहानी 'सोजे वतन' जब्त कर ली गई तथा उसकी अनेकों प्रतियां फाड़ दी व जला दी गई। उस समय अंग्रेजों के शासन काल में जब लोग कानपुर से प्रसारित होने वाले अखबार में 'रफ्तार–ऐ–जमाना' जैसे कॉलम में वो लिखा करते थे व लोग उसे पढ़कर उनकी सराहना करते थे। अत: वो एक अच्छे पत्रकार व कवि भी थे। उर्दू भाषा में वो नवाबराय के नाम से लिखते थे। उन्होंने हिन्दी कहानियों, उपन्यास, रचनाओं व हिन्दी साहित्य को नये विविधा विविध बहु आयाम दिये। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की व 1930 में 'हंस पत्रिका' का प्रकाशन शुरू किया। साथ ही साथ कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन भी किया, उनमें प्रमुखत:– 'हंस, जागरण, मर्यादा तथा माधुरी' जैसी पत्रिकाएं भी थी।

लगभग 300 से ज्यादा लिखी कहानियों में आम आदमी की लिज लिजी जिन्दगी, गरीबी–अमीरी व उनकी चुभन, घुटन, प्रतिशोध, कसक, अंधविश्वास, दंभ व घमंड तथा रूढ़िवादी परंपराओं पर भरपूर प्रहार किया व हरेक जन व पाठकों को सोचने पर मजबूर किया। साथ ही साथ मानवीय मूल्यों को भी सहेज कर रखा जो उनकी कहानियों में स्प–ुनवजयट परिलक्षित व प्रभावी होते दिखते है। 1910 की घटना के बाद उनके परम मित्र दया नारायण निगम जो कि 'जमाना' अखबार के संपादक थे, उन्होंने, उन्हें प्रेमचन्द नाम से लिखने की सलाह दी तब उन्होंने नवाबराय नाम के बजाय प्रेमचन्द नाम से लिखना शुरू किया।

20वीं सदी के भारत में 1935 तक, उस दौरान जातिवाद, छुआछुत, संकीर्णता की भावना, साम्प्रादायिक संकीर्णता, ऊँच–नीच का भेदभाव, गरीबों मजदूरों व श्रमिको का शोषण तो चलता ही था तथा इन सबसे अलग व विशेषकर महिलाओं को हेय व हीनदृष्टि से देखना अपने सर्वोच्चतम शिखर पर था। उस समय अंग्रेजों व फिरंगियों के राज मे अंग्रेज लोग यही सोचते थे कि साहित्य लिखना, समझना व पढ़ना सिर्फ अंग्रेजों को ही आता है या उन्हीं का ये सर्वसिद्ध अधिकार है। इस विषम काल में एक आवाज व लेखनी प्रेमचन्द जी के रूप में ऐसी निकली, जिसकी गूंज आज तक गूंज रही है, लिखी व बोली जिन्होंने पूरे अंग्रेजी राज के साहित्यकारों व लेखकों को हिन्दी में अपनी कहानियां व उपन्यास लिखकर संपूर्ण टक्कर दी व उन्हें सोचने, विचारने पर मजबूर किया।

'पंच परमेश्वर' कहानी में जुम्मन शेख व अलगू चौधरी के माध्यम से सत्य अंहिसा व इंसाफ की जीत को दिखाया ना कि दोस्ती के पक्षपात को। नाटक 'कर्बला' में हिन्दू–मुस्लिम शक्ति व एकता का संदेश दिया। प्रेमचन्द जी ने 'निर्मला' उपन्यास में विधवा विवाह का समर्थन किया तो उन्होंने उसे अपने जीवन में उतारा तथा स्वयं का विवाह शिवरानी देवी (जो कि स्वयं एक बाल विधवा थी।) से करके व्यवहार में उसे सिद्ध व लागू किया।

उस काल में उन्होंने सम सामयिक विषयों पर व सारी प्रचलित समस्याओं व मान्यताओं को सामने रखकर लिखा। 'सेवा सदन' (बाजार–ए–हुस्न), गबन, निर्मला, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि जैसे अनेकों उपन्यास लिखे, जिनकी आज भी कोई काट नहीं है।

'गोदान' उपन्यास तो पूरे ग्रामीण जीवन व परिवेश तथा रूढ़िवादी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता, दिखाता है। उन्होंने सामाजिक कुरूतियों, अंधविश्वास व ग्रामीण समस्याओं से निकलकर लोगों को अपनी लेखनी के माध्यम से बताया, समझाया व लोहा मनवाया। प्रेमचन्द जी संभवत: सदी के प्रथम ऐसे रचनाकार व साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, कहानी व कथा लेखन को कपोल–कल्पित कल्पनाओं तथा कल्पनालोक के प्रभाव से निकलकर व लोगों को निकालकर आमजनों को वास्तविकता व जमीनी हकीकतों व विशुद्ध यथार्थ से अवगत करवाया।

उन्होंने सरल, सहज व सामान्य, जन साधारण वेशभूषा का उपयोग किया व उन्हें अपने प्रयोग में लाये। उपन्यास के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को देखते हुए, बंगाल के योग्य, प्रख्यात व लब्ध प्रतिष्ठित उपन्यासकार शरदचन्द्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास–सम्राट' कहकर संबोधित किया। कहानी 'मंत्र' ये दर्शाती है कि कभी भी अपने चिकित्सकीय पेशे व पैसे का घमंड़ नहीं करें, हो सकता है आपको भी कभी गरीब 'भगत' जैसे आदमी से मदद लेनी पड़े।

1930 के आस पास उनका गांधीवाद से मोहभंग हो गया। 'गोदान' इसका सशक्त उदाहरण है इसमें किसान के शोषण, गरीबी तथा उसकी दुर्दशा का ऐसा भयावह चित्रण किया है कि अंत में किसान पात्र 'होरी' की मृत्यु ने पाठकों के अर्न्तमन को अंदर तक झकझोर दिया। कहानी 'ईदगाह' के माध्यम से प्रेमचन्द जी ने यह संदेश दिया कि गरीबी बच्चों को उम्र से पूर्व ही बड़ा बना देती है।

असल में व अंत में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि प्रेमचन्द जी कहानी, कविता, पत्रकारिता, संपादन व लेखन क्षेत्र तथा उपन्यास लिखने के संबंध में वे साहित्य का हिमालय व सुमेरू पर्वत थे जिनकी समस्त रचनाएं कालजयी है व वे आज भी बेजोड़ है, चंद पन्नों व पंक्तियों में उन्हें व उनके साहित्य को पूर्णरूपेण समेटना मुश्किल ही नही नामुमकिन है। उनकी मृत्यु 8 अक्टुबर, 1936 को 56 वर्ष की अल्प आयु में 'जलोदर' रोग के द्वारा हुई। वे हमेशा आडम्बर व दिखावे से दूर रहते थे तथा अपना काम खुद करना पसन्द करते थे, अगर वे 35–40 वर्ष और जीते तो ऐसे महाकाव्य, उपन्यास लिख जाते जिनकी कल्पना करना, काफी अतीत से परे व कठिन है। उनकी जयंती पर उन्हें सहस्त्र कोटि नमन।

**–प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना,
वरिष्ठ आचार्य व होम्योपैथिक चिकित्सक।**

मुंशी प्रेमचंद – फटे जूते और फकीराना

गोवर्धन दास बिन्नाणी

बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार शरतचन्द्र चट्टोपाध्यायजी ने मुँशी प्रेमचंद जी के बेहतरीन उपन्यासों और कहानियों को देखकर उन्हें 'उपन्यास सम्राट' की उपाधि दी थी। इसलिये 'उपन्यास सम्राट' मुँशी प्रेमचंद पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। अत: संक्षेप में, साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुवे कथा सम्राट मुँशी प्रेमचंद जी ने जैसा बताया उसका निचोड़ इस प्रकार है –

1 साहित्य समाज को अपने किये हुए कार्य को सही आइना दिखाने का काम करता है।

2 साहित्य समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

3 भटकते हुए समाज को सही दिशा दिखाता है अर्थात हम कहाँ है और कहाँ तक दूरी तय करनी है।

4 साहित्य में सबका हित

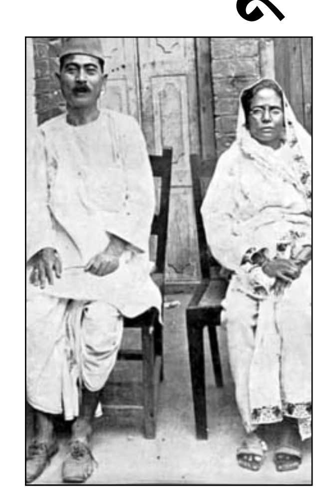

समाहित रहता है। जिसका मतलब है साहित्य में सभ्य और संस्कारी समाज की कल्पना समाहित है।

मुँशी प्रेमचंदजी की रचनाएँ सामाजिक यथार्थ को चित्रित करती हैं और उनके कथ्य में न केवल मानवता, नैतिकता और समाज की समस्याएँ प्रमुख रूप में मिलती हैं बल्कि उनके आचरण में भी परिलक्षित हुवे हैं।

उदाहरण के तौर पर आप जब उनका अपनी पत्नी के साथ फोटो को देखते हैं तब पाते हैं कि वे फटे जूते पहने हुये हैं।

इस फोटो को देखकर हिन्दी साहित्य के सबसे महत्वपूर्ण लेखकों में से एक हरिशंकर परसाई जी ने एक लेख लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था –

अ ''सोचता हूँ–फोटो खिंचवाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी ?''

ब नहीं, इस आदमी की अलग–अलग पोशाकें नहीं होंगी–इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

स यह पोशाक बदल भी नहीं सकता क्योंकि इसने भारत की जनता के मर्म को छुआ है इस की पोशाक के पीछे गोदान जैसे महाकाव्य की आदरांजली भी तो है।

अब अन्त में कथा–उपन्यास की दुनिया के सबसे प्रसिद्ध हस्ताक्षर मुँशी प्रेमचंद जी को जन्म – जयन्ती पर श्रद्धा पूर्वक शत–शत नमन करता हूँ।

**गोवर्धन दास बिन्नाणी
'राजा बाबू'**

जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा

प्रो .कैलाश सोडाणी

हजारों वर्षो से भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है। शुद्ध प्राकृतिक पद्धति के माध्यम से ही देश ने कृषि के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है। जैविक कृषि ही भारत की पहचान रही है। जिस भूमि पर हमें वर्षो–वर्षो तक खेती करना है, अत: उसके उपजाऊपन को जीवित रखना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है।

उत्पादित होने वाली खाद्य सामग्री को उपभोग करने वाले मनुष्य एवं जानवर दोनों के स्वास्थ्य के अनुकूल होना भी आवश्यक है। साथ ही पर्यावरण की पवित्रता भी बनी रहनी चाहिये। इसी जैविक खेती के आधार पर कभी भारत आर्थिक दृष्टि से दुनिया में समृद्ध देश था।

पिछले 50–60 वर्षो में कृषि उत्पादन की मात्रा को तेजी से बढाने के भंवरजाल में रासायनिक खादों का उपयोग बेहिसाब बढ़ गया। प्रारम्भ में उत्पादन अभिवृद्धि से किसान की आय में भी इजाफा होने लगा। वैसे यह अल्पकालीन था। तत्कालीन समय देश अनाज एवं अन्य खाद्य पदार्थो के अभाव को भी झेल रहा था। ऐसे समय में स्वयं किसान एवं देश को येन–केन प्रकार से कृषिजन्य खाद्य पदार्थो के उत्पादन की मात्रा में अभिवृद्धि आवश्यक लग रही थी। अनाज की कमी से पीडति भारत को आयात पर निर्भर रहना पड़ रहा था। परिस्थितियां इस प्रकार की थी कि रासायनिक खादों के उपयोग से खाद्य उत्पादन में अभिवृद्धि आवश्यक थी। फिर धीरे धीरे रासायनिक खाद हर खेत की आवश्यकता हो गयी। उत्पादन में वृद्धि सभी को अच्छी लगने लगी।

इस खेल में हमारे देश में विकसित होती हुई पाश्चात्य सोच की भूमिका भी जिम्मेदार है। इसी सोच के प्रभाव में हम भारतीय परम्पराओं एवं शोध को कमजोर मानने लग गये। तुलनात्मक रूप से पाश्चात्य विचारों को हमारे से प्रभावी मानने के चक्कर में गोबर की खाद को भूलने लग गये। यहीं से भाषा एवं वेशभूषा की भाँति खेती में भी गलत मार्ग पर आगे बढने लग गये। धीरे–धीरे फसलों के उत्पादन में अभिवृद्धि के साथ–साथ पर्यावरणीय क्षति की कीमत भी चुकानी पड़ने लगी। निरन्तर रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से भूमि की उपजाऊपन में कमी, पोषक तत्वों का असन्तुलन तथा उत्पादन लागत में वृद्धि जैसी समस्याएँ सामने आयी। ऐसी खाद्य सामग्री व्यक्ति के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अनुकूल नहीं थी। कृषि वैज्ञानिकों के लिए यह चिन्ता एवं शोध का विषय हो गया। कृषि के उत्पादन वृद्धि के लिए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के असन्तुलित उपयोग तथा जैविक स्त्रोतों के नगण्य प्रयोग के कारण कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव के रूप में एक नई समस्या सामने आयी। रासायनिक अवशेषों से युक्त खाद्य पदार्थो के लम्बे समय तक सेवन से अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ सामने आने लगी। पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देने लगा।

परिणाम एवं परिस्थितियों के कारण अब लोगों को समझ में आने लग गया कि हमें जैविक खेती की ओर ही बढ़ना होगा। समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ने भी जैविक कृषि के महत्व को बढ ाया है। उपभोक्ता अधिक कीमत देकर भी जैविक उत्पाद को प्राथमिकता देने लग गये हैं। कम मात्रा में उत्पादन के बावजूद कुल कीमत रासायनिक उर्वरकों से युक्त उत्पादन से अधिक मिलने लग गयी। 2016 में सिक्किम देश का पहला पूर्ण जैविक राज्य बन गया। राज्य में रासायनिक उर्वरकों एवं रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। दुनिया के 180 देशों ने जैविक कृषि को अपनाया जा रहा है।

जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या के आधार पर भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। क्षेत्रफल के आधार पर दूसरे स्थान पर है। जैविक खाद्य पदार्थो की लोकप्रियता और अधिक बाजार मूल्य के कारण इस क्षेत्र में लोग धोखाधडी करने लग गये हैं। उपभोक्ताओं को सावधान रहना होगा क्योंकि कुछ व्यापारी रासायनिक कृषि उत्पादों को जैविक उत्पाद बताकर अधिक कीमत पर बेच रहे हैं।

इस सम्बन्ध में सरकार के कठोर नियंत्रण की आवश्यकता है। जैविक कृषि को स्थाई, स्वास्थ्य–वर्धक एवं पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रणाली माना जाता है, फिर भी दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक एवं बाजार सम्बन्धी चुनौतियों के कारण रासायनिक कृषि को आज भी प्राथमिकता दी जा रही है। जैविक प्रमाणन की प्रक्रिया भी बडी जटिल है। जैविक उत्पाद के क्रय–विक्रय के लिए अलग से मंडियाँ नहीं हैं। किसानों को तकनीकी ज्ञान की जानकारी नहीं है। उपरोक्त समस्याओं के बावजूद समाज को रासायनिक खेती को छोडना होगा। स्वस्थ एवं सुरक्षित भोजन, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए जैविक उत्पाद की ओर ही आगे बढ़ना होगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी, पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा।

राशिफल

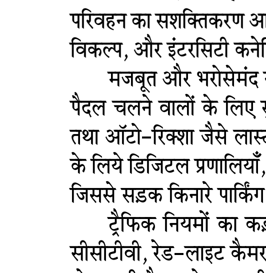

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 31 जुलाई, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 7:27 तक, सौभाग्य योग रात्रि 11:54 तक, तैतिल करण दिन 10:01 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:38 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

राजयोग सूर्योदय से सायं 7:27 तक है। आज अशून्य शयन व्रत, जया पार्वती व्रत, जागरण है। पंचक प्रात: 6:38 से आरम्भ होंगे।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–मकर, मंगल–वृष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–सिंह, शनि–मीन राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ–अमृत 7:34 से 10:53 तक, शुभ 12:33 से 2:13 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। कानूनी विवादों का निपटारा हो सकता है।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Film That Gave Bollywood Its Voice

People were used to seeing silent movies after reading the title cards. Now, characters were speaking. People were saying in the theatre where is the sound coming from?

The "Thin-Fat" Indian Phenotype

एक तरफ प्रधानमंत्री और सरकार की प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करने की कोशिश की सोच है

दूसरी ओर भाजपा के ही कुछ वरिष्ठ नेता, जिनमें यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन भी शामिल हैं, आंदोलनरत छात्रों को गैरसंस्कारी बता रहे हैं, यहाँ तक कि बड़े भद्दे शब्दों में परिभाषित कर रहे हैं

- **यह दुविधा सोची समझी रणनीति है या विचारों में वाकई में मतभेद होने का संकेत है।**
- **अगर इस दुविधा का हल नहीं ढूंढा गया तो आंदोलन और उग्र हो सकता है और उसके परिणाम सभी के लिए दुखदायी हो सकते हैं।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अब भाजपा और आरएसएस के उन नेताओं की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे जेन ज़ैड प्रदर्शनकारियों के आचरण और भाषा की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों का आचरण "भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं था और इससे समाज को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।"

इससे पहले केरल के हिंदुत्व विचारक टी. जी. मोहनदास और मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत सहित, कई नेताओं ने भी छात्र प्रदर्शनकारियों की आलोचना की थी। उनका कहना था कि प्रदर्शन के दौरान अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसका बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ था।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने आज कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा ने "पूरे समाज का सिर शर्म से झुका दिया।" उन्होंने कहा, "जो कुछ भी कहा गया, वह हमारी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप नहीं था।" राज्यपाल ने कहा कि बेटियों को वेद, उपनिषद, भगवद्गीता और रामायण जैसे ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए, ताकि उनमें अच्छे संस्कार और नैतिक चरित्र का विकास हो।

विडंबना यह है कि ये टिप्पणियां प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत और सामंजस्य बनाने की केन्द्र सरकार की नीति से अलग दिखाई देती हैं। यह अंतर साफ नजर आता है। एक ओर केन्द्र सरकार ने व्यवहारिक रुख अपनाते हुए, बातचीत, समझौते और अंततः आंदोलन की प्रमुख मांगों को स्वीकार करने की इच्छा दिखाई, जो संवाद और तनाव कम करने की संस्थागत सोच को दर्शाता है। दूसरी ओर, भाजपा और आरएसएस से जुड़े कुछ नेताओं ने टकरावपूर्ण, नैतिक उपदेश देने वाला और कई बार हिंसा का समर्थन करने तथा हिंसा को जरुरी समझने वाला रुख अपनाया। उन्होंने युवा प्रदर्शनकारियों को सामाजिक रूप से पतित बताया तथा उनके खिलाफ घातक बल प्रयोग की बात कही। यह अंतर दिखाता है कि जहां सरकार आधिकारिक स्तर पर संतुलित राजनीतिक प्रबंधन की नीति अपना सकती है, वहीं उसके वैचारिक समूहों के कुछ लोग असहमति के खिलाफ सांस्कृतिक और ध्रुवीकरण वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं और युवाओं के असंतोष से निपटने के तरीके को लेकर कई सवाल आज भी अनुत्तिरत हैं।

सबसे तीखा हमला केरल के हिंदुत्व विचारक और आरएसएस से जुड़े भाजपा के पूर्व बौद्धिक प्रकोष्ठ प्रमुख टी. जी. मोहनदास की ओर से आया। 26 जुलाई के आसपास जारी किए गए अपने यूट्ययूब वीडियो में उन्होंने कहा कि यदि वे प्रभारी तथा अधिकृत होते तो जंतर-मंतर के चारों ओर चार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ्यू लगा देते, प्रदर्शनकारियों को हटने के लिए तीन बार चेतावनी देते और उसके बाद पुलिस को गोली चलाने का आदेश देते। उन्होंने कहा, "कुछ लोग मर सकते हैं, कुछ लोग हमेशा के लिए दिव्यांग हो सकते हैं (लेकिन) चार घंटे के भीतर स्थिति पूरी तरह शांत हो जाएगी।" उन्होंने यह भी दावा किया कि "वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और बहुजन" प्रदर्शनकारियों में शामिल महिलाएं "बलात्कार पसंद करती हैं" और (इसलिये) सामूहिक बलात्कार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली सरकार जंतर मंतर पर पैलेट गन से घायलों का इलाज कराये

नई दिल्ली, 30 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह जंतर-मंतर के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हुए प्रदर्शनकारियों का इलाज कराए। कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि किसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने रैपिड एक्शन फोर्स के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का भी आदेश दिया।**

विशेष घटना में पैलेट गन के इस्तेमाल की वैधता की जांच की जा सकती है।

उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश आईबी के पूर्व निदेशक और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और दो अन्य पीड़ितों की याचिका पर दिया है। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के साथ ही पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान कनॉट प्लेस के पास भारी भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए तैनात आरएएफ ने पहले आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। उसके बाद पैलेट से लैस पंप एक्शन गन का इस्तेमाल किया गया।

याचिका में कहा गया है कि बल प्रयोग करने से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई और कई प्रदर्शनकारियों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऐसा लगता है, ईरान अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के खिलाफ बहादुरी से संघर्ष कर रहा है

क्या अब ईरान के पास उन गिने-चुने, अलग-थलग पड़े आतंकी गुटों का ही समर्थन रह गया है

- **अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने मध्यपूर्व में अमेरिका के सैन्य अड्डों व सैन्य बलों पर अचानक भारी हमले किए, हमले के लिए उसने वही दिन चुना, जिस दिन लंबे अर्से बाद वाइट हाउस में ट्रंप व इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मीटिंग हुई थी।**
- **अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान की व्यग्रता का कारण ओमान के तट से होकर होर्मुज़ का वैकल्पिक रास्ता खोलना है, क्योंकि अगर होर्मुज़ का विकल्प सफल हो गया तो ईरान से उसका "ट्रंप कार्ड" छिन जाएगा।**
- **होर्मुज़ पर नियंत्रण ईरान के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है और उसे इसमें स्थायी आय स्रोत भी दिख रहा है। ईरान किसी भी कीमत पर होर्मुज़ को नहीं छोड़ेगा, साथ ही वह नहीं चाहता कि इसका विकल्प बने। हालांकि, सारा विश्व चाहता है कि होर्मुज़ को ईरान की पकड़ से बाहर निकाला जाए।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों और बलों पर अचानक हमला किया, वो भी उस दिन, जब इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वाइट हाउस में ट्रंप से मिले थे। यह बैठक लंबे अंतराल के बाद हुई थी, जब दोनों नेताओं के संबंधों में आई खटास कुछ कम होने का संकेत था और अमेरिका ने इज़रायल को ईरान के ठिकानों पर नए हमले करने से रोका था।

जॉर्डन में अमेरिकी बलों पर ईरान के अचानक हमलों के जवाब में अमेरिका ने ईरान पर हमले किए, जिन्हें उसने "भारी हमले" बताया। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हो रहे हैं, जिनमें ईरानी नागरिक भी शामिल हैं। ईरान के क़ेश्म तेल द्वीप पर अमेरिकी हमले में एक बच्चे सहित, तीन सदस्यों वाले पूरे परिवार की मौत हो गई।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि ईरान को आशंका है कि इज़रायल एक बार फिर सक्रिय होकर उसके खिलाफ नया मोर्चा खोल सकता है।

लेकिन इससे भी अधिक तात्कालिक कारण अमेरिका और ओमान की वह संयुक्त पहल थी, जिसके तहत होर्मुज़ स्ट्रेट में ओमान के तट से सटे और ईरान द्वारा नियंत्रित आधिकारिक मार्ग के दक्षिण में एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग खोलने की कोशिश की जा रही थी। यदि यह व्यवस्था स्थिर हो जाती, तो इससे ईरान के सबसे बड़े रणनीतिक हथियार, होर्मुज़ स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण व्यावहारिक रूप से समाप्त हो जाता।

दरअसल, ईरान के उप-विदेश मंत्री ने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में इस चिंता को स्पष्ट रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई की एयर इंडिया बिल्डिंग बनी महाराष्ट्र का नया सीएम ऑफिस

23 मंजिला इस सी फेसिंग इमारत को गत माह 1601 करोड़ रूपए में महाराष्ट्र सरकार ने खरीदा है

- **अब मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस "मंत्रालय" (महाराष्ट्र का राज्य सचिवालय) से अलग अपना ऑफिस चलाएंगे, बाद में अन्य विभागों को भी यहाँ शिफ्ट किया जाएगा।**
- **एयर इंडिया बिल्डिंग 1974 में बनी थी। एयर इंडिया के निजीकरण और टाटा समूह द्वारा इसके अधिग्रहण के बाद इस बिल्डिंग सहित एयर इंडिया की गैर प्रमुख परिसंपत्तियों का स्वामित्व एयर इंडिया एसैट्स होल्डिंग लिमिटेड को सौंप दिया गया था।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। समुद्र के किनारे बनी 23 मंजिला मशहूर एयर इंडिया बिल्डिंग, जिसे पिछले महीने महाराष्ट्र सरकार ने 1601 करोड़ रुपये में खरीदा था, अब मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का नया कार्यालय बनेगी। यह कार्यालय राज्य सचिवालय "मंत्रालय" से अलग जगह होगा।

महाराष्ट्र सरकार को मंत्रालय के पास दक्षिण मुंबई के प्रमुख इलाकों में ऑफिस की जगह की कमी का सामना करना पड़ रहा था।

एयर इंडिया बिल्डिंग का निर्माण वर्ष 1974 में राज्य सरकार की रिक्लेम की गई जमीन पर किया गया था। शुरुआती दिनों में इसकी लिफ्टों में सफर करने का अनुभव लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र हुआ करता था।

एयर इंडिया के निजीकरण और टाटा समूह द्वारा उसके अधिग्रहण के बाद, इस इमारत सहित, उसकी सामान्य (नॉन-कोर) संपत्तियां, एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड (एआईएएचएल) को सौंप दी गई थीं।

फडणवीस के कार्यालय के अलावा, मंत्रालय के बाहर काम कर रहे सभी सरकारी विभागों को भी इस इमारत में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे सरकार को हर साल किराये के रुप में जाने वाले लगभग 200 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

आठ जिलों में स्थाई लोक अदालतों का गठन होगा

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के 8 जिलों में स्थाई लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया है।

मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार फलौदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने फलौदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और सलूम्बर में लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया।**

तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ एवं सलूम्बर में स्थाई लोक अदालत खोली जाएंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिना निर्वाचित हुए छः माह से अधिक समय तक मंत्री बने रहने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए बिहार सरकार को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है

- **यह मामला पंचायती राज्य मंत्री दीपक प्रकाश का है, वे ना तो विधानसभा के सदस्य हैं, ना ही विधान परिषद के, इसलिए उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दर्ज हुई है।**
- **दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं, जिनकी पार्टी आरएलएम एनडीए की घटक है।**
- **दीपक प्रकाश के खिलाफ सोशल एक्टिविस्ट राकेश कुमार सिंह ने याचिका दायर की है, जिसमें दीपक प्रकाश को बिहार की नई सरकार में मंत्री बनाए जाने को चुनौती दी गई है।**
- **इससे पहले उन्हें 20 नवम्बर 2025 को बिहार सरकार में मंत्री बनाया गया था, वे तब निर्वाचित नहीं थे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश एक अजीब तरह की जांच का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि वे विधानसभा या विधान परिषद, किसी भी सदन के सदस्य बने बिना मंत्री पद पर बने हुए हैं।

दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम, भाजपा की सहयोगी है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार सरकार को यह बताना होगा कि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश राज्य विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य बने बिना छह महीने से अधिक समय तक मंत्री पद पर कैसे बने रहे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी दीपक प्रकाश बिहार विधानसभा या विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुए बिना मंत्री बने हुए हैं। उन्होंने शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए कहा, "माई लॉर्ड, अब छह महीने से अधिक हो चुके हैं और वे अब भी मंत्री हैं।"

बिहार सरकार की ओर से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामला पहले से ही 27 अगस्त को सुनवाई के लिए लिस्टेड है। उन्होंने सुनवाई की तारीख पहले करने का निर्णय अदालत के विवेक पर छोड़ दिया। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह पूरी तरह कानून का प्रश्न है और राज्य सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि संविधान के किस प्रावधान के आधार पर किसी ऐसे व्यक्ति को, जो विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य नहीं है, छह महीने से अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी को दुष्कर्म के मामले में उम्र कैद

जयपुर, 30 जुलाई। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने आपराधिक मामले में महिला के पति की मदद के नाम पर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले मध्यप्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही, पीड़िता की नाबालिग पुत्री से

- **अदालत ने एआईजी अनिल मिश्रा को पीड़िता की नाबालिग पुत्री से अश्लीलता के मामले में 3 साल की सजा भी सुनाई।**

अश्लीलता करने के मामले में भी मिश्रा को तीन साल की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप वाजपेयी और पीड़ित पक्ष के वकील मुकेश पाठक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 11 जुलाई, 2014 को महिला थाना दक्षिण में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि उसके पति के खिलाफ फरवरी, 2012 में एमपी के सिरोह में शिकायत दर्ज हुई थी। इस दौरान उसके पति ने उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की राहुल गांधी की मांग का समर्थन किया

दीपके ने भी राहुल गांधी की तर्ज पर आरोप लगाया कि 20 जुलाई को छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता शाह के निर्देश पर ही हुई थी

- **दीपके ने विदेशी फंडिंग के आरोप पर कहा कि शाह गृह मंत्री हैं और फिर भी हमें विदेशी फंड मिल रहा है तो यह उनकी असफलता है, कैसे चाणक्य हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।**
- **दीपके ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता उन्हें व उनके परिजनों को भाजपा में शामिल होने के लिए धमका रहे हैं और कह रहे हैं, अगर भाजपा जॉइन नहीं की तो परिणाम भुगतने को तैयार रहो।**
- **इधर राज्यसभा में नीट पेपर लीक बिल पर बहस में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने शाह पर तीखा हमला किया और कहा, वो लोग गाँवों व अन्य राज्यों से आए बच्चों पर पैलेट गन चला रहे हैं, किसी की आँखे चली गई, किसी का कान और किसी का हाथ, इसके जिम्मेदार गृह मंत्री हैं।**
- **खड़गे ने कहा, आप (शाह) बंद कमरे में बैठे सुन रहे हैं, पर, आप हमेशा बंद कमरे में छिपे नहीं रहेंगे, एक दिन हम आपको खींच कर बाहर निकालेंगे।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिखाई दे रही हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस मांग का समर्थन किया, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की गई है। दीपके का आरोप है कि 20 जुलाई को परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा की गई कथित ज्यादतियां शाह के निर्देश पर की गई थीं।

इसी बीच समानांतर घटनाक्रम में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "वे उन बच्चों पर पैलेट गन चला रहे हैं, जो गांवों और दूसरे राज्यों से आए हैं। किसी की एक आंख चली गई, किसी का कान क्षतिग्रस्त हो गया, किसी का हाथ चला गया। इसके लिए जिम्मेदार कौन है? गृह मंत्री इसके लिए जिम्मेदार हैं।"

खड़गे का यह बयान 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों सहित, प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा किए गए कथित अत्याचारों के संदर्भ में था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सहित, विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया है कि शाह ने सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल प्रयोग करने का आदेश दिया था।

खड़गे ने कहा, "आप (शाह) शायद बंद कमरे के पीछे बैठकर मेरी बात सुन रहे होंगे, लेकिन हमेशा बंद कमरे में छिपे नहीं रह सकते। एक दिन हम आपको बाहर खींचकर लाएंगे।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान विधानसभा का सत्र 20 अगस्त से

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा का छठा सत्र आगामी 20 अगस्त से शुरू होगा। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा सचिवालय ने गुरुवार को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है। अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की।**

हरिभाऊ बागड़े ने संविधान के अनुच्छेद 174(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधानसभा का छठा सत्र 20 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा भवन, ज्योति नगर, जयपुर में आहूत किया है। विधानसभा के इस सत्र में सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों एवं अन्य सरकारी कार्यों को सदन में प्रस्तुत कर सकती है। इसके साथ ही, विपक्ष भी प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में जुटेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

कलश स्थापना समारोह मनाया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर पर भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह धूमधाम से मनाया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गंगाराम मूलचंदानी रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक रामसहाय वर्मा ने की। आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन नेमीचंद, संजय कुमार व अंकित कुमार सिरस को प्राप्त हुआ। सुनील भाणजा व हितेश छाबड़ा ने बताया कि विमल सन्मति वर्षायोग में प्रथम शांतिनाथ कलश लेने का सौभाग्य नेमीचंद, संजय कुमार, अंकित कुमार सिरस, द्वितीय आदिसागर कलश सुशील नीरा, राहुल आरामशीन, तृतीय महावीर कीर्ति कलश कांति देवी, सुभाष कुमार चंवरिया, चतुर्थ विमल सागर कलश सुरेंद्र कुमार, श्रेयांश कुमार माधोराजपुरा, पंचम सन्मति सागर कलश शिखरचंद, आशीष कुमार सिरस, छठवा सुंदर सागर कलश विष्णु कुमार, राहुल कुमार बोहरा, सातवां जिनवाणी कलश हुकुमचंद, पारसमल, संजय कुमार प्रेस को स्थापित करने का सोभाग्य प्राप्त हुआ।

युवक की कुएं में डुबने से मौत

टोंक। कोतवाली थाना क्षैत्र के बहीर में स्थित कुएं में डुबने 16 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सांय मृतक अकरम पुत्र अरसद उम्र 16 साल निवासी गाड़ियों का अड्डा कोतवाली थाना क्षैत्र के बहीर में स्थित एक गहरे कुएें में नहाने के लिए अपने चार-पांच दोस्तो के साथ गया था, तभी ज्यादा गहरे पानी में डुबने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। बाद में वहां खडे उसके दोस्तो के चिल्लाने पर आस-पास के निवासियों द्वारा अकरम को पानी से निकालकर जिला चिकित्सालय सआदत टोंक लाया गया, जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पंहुची कोतवाली थाना पुलिस ने परिजनो को बुलाकर शव को पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक शव का पोस्टमार्टम व अनुसंधान कार्य जारी है।

भोलेनाथ का पंचामृत अभिषेक किया

पावटा। पवित्र श्रावण मास के प्रथम दिन गुरुवार को पावटा सहित पूरा क्षेत्र पूरी तरह शिवमय नजर आया। पावटा कस्बे से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थित शिवालयों में गुरुवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दूध, दही, गंगाजल, शहद, पंचामृत और बेलपत्र अर्पित कर जलाभिषेक किया। कई मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन हुआ। सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ी भीड़ के चलते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। शहर के प्रसिद्ध बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर,गोपाल भैया मंदिर, प्राचीन लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, हखडेत हनुमान मंदिर, गणेश जी मंदिर, सीताराम मंदिर, मोदी मंदिर में तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

प्रागपुरा में शिक्षक संगोष्ठी का शुभारंभ

पावटा। राजस्थान शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ कोटपूतली बहरोड़ के तत्वावधान में पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, प्रागपुरा में गुरुवार से तीन दिवसीय शारीरिक शिक्षा शिक्षक संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। 30 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक आयोजित इस संगोष्ठी का उद्देश्य शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को विभिन्न खेलों के नवीनतम नियमों, तकनीकी बदलावों एवं प्रशिक्षण पद्धितयों से अवगत कराना है, ताकि वे विद्यार्थियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार कर सकें।

जागरूकता कार्यशाला आज

टोंक। राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (राजस्थान रेरा) की ओर से जिले के समस्त नगर निकायों, नगर परिषद, नगर पालिका के अधिकारियों, बिल्डर्स, प्रमोटर्स, अभियंताओं, आर्किटेक्ट्स एवं अन्य हितधारकों के लिए रेरा राजस्थान की अध्यक्ष वीनु गुप्ता आज 11 बजे जिला परिषद टोंक के बैठक हॉल में कार्यशाला आयोजित होगी।

भरतपुर में गुरू रविदास महाराज की कलश वंदन यात्रा का भव्य स्वागत

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास महाराज की 650वीं जयन्ती वर्ष समरसता संकल्प अभियान के रूप में मनाई जा रही है। जिसके अन्तर्गत रविदास महाराज की भव्य कलश यात्रा सम्पूर्ण भारतवर्ष में निकाली जा रही है।

कलश यात्रा ने रविदास की जन्मस्थली बेगमपुरा वाराणसी उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ होकर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य में होती हुई राजस्थान राज्य की भरतपुर जिले की सीमा ऊंचा नगला में प्रवेश किया। कलश वंदन यात्रा को उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं राजस्थान सरकार उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा लेकर आये। उस कलश को उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार दिया कुमारी को सुपुर्द किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कलश यात्रा का स्वागत किया।

कलश वंदन यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेन्द्र सैनी, राजस्थान सरकार गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच एवं बिहारी लाल विश्नोई ने कलश वंदन यात्रा की अगुवानी की। भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऊंचा नगला पहुंचकर संत शिरोमणी रविदास महाराज की कलश वंदन यात्रा का भव्य स्वागत किया। ऊंचा नगला बॉर्डर पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार प्रेम चन्द बैरवा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणी रविदास महाराज की जन्मस्थली बेगमपुरा वाराणसी में भव्य कलश वंदन यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लाखों की संख्या में विभिन्न समुदायों के लोग एकत्रित हुए। ठीक उसी प्रकार जयपुर में भी एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उस कार्यक्रम में 44 रथ राजस्थान के सभी जिलों को रवाना किये जायेंगे जो रविदास महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

> ■ गुरू रविदास महाराज की 650वीं जयन्ती वर्ष समरसता संकल्प अभियान के रूप में मनाई जा रही है

उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार दिया कुमारी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि रविदास महाराज किसी एक जाति विशेष एवं समुदाय के नही थे। उन्होंने सभी जाति, धर्म एवं समुदायों के लिए कार्य किया।

कलश वंदन यात्रा का भरतपर जिले की सीमा में जगह-जगह जोशीला स्वागत किया गया। जिसमें सैनी मिष्ठान भण्डार पर विष्णु सैनी द्वारा, सारस चौराहे पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष मोहन रारह, बिजलीघर स्थित संत शिरोमणी मंदिर में रूपेन्द्र सिंह जघीना, नरेश जाटव और राकेश मूढौतिया द्वारा, लुधावई हनुमान मंदिर पर गौरव सरपंच द्वारा, बांसी पर दौलत फौजदार द्वारा, मनीराम बाबा मन्दिर बैरी पर विधायक बहादुर सिंह कोली एवं सत्येन्द्र पथैना द्वारा जेसीबी द्वारा पुष्ण वर्षा कर स्वागत किया।

मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता की शपथ दिलाई

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में गुरूवार को जिले के समस्त थानों में व मानव तस्करी विरोधी पुलिस यूनिट टोंक कार्यालय में बैठक आयोजित कर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता की शपथ दिलाई गई तथा जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों को मानव तस्करी के विभिन्न रूपों, तथा कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यकम में मानव तस्करी विरोधी पुलिस यूनिट प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि तस्कर अक्सर बेहतर रोजगार, उच्च आय, विवाह, शिक्षा अथवा अच्छे भविष्य का झूठा लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रलोभनों से सतर्क रहना तथा क्षेत्रों में लगातार जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

पावटा अस्पताल की बीपीएचयू लैब में जांच व रिपोर्ट के इंतजार में भटक रहे मरीज

> ■ मरीजों ने बताया कि सैंपल कलेक्शन के लिए वायल उपलब्ध नहीं रहती, जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिलती, 122 प्रकार की सभी जांचें नहीं हो रही हैं

पावटा। पावटा राजकीय उपजिला चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावों की हकीकत अब सरकारी दस्तावेजों में भी सामने आने लगी है। जिस निजी एजेंसी को अस्पताल की बीपीएचयू लैब संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसी की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ओर पावटा उपजिला अस्पताल में अत्याधुनिक जांच भवन के निर्माण का शिलान्यास कर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अस्पताल की मौजूदा जांच व्यवस्था सवालों के घेरे में है।

रिपोर्ट लेने के लिए पावटा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीज घंटों अस्पताल में बैठे रहे, लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इससे मरीजों और उनके परिजनों में भारी नाराजगी देखने को मिली। मरीजों ने बताया कि सैंपल कलेक्शन के लिए वायल उपलब्ध नहीं रहती, जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिलती, 122 प्रकार की सभी जांचें नहीं हो रही हैं। मरीजों का आरोप है कि कई बार सैंपलों के समय पर नहीं पहुंचने या रिकॉर्ड में गड़बड़ी के कारण उन्हें दोबारा जांच करानी पड़ती है।

अस्पताल में कार्यरत सैंपल कलेक्शन कर्मियों ने भी व्यवस्था को लेकर अपनी असहायता जताई। उनका कहना है कि सैंपल अस्पताल से बाहर भेजे जाते हैं और आगे की प्रक्रिया उनके नियंत्रण में नहीं होती। समय पर रिपोर्ट नहीं आने से उन्हें भी मरीजों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गंभीर मरीजों का इलाज केवल रिपोर्ट में देरी के कारण प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि निजी ठेकेदार की लापरवाही के कारण सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की साख पर भी सवाल उठ रहे हैं। मरीजों का कहना है कि जांच समय पर नहीं होने से उन्हें मजबूरन निजी लैब का सहारा लेना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और मरीजों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल की जांच व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिम्मेदार एजेंसी की जवाबदेही तय की जाए तथा समयबद्ध जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

वही पीएमओ डॉ.रवि बंसल ने इन कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश देते हुए संबंधित एजेंसी व संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, जयपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोटपूतली-बहरोड़ को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए अवगत करवाया है। व्यवस्थाओं में सुधार किया गया है व भविष्य में इसकी पुनरावर्ती नहीं हो इसके लिए उच्च अधिकारियों व टीसीआईएल, नई दिल्ली एवं कृष्णा डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड, पुणे को बता दिया गया है।

'महिला सुरक्षा पुलिस की ही नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी'

टोंक। जिला मुख्यालय पर पुलिस प्रशासन द्वारा महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत भव्य जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना ने पुलिस लाइन स्थित अन्वेषण भवन में विभाग की महिला अधिकारियों और महिला पुलिस कार्मिकों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान महिला सुरक्षा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, पीड़ित महिलाओं की त्वरित सहायता करने और फील्ड ड्यूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। एसपी ने महिला पुलिस बल की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

> ■ एसपी ने महिला पुलिस बल की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए

संवाद कार्यक्रम के समापन के बाद जिला पुलिस अधीक्षक ने महिला सुरक्षा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, यह रैली में महिला पुलिसकर्मियों और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों से होकर निकली, जिसमें सुरक्षा के नारों और बैनरों ने शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। पुलिस टीमों ने इस दौरान जगह-जगह जनसंपर्क किया और महिलाओं व बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को आधुनिक सुरक्षा टूल्स और आपातकालीन नंबरों के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई, ताकि किसी भी संकट के समय तुरंत मदद मिल सके।

पुलिस अधीक्षक ने संकल्प रैली को हरी झंडी दिखाई ।

इस कार्यक्रम में टीमो ने महिला हेल्पलाइन (1090) संकट में फंसी महिलाओं के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध विशेष सहायता लाइन, आपातकालीन सेवा (112) किसी भी आकस्मिक दुर्घटना या आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता बुलाने के लिए एवं साइबर हेल्पलाइन (1930) ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी या साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने हेतु बताया।

कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव ने कहा कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, निर्भीक और संवेदनशील समाज का निर्माण केवल पुलिस की मुस्तैदी से संभव नहीं है। इसके लिए समाज के हर वर्ग और हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

पशुपालन विभाग टीम ने विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया

जयपुर। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ सुरेश चंद मीना के निर्देश पर विभागीय अधिकारी इन दिनों पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण कर रहे हैं। गुरूवार को विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ संजय कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एक दल ने जयपुर जिले की तीन पंचायत समितियों के सात पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशु चिकित्सालयों एवं उपकेंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवा भंडारण, स्वच्छता व्यवस्था, उपकरणों की उपलब्धता, अभिलेख संधारण तथा पशुपालकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया।

निरीक्षण दल ने संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित उपस्थिति, उपचार व्यवस्था तथा पशुपालकों से बेहतर संवाद बनाए रखने के संबंध में चर्चा की। साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

> ■ अनुपस्थित पाए जाने वाले कार्मिकों के विरूद्ध की जाएगी नियमानुसार कार्यवाही
>
> ■ सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आवश्यक सुधार के निर्देश दिए

अधिकारियों ने कहा कि पशुपालकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने सभी संस्थानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता, रिकॉर्ड संधारण और दवा उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिए जाने पर बल दिया और कहा कि कहीं भी गड़बडी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

डॉ संजय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जिन संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

'राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं'

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न ब्लॉकों के स्वयं सहायता समूहों एवं क्लस्टर स्तरीय संघ (सीएलएफ) की महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में राजीविका के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, स्वरोजगार के विस्तार तथा समूहों को बाजार से जोड़ने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि राजीविका का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। स्वयं सहायता समूह केवल बचत एवं ऋण तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्यिमता, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं स्थानीय उत्पादों के माध्यम से स्थायी आय का सशक्त माध्यम बनाया जाए।

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में राजीविका की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र महिला को राजीविका से जोड़कर उसे आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जिला कलेक्टर ने ब्लॉकवार स्वयं सहायता समूहों एवं सीएलएफ के गठन, समूहों के बैंक खाते खोलने, महिलाओं को कार्यक्रम से अधिकाधिक जोड़ने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा समूहों के बैंक खाते, वित्तीय लेन-देन एवं नियमित बैठकों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राजीविका एमआईएस एवं लोकोस पोर्टल पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण डाटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सोलर दीदी, बैंक सखी, राज सखी एवं लखपति दीदी जैसी महत्वाकांक्षी पहलों का अधिकतम विस्तार करते हुए अधिकाधिक महिलाओं को इन योजनाओं से लाभान्वित करने तथा उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण एवं वित्तीय साक्षरता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विपणन को प्राथमिकता देते हुए पंचायत समितियों, अस्पतालों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में समूहों द्वारा संचालित कैंटीन स्थापित करने की संभावनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिए।

> ■ स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण, आजीविका संवर्धन एवं बाजार से जोड़ने पर दिया जोर

चौमूं में नलकूप निर्माण के लिए 72.72 लाख की स्वीकृति

चौमूं / कालाडेरा । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं में पेयजल समाधान हेतु 4 नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा गजानंद बंदावाला की ढाणी मोरीजा के लिए 18.18 लाख, मनमोहन यादव की ढाणी, अनंतपुरा- जैतपुरा के लिए 18.18 लाख, मीणा समाज भवन, बाईपास मोरीजा के लिए 18.18 लाख, गागोरिया की ढाणी, चीथवाडी के लिए 18.18 लाख रूपयों की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल हेतु 4 ट्ययूबवेल की स्वीकृति मिली है, जल्द ही इन ट्ययूबवेलों का लाभ स्थानीय निवासियों को मिल सकेगा।

सार-समाचार

मालपुरा में करंट की घटना से देवली में आक्रोश, ज्ञापन सौंपा

देवली । जिले के मालपुरा स्थित महावीर मार्ग पर बारिश के दौरान बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से 27 वर्षीय नर्सिंगकर्मी राहुल वर्मा की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और सर्वसमाज में नगर पालिका व विद्युत विभाग की कथित लापरवाही को लेकर आक्रोश व्याप्त है। सर्वसमाज के प्रतिनिधियों ने देवली उपखंड अधिकारी रूबी अंसार के माध्यम से जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर तत्काल निलंबन की मांग की है। ज्ञापन में मृतक के आश्रितों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा सभी सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है। लोगों का कहना है कि समय रहते जिम्मेदार विभागों ने आवश्यक सावधानी बरती होती तो यह हादसा टाला जा सकता था। मृतक अपने बुजुर्ग माता-पिता का सहारा होने के साथ ही पत्नी और मासूम बच्चों का एकमात्र पालनकर्ता था। यहां चेतावनी दी है कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। इस दौरान राजबहादुर वर्मा, पांचूलाल मीणा, महेंद्र बैरवा, त्रिलोकचंद, रामसिंह मीणा दिलखुश समेत कई लोग मौजूद थे।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

पावटा। गुरु पूर्णिमा एवं पवित्र सावन माह के शुभ अवसर पर ग्राम बागावास अहिरान स्थित मोक्षधाम परिसर में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के 71 पौधे रोपकर हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविद् छितरमल यादव, मामराज मीणा, डॉ. लक्ष्मण यादव, पांचूराम कुम्हार, सुरेश मीणा, बाबूलाल जांगिड़, बृजमोहन यादव, आनंद तिवाड़ी, नीलकंठ तिवाड़ी, राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि "पौधे लगाना जितना आवश्यक है, उससे कहीं अधिक जरूरी उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना है।" कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने, उन्हें सुरक्षित रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का सामूहिक संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि सावन माह में किया गया यह पौधारोपण केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एसडीएम ने पीएम श्री विद्यालय का औचक निरीक्षण किया

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का एसडीएम गंभीर सिंह ने औचक निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सिंह ने विद्यालय की आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास में अध्यापन कार्य व मिड डे मील का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा भी मौजूद रहीं। एसडीएम सिंह ने पीएम श्री योजना के तहत संचालित नवाचारों और आधुनिक शिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्मार्ट क्लास में शिक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली और छात्रों से संवाद कर उनका शैक्षिणक स्तर परखा। उन्होंने स्मार्ट कक्षा के बेहतरीन संचालन और विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए संविधान कक्ष के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कंप्यूटर लैब और विद्यार्थियों को दिए जा रहे व्यावहारिक ज्ञान व व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण की जानकारी ली और इसे रोजगार परक बनाने के निर्देश दिए। स्मार्ट क्लास का अवलोकन करते हुए तकनीकी संसाधनों के नियमित उपयोग पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ मिल सके।

राजस्थान वित्त निगम द्वारा मेगा उद्योग प्रोत्साहन शिविर आयोजित

मनोहरपुर । राजस्थान वित्त निगम, शाखा दौसा द्वारा प्रातः 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक औद्योगिक क्षेत्र, सोमनाथ नगर, दौसा में एक मेगा औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यिमयों को निगम द्वारा संचालित विभिन्न ऋण एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित इच्छुक उद्यिमयों की ऋण पत्रावलियां मौके पर ही तैयार करवाई गईं तथा आवेदन शुल्क भी जमा किया गया।कार्यकारी निदेशक डॉ. हरसहाय मीणा ने बताया कि निगम द्वारा उद्योग, होटल, गेस्टहाउस, अस्पताल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स एवं अन्य सेवा क्षेत्रों की इकाइयों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। निगम द्वारा विभिन्न विशेष ऋण योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है।

सांभर में आमजन के बजाय मरीजों से सुझाव के लिए पालिका ने रखी पेटिका

सांभरझील। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में आम लोगों की राय जानने के लिए लगाई जाने वाली सुझाव पेटिका को खुले सार्वजनिक स्थान पर रखने के बजाय पालिका ने अपनी बुद्धिमता का परिचय देते हुए सांभर के सब डिस्टिक हॉस्पिटल में क्यों रखवाया इस पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होना स्वाभाविक है, क्योंकि यहां के अस्पताल पर आसपास सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने इलाज के लिए निर्भर है। अब यहां आने वाले लोग जो किसी ने किसी बीमारी के चलते पीड़ित होते हैं वे अपने सुझाव लिखकर पेटिका में डालें या अपना इलाज करवाए। दूसरी बात यह है कि सुझाव पेटिका शिव मंदिर के पिछवाड़े की तरफ रखी गई थी जिस पर किसी का दृष्टिपात होना एकाएक संभव नहीं था। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान भी समाप्त हो गया बतायाऔर यह सुझाव पेटिका जिस पर ताला लगा हुआ है अभी डीएसटी के शिव मंदिर पिछवाड़े की तरफ लावारिस पड़ी हुई है। इस संबंध में एसडीएच के प्रमुख वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर महेश वर्मा बताते हैं कि हमसे तो स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में लोगों की राय जानने के लिए बोलकर रखा गया था। स्वास्थ्य विभाग का इस सुझाव पेटिका से कोई लेना देना नहीं है। इसको हटाने के लिए बोला जाएगा।

अलियाबाद में दो सप्ताह से बिसलपुर पेयजल सप्लाई ठप

निवाई। गांव अलियाबाद में करीब दो सप्ताह से बिसलपुर पेयजल की सप्लाई नहीं होने से पेयजल संकट बना हुआ है। जिससे ग्रामीणों में बिसलपुर पेयजल परियोना के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। पानी की सप्लाई सुचारू करवाने के लिए ग्रामीणों ने बिसलपुर परियोजना विभाग के अधिकारियों एवं सम्बंधित कर्मचारियों को कई बार अवगत करवा दिया तथा सुगम पोर्टल पर भी शिकायत की गई। किन्तु विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया।

सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, बम-बम भोले के जयकारे भी गूंजे

हाथोज धाम में 5100 लीटर गंगाजल से शुरू हुआ महाकालेश्वर का रुद्राभिषेक

- झारखंड, ताड़केश्वर समेत प्रमुख शिवालयों में अलसुबह से लगी श्रद्धालुओं की कतारें
- 12 साल बाद विशेष गुरु योग में शुरू हुआ सावन
- पूरे माह होंगे रुद्राभिषेक, महाआरती व आयोजन

जयपुर (कासं)। भगवान शिव की आराधना का पवित्र श्रावण मास गुरुवार से शुरू होते ही जयपुर सहित प्रदेशभर के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्म मुहूर्त से ही झारखंड महादेव, ताड़केश्वर महादेव, हाथोज धाम और शहर के अन्य प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। मंदिर परिसर हर-हर महादेव, बम-बम भोले और ॐ नमः शिवाय के जयघोषों से गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, पंचामृत, बेलपत्र, धतूरा, भांग और पुष्प अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और विश्व कल्याण की कामना की।

कालवाड़ रोड स्थित श्री दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर परिसर, हाथोज धाम में श्रावण मास के प्रथम दिन भगवान श्री महाकालेश्वर महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगाजल से रुद्राभिषेक किया गया। श्री बालाजी जन कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में पूरे श्रावण मास के दौरान 5100 लीटर पवित्र गंगाजल से प्रतिदिन भगवान महाकालेश्वर का रुद्राभिषेक किया जाएगा। हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने बताया कि अभिषेक के लिए गंगाजल विशेष रूप से ऋषिकेश से मंगवाया गया है। श्रद्धालु पूरे सावन मास में प्रतिदिन भगवान महाकालेश्वर का गंगाजल से अभिषेक एवं पूजन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि श्रावण भगवान शिव का अत्यंत प्रिय मास है और इस दौरान रुद्राभिषेक करने से सुख, समृद्धि, आरोग्य तथा आध्यात्मिक उन्नित का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि हाथोज धाम गुरुकुल के वैदिक ब्रह्मचारी प्रतिदिन वैदिक विधि-विधान से रुद्रपाठ एवं रुद्राभिषेक करेंगे। श्रावण पूर्णिमा तक प्रतिदिन गंगाजल अभिषेक, रुद्रपाठ और संध्या महाआरती होगी। पूरे माह भगवान महाकालेश्वर का बिल्वपत्र, आक और धतूरे से विशेष श्रृंगार किया जाएगा। प्रत्येक सोमवार, प्रदोष एवं अमावस्या पर विशेष झांकी और भव्य महाआरती आयोजित होगी।

चौड़ा रास्ता स्थित प्राचीन ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सुबह मंगला आरती के बाद भगवान शिव का 151 किलो दूध और 51 किलो देसी गाय के घी से महाभिषेक किया गया। मंदिर के पुजारी शक्ति व्यास और अमित व्यास ने बताया कि पूरे सावन माह में प्रतिदिन 51 किलो दूध से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। प्रतिदिन शाम को उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर विशेष श्रृंगार होगा। मंदिर में रोज रुद्रपाठ, अभिषेक, धार्मिक अनुष्ठान और विशेष झांकियों का आयोजन किया जाएगा। झारखंड महादेव मंदिर, गोपालजी का रास्ता, गलता क्षेत्र सहित शहर के अनेक शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गलताजी से पवित्र जल लेकर विभिन्न शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। भीड़ को देखते हुए मंदिर समितियों और स्वयंसेवकों ने दर्शन एवं सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की।

जयपुर में फर्जी कॉल सेंटर पर सीएसटी का छापा

जयपुर। राजधानी जयपुर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीएसटी ने जवाहर नगर थाना क्षेत्र की सिंधी कॉलोनी स्थित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान कॉल सेंटर संचालक सलमान सहित 11 युवक-युवतियां मौके पर मिले। पुलिस ने वहां से 15 कंप्यूटर, दो लैपटॉप और नौ मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि रॉयल अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर संचालित इस कॉल सेंटर के जरिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों के लोगों को ई-मित्र आईडी और ई-मित्र से जुड़ी सेवाओं के नाम पर रोजगार दिलाने का झांसा देकर ठगी की जा रही थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने प्रत्येक व्यक्ति से 40 हजार से 70 हजार रुपये तक वसूले, लेकिन न तो रोजगार उपलब्ध कराया और न ही वादा की गई सेवाएं दीं। जांच में यह भी सामने आया है कि कॉल सेंटर पिछले दो से तीन वर्षों से संचालित हो रहा था। पुलिस बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही आर्थिक लेन-देन, पीड़ितों की संख्या और इस गिरोह से जुडे अन्य लोगों की भूमिका की भी विस्तृत जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार एस.यू.वी. ने स्कूटी सवार छात्र को रौंदा

पत्रकार कॉलोनी क्षेत्र में वंदेमातरम मार्ग पर हुआ हादसा, चालक फरार

- टायर फटने पर वाहन छोड़कर फरार हुआ चालक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र के वंदेमातरम मार्ग पर बारिश के दौरान तेज रफ्तार एसयूवी की टक्कर से स्कूटी सवार 19 वर्षीय छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद एसयूवी डिवाइडर से टकरा गई और उसका टायर फटने पर चालक कुछ दूरी पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो गुरुवार को सामने आया।

थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि मृतक की पहचान विकल्प उर्फ राजा मीणा (19) निवासी सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास के रूप में हुई है। जो बारिश के दौरान स्कूटी से जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आई एसयूवी ने उसे सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसका अगला हिस्सा क्षितग्रस्त हो गया और एक टायर फट गया। टायर फटने के कारण चालक वाहन को अधिक दूर तक नहीं ले जा सका और कुछ दूरी पर एसयूवी छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस अब वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर मालिक और चालक की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के नाना नाथू मीणा (76) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी सीमा कावत ने फोन कर हादसे की सूचना दी थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

रूफटॉप फार्मिंग व किचन गार्डनिंग का मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

जयपुर। शहरों में सुरक्षित, रसायनमुक्त और ताजी सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अंतरराष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा पहली बार रूफटॉप फार्मिंग एवं किचन गार्डनिंग विषय पर दो दिवसीय प्रायोगिक (प्रैक्टिकल आधारित) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित होगा।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को अपने घर की छत, बालकनी या सीमित स्थान में जैविक एवं रसायनमुक्त सब्जियों का उत्पादन करने की तकनीकों से परिचित कराना है, जिससे परिवारों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो सके और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को रूफटॉप गार्डन की स्थापना, किचन गार्डन की वैज्ञानिक तकनीक, जैविक पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक कीट एवं रोग नियंत्रण, मौसमी सब्जियों की उन्नत खेती तथा पौधों की देखभाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में आवेदन पत्र भरकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। आवासीय प्रशिक्षण शुल्क 4,000 रुपये तथा गैर-आवासीय प्रशिक्षण शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है। आवासीय प्रतिभागियों के लिए ठहरने, जलपान एवं भोजन की समुचित व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पूर्णतः प्रायोगिक अभ्यास कराया जाएगा। प्रशिक्षण के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

रियायती दर पर जेडीए ने बांटे 6638 पौधे

जयपुर। राज्य सरकार के 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा रियायती दर पर संचालित पौधा वितरण अभियान को आमजन का उत्साहजनक सहयोग मिल रहा है। अभियान की शुरुआत से अब तक जेडीए ने 6638 छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण किया है। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इस वर्ष जेडीए ने आमजन के लिए 85 हजार पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। इनमें लगभग 10 फीट ऊंचाई के 28,800 तथा 5 फीट ऊंचाई के 56 हजार पौधे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि रियायती दरों पर पौधे उपलब्ध कराने से अधिकाधिक नागरिक अभियान से जुड़ रहे हैं। जेडीए ने 'पे फॉर प्लांट' पोर्टल शुरू किया है। इसके माध्यम से नागरिक मोबाइल नंबर के ओटीपी सत्यापन के बाद अधिकतम दो बड़े पौधे 80 रुपये प्रति पौधा तथा तीन छोटे पौधे 50 रुपये प्रति पौधे की दर से दिया जायेगा।

राज ममता कार्यक्रम के तहत वेब एप बनेगा मानसिक स्वास्थ्य में सहायक

जयपुर। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि सीएम भजनलाल शर्मा द्वारा सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य के तहत अवसाद चिंता और आत्महत्या आदि की रोकथाम के लिए राज ममता कार्यक्रम चलाए जाने की की गई बजट घोषणा की गई थी, इसी कड़ी में प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में चिकित्सा विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज ममता कार्यक्रम के तहत प्रदेश के जयपुर, जोधपुर मेडिकल कॉलेज और एम्स जोधपुर में वेब आधारित टूल किट ग्लोबल मेंटल हेल्थ असेसमेंट टूल लागू किया जाएगा। यह वेब-आधारित डिजिटल एप मरीजों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर एवं वैज्ञानिक पहचान सुनिश्चित करेगा, जिससे उपचार में तेजी आएगी और विशेषज्ञ सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के सहयोग से उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। राठौड़ ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। एक वेब-आधारित डिजिटल असेसमेंट टूल है, जिसके माध्यम से मरीज का निर्धारित प्रश्नों के आधार पर साक्षात्कार किया जाएगा। साक्षात्कार पूरा होते ही सिस्टम स्वतः रिपोर्ट तैयार करेगा, जिससे बीमारी के लक्षणों का आंकलन कर उचित उपचार की दिशा तय की जा सकेगी। जरूरत होने पर टेलीमेडिसिन से मरीज का मानसिक रोग विशेषज्ञ से परामर्श कराया जाएगा।

सार-समाचार

पशु चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण

जयपुर। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना के निर्देश पर विभागीय अधिकारी इन दिनों पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण कर रहे हैं। गुरूवार को विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. संजय कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एक दल ने जयपुर जिले की तीन पंचायत समितियों के सात पशु चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशु चिकित्सालयों एवं उपकेंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवा भंडारण, स्वच्छता व्यवस्था, उपकरणों की उपलब्धता, अभिलेख संधारण तथा पशुपालकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण दल ने संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित उपस्थिति, उपचार व्यवस्था तथा पशुपालकों से बेहतर संवाद बनाए रखने के संबंध में चर्चा की। साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डॉ संजय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जिन संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि कुछ संस्थानों में कर्मचारी बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, जिन संस्थाओं में अनियमितता पाई गई है वहां भी संबंधित कार्मिकों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने की अनुशंसा की गई है। दल ने जिन संस्थानों का निरीक्षण किया उनमें चाकसू पंचायत समिति के बाडा पदमपुरा का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, पशु चिकित्सा उपकेंद्र बापूगांव, प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय कोटखावदा, प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय फागी, तथा पंचायत समिति माधोराजपुरा के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय कादेड़ा और पशु चिकित्सा उपकेंद्र डाबीच शामिल हैं।

तीन विधानसभा कार्मिक सेवानिवृत्त

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को विधानसभा के तीन कर्मियों सहायक लेखाधिकारी नरसी राम गुर्जर, सहायक कर्मचारी आनन्द व्यास और राजकुमार पंवार को सेवानिवृत्ति पर साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी। देवनानी ने कहा कि विधान सभा में सभी के प्रति समभाव है। उन्होंने कहा कि उनके स्पीकर पद के कार्यकाल में विधान सभा कर्मियों का यह 25वां सेवानिवृत्ति समारोह है। वे सभी समारोह में व्यक्तिशः मौजूद रहे है। इन समारोह की सुखद अनुभूति यह है कि यहां सहायक कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक का सेवानिवृत्ति समारोह एक जैसा आयोजित किया जाता है और विधानसभा सचिवालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी इन समारोह में मौजूद रहते है। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव संजीव शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी और राजस्थान विधान सभा कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। समारोह का संचालन दुर्गादास मूलचंदानी ने किया।

मुरली मनोहर अकिंचन महाराज का सम्मान

जयपुर। छोटी काशी के प्रख्यात कथावाचक मुरली मनोहर अकिंचन महाराज को गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत कृष्णा नगर द्वितीय, लालकोठी में आयोजित सम्मान समारोह में जय श्रीमन्नारायण परिवार की ओर से दादा गुरुदेव श्री श्यामसुंदर आचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान इन्द्र मणिजी महाराज ने प्रदान किया। समारोह में आदित्य वर्धन, गिरधर शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सम्मान पत्र का वाचन करते हुए कहा गया कि महाराज ने "पीबत भागवतं रसमालयम्" की भावना को साकार करते हुए देशभर में लगभग 500 भागवत कथाओं के माध्यम से जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है। उनकी ओजस्वी वाणी, सरल एवं प्रभावशाली शैली, सूक्ष्म विश्लेषण तथा गूढ़ आध्यात्मिक विषयों को सहज भाषा में प्रस्तुत करने की कला ने उन्हें देश के लोकप्रिय कथावाचकों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया है। ज्ञात रहे कि मुरली मनोहर अकिंचन महाराज तीन दशक से भागवत कथा, रामकथा, नानी बाई रो मायरो और हनुमत कथा के माध्यम से सनातन संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्यों और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। उनके प्रवचनों से हजारों परिवार धर्म, संस्कार और सेवा के मार्ग पर प्रेरित हुए हैं। समारोह में कोरोना महामारी के कठिन दौर में महाराज द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायी उदाहरण का विशेष उल्लेख किया गया। जब पूरे देश में धार्मिक आयोजन ठप हो गए थे, तब उन्होंने सरकारी कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करते हुए तीन दिवसीय हनुमत कथा का आयोजन किया।

अगस्त तक 1200 पेयजल योजनाओं का होगा जल अर्पण, 2500 गांव होंगे लाभान्वित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन तथा जल अर्पण दिवस के आयोजन को लेकर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 80848 करोड़ रुपये की समग्र वित्तीय सीमा में स्वीकृत सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि प्रदेश में हर घर जल के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सके।

उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत वित्तीय एवं भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी 1200 पेयजल योजनाओं, जिनसे 2500 गांव लाभान्वित होंगे, जिन्हें अगस्त माह तक ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय समुदायों को औपचारिक रूप से हस्तांतरित करने के लिए जल अर्पण दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रस्तावित ओएंडएम नीति के अनुरूप संचालन एवं संधारण व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके तहत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को ग्राम पंचायत की स्थायी समिति के रूप में सक्रिय किया जाएगा। साथ ही 5 से 6 ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करते हुए क्लस्टर समितियों का गठन, ब्लॉक स्तर पर पीएचईडी ओएंडएम सपोर्ट टीम तथा जिला स्तर पर जिला तकनीकी इकाई एवं जिला जलापूर्ति एवं स्वच्छता मिशन के प्रशासनिक ढांचे को प्रभावी बनाया जाएगा। बैठक में ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी तीन वर्षों में सौर ऊर्जा संचालित पंपिंग प्रणालियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने जल योजनाओं की नियमित निगरानी एवं बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स नियमों के तहत 3,000 सपोर्ट इंजीनियर, आईटी विशेषज्ञ एवं केमिस्ट की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रंगाई-छपाई से जुड़े लोगों ने सीईटीपी पर उठाए सवाल

जयपुर। सांगानेर क्षेत्र के शिकारपुरा रोड, गवार-बामणियां में प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में रंगाई-छपाई उद्योग से जुडे फैक्ट्री संचालकों और मजदूरों ने गुरुवार को संयुक्त रूप से सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना पर्याप्त समय और उचित व्यवस्था उपलब्ध कराए फैक्ट्रियों को सीज किया जा रहा है तथा बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे हजारों मजदूरों और उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही भूखे मरने की नौबत आ रही है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सांगानेर रंगाई-छपाई क्षेत्र का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) लंबे समय से पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो रहा है। प्लांट या तो बंद पड़ा रहता है अथवा वर्तमान में केवल 1 एमएलडी क्षमता पर संचालित किया जा रहा है, जबकि क्षेत्र की आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। फैक्ट्री संचालकों ने बताया कि सीईटीपी में 800 सदस्य हैं, जिन्होंने सदस्य बनने के लिए 15 से 20 लाख रुपये तक का योगदान दिया है। इसके बावजूद वर्तमान में मात्र 143 फैक्ट्रियों को संचालन की अनुमति दी गई है।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग पर हाईवोल्टेज प्रदर्शन

टोंक फाटक स्थित रेलवे टंकी पर चढ़े तीन छात्र नेता

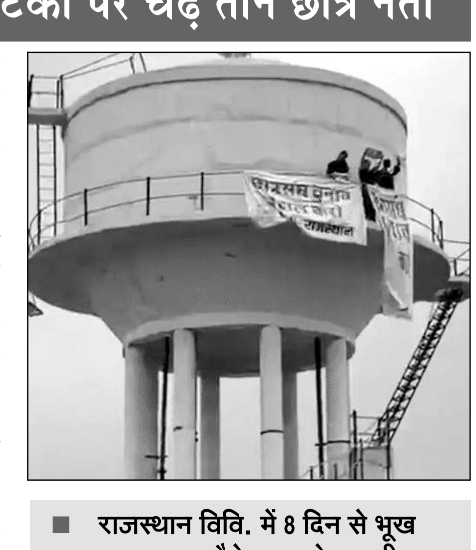

- राजस्थान विवि. में 8 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे शुभम रेवाड़ की तबियत बिगड़ी, पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया

जयपुर। छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को जयपुर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने हाईवोल्टेज प्रदर्शन किया। राजस्थान विश्वविद्यालय के तीन छात्र नेता टोंक फाटक पुलिया के पास गांधीनगर रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे की पानी की टंकी पर चढ़ गए, जबकि विश्वविद्यालय परिसर में आठ दिन से भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता को पुलिस ने स्वास्थ्य बिगड़ने पर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया। टंकी पर चढ़ने वालों में एनएसयूआई के आरयू प्रभारी विजयपाल कुड़ी, उपाध्यक्ष कोशेन खान और सदस्य वियोना जाट शामिल हैं। छात्र नेताओं ने छात्रसंघ चुनाव तत्काल बहाल करने तथा जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की।

घटना की सूचना मिलते ही टोंक रोड पर लोगों की भीड़ जुटने से यातायात प्रभावित हो गया। मौके पर बजाज नगर थाना पुलिस, एसडीएम नॉर्थ श्रीकांत व्यास, रेलवे अधिकारी, सिविल डिफेंस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की टीम पहुंची। एहतियात के तौर पर सिविल डिफेंस ने टंकी के चारों ओर सुरक्षा जाल बिछाया। पुलिस ने टंकी की ओर बढ़ रहे समर्थक छात्रों को भी रास्ते में रोक दिया। एसडीएम श्रीकांत व्यास ने बताया कि प्रशासन लगातार छात्रों से संवाद कर रहा है और ज्ञापन लेकर मांगों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया गया है। उधर राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में पिछले आठ दिनों से छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ को पुलिस ने स्वास्थ्य बिगड़ने पर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच नोकझोंक भी हुई। छात्रों ने कार्रवाई को आंदोलन दबाने का प्रयास बताते हुए विरोध जताया।

राजस्थान में पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में 17 बार पेपर लीक हुए थे, तब राहुल गांधी धरने पर क्यों नहीं बैठे?

राज्यसभा सांसद एवं राजस्थान के पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने संसद में बातचीत के दौरान विपक्ष को आड़े हाथों लिया, मोदी सरकार के "एंटी पेपरलीक बिल" की सराहना की

-कार्यालय संवाददाता-

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संसद में मीडिया से बातचीत में कहा कि, केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लाखों युवाओं को रोज़गार देने से लेकर स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने का काम किया है। एंटी पेपर लीक बिल में मोदी सरकार ने समय रहते कदम उठाया है। इस कानून में इतने कड़े प्रावधान किए गए हैं कि भविष्य में किसी भी प्रकार से परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग न हो सके।

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि "कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए था, बेहतर होता कि कांग्रेस लोकतंत्र की सकारात्मकता के लिए इस बिल के लिए अच्छे सुझाव देती, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया बल्कि सदन का समय खराब किया।

डॉ. पूनियां ने कहा कि, राजस्थान में कांग्रेस सरकार के शासन में 17 बार पेपर लीक हुए थे, वहां के बच्चों ने आत्महत्या की, राहुल गांधी अशोक गहलोत के खिलाफ धरने पर क्यों नहीं बैठे, अशोक गहलोत को उस समय कुर्सी से क्यों नहीं हटाया, क्यों नहीं इस्तीफा मांगा, यह तो विचित्र बात है ?

"लड़की हूं, लड़ सकती हूं", इस नारे को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी राजस्थान, उत्तरप्रदेश गई, लेकिन उस समय राजस्थान में कांग्रेस शासन में प्रतिदिन 17-18 दुष्कर्म के मामले होते थे, प्रियंका गांधी एक भी दिन राजस्थान नहीं आई, मुझे लगता है दोनों भाई-बहन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कथनी और करनी और चरित्र को देश की जनता देख रही है।

पूनियां ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार (2018-2023) के कार्यकाल के दौरान कई प्रमुख प्रतियोगी पात्रता परीक्षाओं के 17 बार पेपर लीक हुये थे, रीट परीक्षा- 2021, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती-2022, राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा (2020 2022), कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) भर्ती परीक्षा (2020), कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा (2020), वनरक्षक भर्ती परीक्षा (2020/2022), लाइब्रेरियन भर्ती परीक्षा (2018/2019), सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा (2021) इत्यादि तमाम भर्तियों के पेपर लीक होने से लाखों युवाओं के साथ खिलवाड़ किया गया। अशोक गहलोत की सरपरस्ती में राजस्थान में पेपरलीक का रिकार्ड बना, क्या वह पेपरलीक रोक पाए, क्यों असफ़ल रहे, प्रदेश के युवाओं को जवाब क्यों नहीं देते राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अशोक गहलोत?

604 बदमाश और असामाजिक तत्व पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। राजधानी में अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की। 29 और 30 जुलाई को चलाए गए अभियान में 604 बदमाशों और असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 90 विशेष टीमों के जरिए जिलेभर में 500 चिन्हित ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि कार्ययोजना के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारसमल जैन एवं सभी एसीपी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान 34 हिस्ट्रीशीटर, 30 स्थायी वारंटी और पूर्व के मामलों में एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया गया। वहीं धारा 170 बीएनएस के तहत 497 असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

National Avocado Day!

Avocados, especially when sliced and placed on toast, may have seemed like a fad in the early 2000s. But, happily, they are here to stay. And to make sure they are paid the attention they deserve, they have their own day, National Avocado Day! There are many reasons to celebrate National Avocado Day. For one, avocados target insulin resistance with heart-healthy fats. They also fight Alzheimer's with its Omega 3 fatty acids. Another avocado superpower is preventing and repairing damage due to its source of Vitamins C, E and K. To celebrate the day, enjoy an avocado and try a new recipe. Share your favourite avocado recipe and use #NationalAvocadoDay to post on social media.

#HEALTH

The "Thin-Fat" Indian Phenotype

A common belief in Indian diets is that foods like dal provide sufficient protein. While lentils are nutritious, they may not always meet total protein needs

Why do many Indians appear to have relatively thin arms and legs but still struggle with stubborn abdominal fat? For years, this question has puzzled both individuals and scientists. One of the most influential figures in answering it is Chittaranjan Yajnik, a researcher based in Pune, whose work has significantly reshaped our understanding of body composition in Indians.

A Discovery That Challenged Assumptions

In 2003, Dr. Yajnik conducted a groundbreaking study comparing Indian newborns with those from the United Kingdom. Surprisingly, although both groups had similar birth weights, Indian babies showed a distinct difference in body composition. They had thinner limbs but relatively higher levels of central fat, even before their first meal. This meant that the difference could not be attributed to diet, lifestyle, or environmental factors after birth.

This finding led to the concept now widely known as the *Thin-fat Indian phenotype*.

What Is the Thin-Fat Indian Phenotype?

The "thin-fat" phenotype refers to a body type characterized by:

- Lower muscle mass
- Higher fat accumulation around the abdomen (visceral fat)
- A relatively lean overall appearance despite underlying fat storage

This explains why many individuals who appear slim may still face metabolic risks such as diabetes or cardiovascular disease.

Evidence Beyond India

Further research expanded on Dr. Yajnik's findings by studying Indian families living abroad for multiple generations. These populations had entirely different diets, lifestyles, and environments compared to those in India. Yet, the same body composition pattern persisted across generations.

This consistency suggests a strong genetic and developmental basis, rather than being purely the result of modern habits or inactivity.

Rethinking Fitness and Health Approaches

Understanding this phenotype changes how we think about fitness strategies. Traditional advice often emphasizes weight loss or cardio exercise as the primary solution for reducing belly fat. However, for individuals with this body type, the issue is not just excess fat, it is also insufficient muscle mass.

This shifts the focus towards:

- Strength training to build muscle.
- Adequate protein intake to support muscle growth.
- A balanced approach rather than excessive reliance on cardio.

The Protein Debate

A common belief in Indian diets is that foods like dal provide sufficient protein. While lentils are nutritious, research indicates that they may not always meet total protein needs when consumed alone, especially for muscle building. A more diverse protein intake, combining legumes with dairy, eggs, or other protein-rich foods, can be more effective.

A Balanced Perspective

While the thin-fat phenotype is supported by scientific research, it's important not to oversimplify. Body composition is influenced by a combination of:

- Genetics
- Early-life nutrition (including maternal health)
- Lifestyle factors such as diet and physical activity

So, while it may not be entirely about "laziness" or poor habits, lifestyle choices still play a crucial role in improving health outcomes.

The idea of the thin-fat Indian phenotype offers a powerful explanation for a common physical pattern seen in many Indians. Thanks to the work of researchers like Dr. Yajnik, we now understand that body composition is not just about how much you weigh, but how your body distributes fat and muscle. Rather than focusing solely on losing weight, the more effective approach may be to build strength, improve nutrition, and adopt sustainable habits. In doing so, individuals can better align their fitness strategies with the realities of their unique physiology.

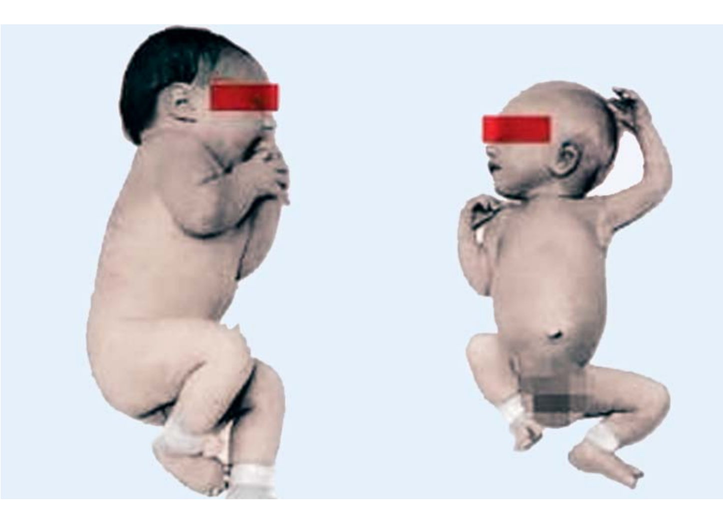

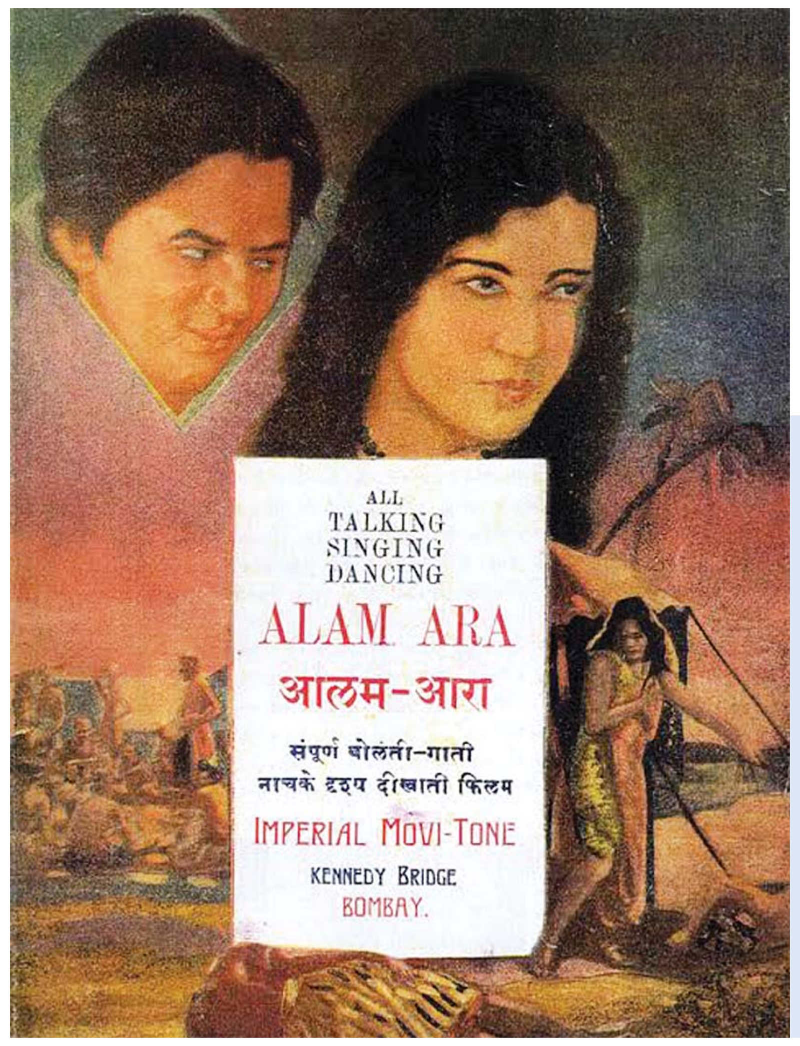

The Film That Gave Bollywood Its Voice

The film featured an impressive cast. The villain was played by the young Prithviraj Kapoor, who would later become one of the most influential figures in Indian theatre and cinema. The hero was Master Vithal, a celebrated silent film star whose participation nearly became impossible. Master Vithal had left another production to join Alam Ara, prompting his former producer to file a legal case against him. Representing the actor in court was none other than the distinguished lawyer Mohammad Ali Jinnah, years before he became one of the most significant political leaders of the Indian subcontinent. The legal battle became one of the earliest high-profile disputes in Indian cinema, and Master Vithal ultimately appeared in the film.

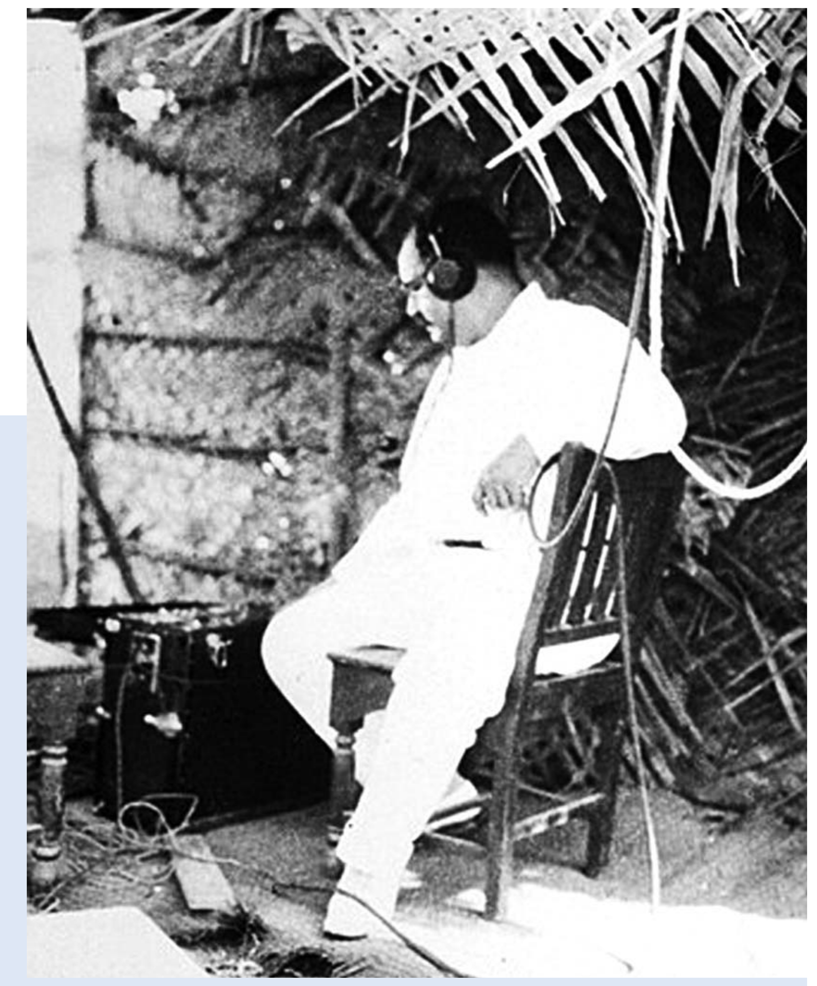

Ardeshir Irani recording Alam Ara, 1931.

Alam Ara was described as a 'swashbuckling tale of warring queens, palace intrigue, jealously and romance.'

The last scene of Alam Ara included the film's entire cast.

● Kshema Jatuhkarna

Every great film industry has one defining moment, a single film that changes everything. For Indian cinema, that moment arrived on 14 March 1931 with the release of *Alam Ara*, the country's first feature-length talking film. Although no complete print of the movie survives today, its legacy continues to shape Indian cinema, where dialogue, music, and song remain central to storytelling.

Behind this cinematic revolution stood a man whose own story was as extraordinary as the film he created.

In the 1920s, in Bombay (now Mumbai), a schoolteacher named Ardeshir Irani dreamed of making films. He had ambition but lacked the money needed to enter the young film industry. Fortune intervened in an unexpected way. Irani won a lottery worth Rs. 14,000, a substantial sum at the time. Instead of spending it on comfort or security, he invested it in his dream of filmmaking.

His early productions belonged to the silent era. Like every Indian film of the time, they were black-and-white and had no recorded dialogue or music. Audiences watched the action while musicians performed live inside the theatre.

Everything changed when Irani watched the Hollywood musical *Show Boat*. The film convinced him that cinema had entered a new age. He resolved that India, too, would have a motion picture in which audiences could hear the actors speak and sing. It was an ambitious promise, considering that sound recording technology was still in its infancy in India. That promise became *Alam Ara*.

Making India's first talking film was anything but easy. The equipment available was primitive and highly sensitive to noise. Bombay's streets were crowded with traffic, making daytime recording almost impossible. To avoid the constant sounds of the city, Irani scheduled much of the filming at night, when the surroundings were quieter.

Recording music posed another challenge. There was no separate playback system, no sophisticated sound mixing, and no post-production dubbing. Every song had to be performed live while the cameras rolled. Musicians were positioned behind trees and hidden from the camera so that their music could be recorded alongside the actors' performances. It was an ingenious solution that reflected the determination of the filmmakers to overcome technological limitations.

The film featured an impressive cast. The villain was played by the young Prithviraj Kapoor, who would later become one of the most influential figures in Indian theatre and cinema. The hero was Master Vithal, a celebrated silent film star whose participation nearly became impossible.

Master Vithal had left another production to join Alam Ara, prompting his former producer to file a legal case against him. Representing the actor in court was none other than the distinguished lawyer Mohammad Ali Jinnah, years before he became one of the most significant political leaders of the Indian subcontinent. The legal battle became one of the earliest high-profile disputes in Indian cinema, and Master Vithal ultimately appeared in the film.

When Alam Ara was finally released in 1931, anticipation had reached extraordinary levels. Posters covered Bombay, announcing India's first talking picture. Premium tickets reportedly sold for as much as Rs. 5, a considerable amount in those days, yet audiences eagerly paid the price to witness history.

The excitement proved justified. For eight consecutive weeks, theatres were packed with houseful shows. People who had grown accustomed to silent cinema were astonished to hear actors speaking and singing on screen. Indian cinema had found its defining identity.

The success of Alam Ara transformed the industry overnight. Filmmakers rapidly abandoned silent productions and embraced sound. More importantly, the film established the tradition of integrating songs into storytelling, a hallmark that continues to distinguish Indian cinema across languages.

Ardeshir Irani did not stop there. Ever the innovator, he achieved another milestone in 1937 by producing *Kisan Kanya*, India's first indigenously made colour feature film. Once again, he demonstrated his willingness to push the boundaries of technology and storytelling. Ironically, Alam Ara itself has been lost. No known complete print survives, making it one of the greatest missing treasures in film history. Yet, its influence remains immeasurable. Every Indian film that combines dialogue, music, emotion, and song owes something to the pioneering vision of Ardeshir Irani.

A few years ago, a group of archivists in the western Indian city of Mumbai recovered what now appears to be the only surviving link with the first Indian talking film. Led by Shivendra Singh Dungarpur, an award-winning filmmaker, archivist and restorer, they stumbled upon a vintage machine which had been used to make prints of Alam Ara (Ornament of the World), the 1931 film that has disappeared. The Chicago-made Bell & Howell film printing machine was lying idle in a rented shop selling saris. Originally owned by the film's producer and director Ardeshir Irani, the machine was later purchased by Nalin Sampat, who also owned a film studio and a processing laboratory in Mumbai.

"This is the only surviving artefact of Alam Ara. Nothing really survives of the film except this," says Dungarpur. The Sampats had paid 2,500 rupees in 1962 to buy the machine. Their lab continued to print films, mainly produced by the state-owned Films Division, on it until 2000. "It was just another printing machine but held a lot of emotional value. We stopped using it after cinema went digital," Sampat says. For the past decade, Dungarpur, he runs the Film Heritage Foundation, a Mumbai-based non-profit film archive, has been trying to find a copy of Alam Ara without success. He even gave out a call on social media. One tip led to enquiries with a film archive in Algeria, which reported that it had a number of old Indian films. But the archive asked him to come and check, which Dungarpur has not been able to.

Another tantalising clue is the film archives in Iran. Around the time Irani was shooting Alam Ara in Mumbai, his studio was also making *Lor Girl*, the first talking film in Persian language. "Irani used the same background actors wearing the same costumes for both Alam Ara and Lor Girl. Alam Ara has disappeared. Lor Girl is available in the archives in Iran," says Dungarpur.

India's most-well known film scholar and archivist P. K. Nair once said that he refused to believe that Alam Ara is "permanently lost." Nair, who died in 2016, himself went hunting for the film and met surviving members of the Irani family.

One member of the family told him that "a couple of reels must be lying around somewhere." Another said he "had disposed off three reels after extracting silver from it." Alam Ara was shot on nitrate film, which has higher silver content than other film bases. It is possible, says Dungarpur, that the films had been destroyed after stripping them for silver to earn money when the family fell upon bad times. "Such was the case with countless other films too." India has a shoddy record in preserving films. Most of the 1,138 silent films made between 1912 and 1931 do not exist anymore. The state-run film institute in Pune has managed to archive 29 of these films. Prints and negatives have been found dumped in shops, homes, basements, warehouses and even in a cinema hall in Thailand. Filmmaker Mrinal Sen found prints of an old Bengali talkie lying around in an old house where he was shooting a film in 1980.

But Alam Ara may be the most important film which has been lost. Inspired by the 1929 Hollywood romantic drama Show Boat and drawn heavily from theatre as many early talking films were, the film, based in a mythical kingdom, was described as a "swashbuckling tale of warring queens, palace intrigue, jealously and romance." The British Film Institute called it a "romantic drama centred around the love between a prince and a gypsy girl."

The 124-minute film was shot in a studio which overlooked Mumbai's railway tracks, so, the crew shot at night when the trains did not run and the floor did not shudder from the vibrations.

Since there were no boom mikes to record sound, microphones were placed in "incredible spaces" around actors, who spoke in Urdu and Hindi, in a way that they were hidden from the camera. Musicians climbed on or hid behind trees and played their instruments for the soundtrack and songs. Most importantly, the film featured Wazir Mohammad Khan, playing an ageing mendicant, who sang the first Indian film song. Ardeshir Irani told an interviewer that he had picked up the basics of sound recording from a "Mr. Deming, a foreign expert, who had come to Bombay (now Mumbai) to assemble the machine for us." Mr. Deming charged the producers 100 rupees per day, "a large sum for those days which we could ill afford, so, I took upon myself to record the film" with the help of others, he said.

The film released on 14 March, 1931, and was sold out for weeks. Police had to control excited crowds outside theatres. One critic said that the "rather inconsequential plot served as little more than a string to hold together umpteen song, and, dance numbers." The film's heroine, Zubeida, who combined "innocence with eroticism," was a huge draw. Sitara Devi, a celebrated Indian dancer who watched the film, recalled that it was a "huge sensation." "People were used to seeing silent movies after reading the title cards. Now, characters were speaking. People were saying in the theatre where is the sound coming from?" Devi told Dungarpur.

So, what remains of Alam Ara are a few stills, posters and a promotional booklet. Shahid Husain Mansoori, who owns a shop selling film props in Mumbai, possesses the booklet. "It has been with us for some 60 years now. I hear that it's the only one available. Nobody really knows the value of these things today."

rajeshsharma1049@gmail.com

#ALAM ARA

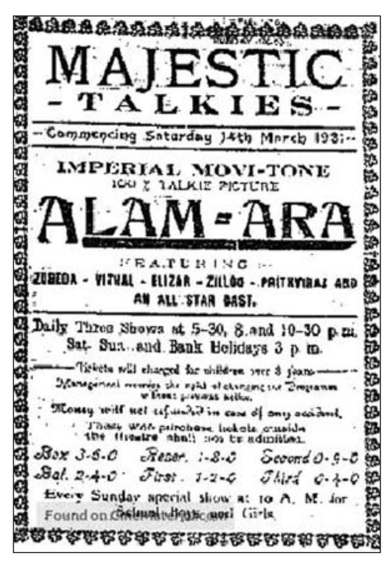

India has a shoddy record in preserving films. Most of the 1,138 silent films made between 1912 and 1931 do not exist anymore. The state-run film institute in Pune has managed to archive 29 of these films. Prints and negatives have been found dumped in shops, homes, basements, warehouses and even in a cinema hall in Thailand. Filmmaker Mrinal Sen found prints of an old Bengali talkie lying around in an old house where he was shooting a film in 1980. But Alam Ara may be the most important film which has been lost. Inspired by the 1929 Hollywood romantic drama *Show Boat* and drawn heavily from theatre as many early talking films were, the film, based in a mythical kingdom, was described as...

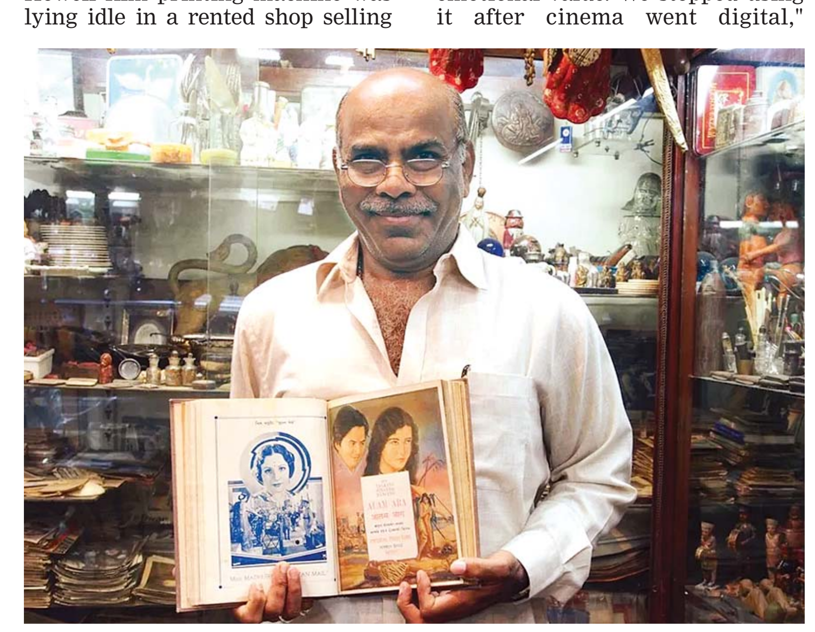

THE WALL

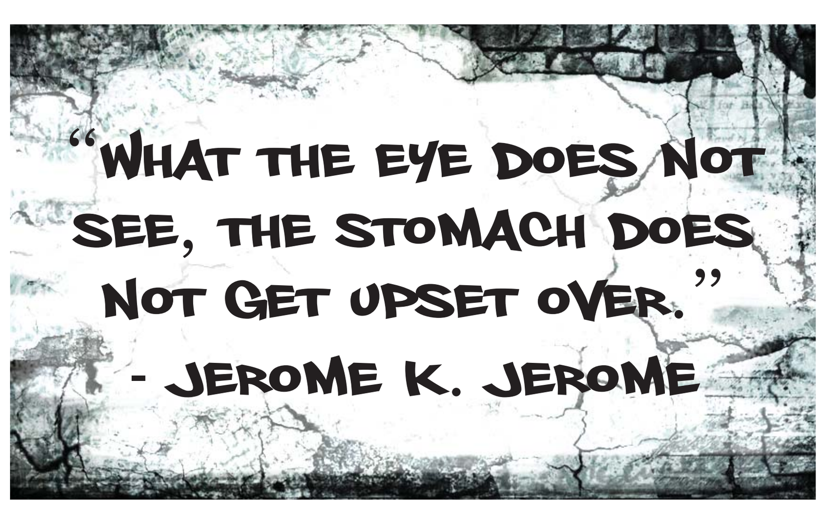

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

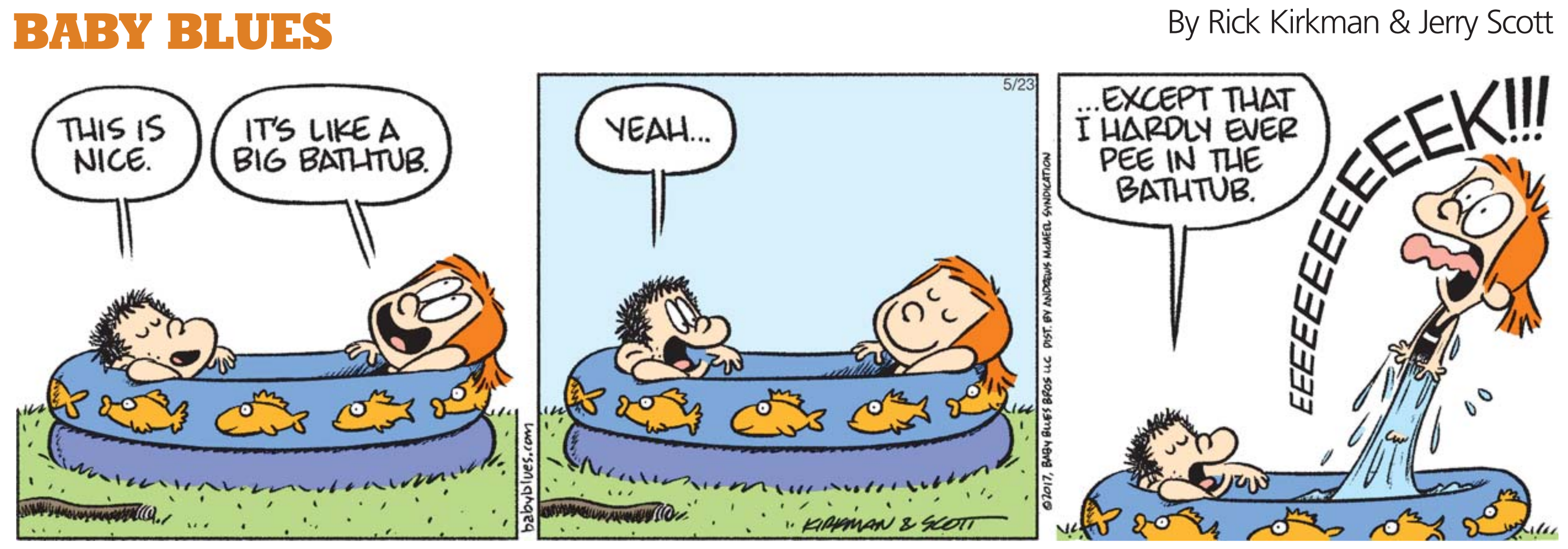

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

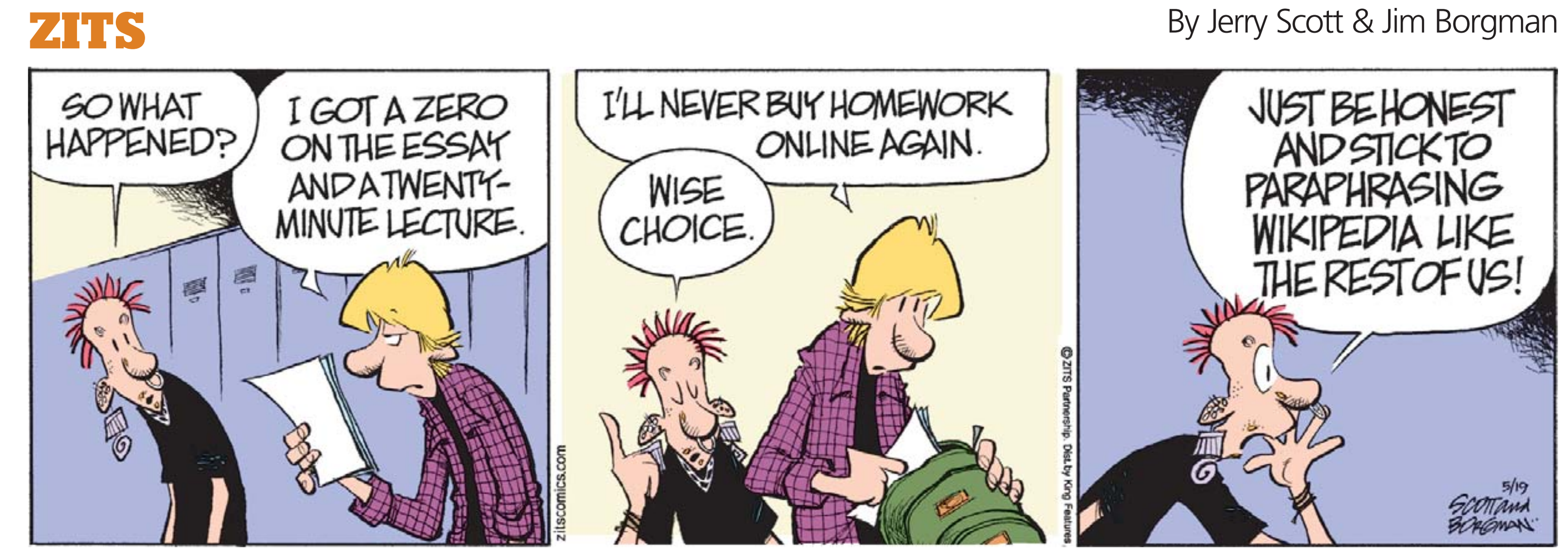

भिवाड़ी के कहरानी में प्रतिबंधित प्लास्टिक बनाने की फैक्टरी पकड़ी

भारी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री, माल, मशीन और माल से भरा ट्रक जब्त

अलवर, (निसं)। भिवाडी इंडस्ट्रियल एरिया कहरानी में एक फैक्टरी में अवैध रूप से प्लास्टिक के आईटमों का निर्माण किया जा रहा है। यहां निर्मित प्लास्टिक आईटम सिंगल यूज की क्षेणी में आते हैं जो कि एनसीआर में पूर्णतय प्रतिबंधित है। इसकी सूचना जैसे ही क्षेत्रीय पोल्यूशन बोर्ड के अधिकारी अमित जुआल को मिली तो जुआल ने सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए इस फैक्टरी पर छापा मारा और फैक्टरी में निर्मित प्रतिबंधित प्लास्टिक और मशीन, स्टॉक और माल से भरे ट्रक को जब्त कर लिया है। अधिकारी के अनुसार अब इस फैक्टरी को सीज़ किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार भिवाड़ी में इस फैक्टरी की सूचना जैसे ही क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित जुआल को मिली तो उन्होंने तुरंत लोकेशन पर अपनी टीम को रवाना कर दिया। टीम ने मौके पर पहुंच कर फैक्टरी में प्रवेश किया तो वे दंग रह गये, क्योंकि इस फैक्टरी में अवैध रूप से प्रतिबंधित प्लाटिक का निर्माण किया जा रहा था। टीम ने पहुंचते ही इसकी सूचना क्षेत्रीय

भिवाडी इंडस्ट्रियल एरिया कहरानी में प्लास्टिक बनाने की फैक्टरी में छापा मारा।

अधिकारी जुआल को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर फैक्टरी का सारा सामान जब्त कर लिया है और जिला कलैक्टर को इसकी सूचना दे दी। जुआल ने कहा कि सारी कार्यवाही करने के बाद इस फैक्टरी को सीज करते हुए इसके मालिक पर कार्यवाही की जाएगी क्योंकि यह उद्योग जो कि एनसीआर में प्रतिबंधित है उसे यहां चोरी छुपे कैसे चलाया जा रहा था। इस कार्यवाही में क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित जुआल के साथ एक्सईएन अंकुर पाठक, एईएन रोहिताश्व, जेईएन अंकित और वैज्ञानिक अश्वनी शामिल रहे।

डूंगरपुर में रतनपुर बॉर्डर पर सात लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

बाडमेर का तस्कर गिरफ्तार, कंटेनर ट्रक के गुप्त केबिन में छिपाकर शराब की तस्करी हो रही थी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी टीम ने कार्रवाई करते हुए रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर ट्रक से 71 कार्टन चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। करीब सात लाख रुपए कीमत की इस शराब को कंटेनर ट्रक के बैटरी बॉक्स के ऊपर बनाए गए गुप्त केबिन में छिपाकर गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कंटेनर ट्रक जब्त कर बाडमेर निवासी ड्राइवर नवाब खान को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क की जांच की जा रही है।

बिछीवाड़ा थाने के एसआई अब्दुल मुनाफ ने बताया कि अभियान के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि उदयपुर की ओर से गुजरात जा रहे एक बंद बॉडी कंटेनर में आगे बैटरी बॉक्स के ऊपर बनाए गए गुप्त केबिन में विभिन्न ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने बताए गए नंबर के कंटेनर ट्रक को रुकवाया। ड्राइवर ने अपनी पहचान बाडमेर निवासी नवाब खान के रूप में

बिछीवाड़ा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी टीम ने अवैध शराब जब्त कर आरोपी को दबोचा।

बताते हुए कंटेनर को खाली बताया। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो वह वास्तव में अंदर से खाली मिला, लेकिन मुखबिर की सूचना के आधार पर बैटरी बॉक्स की गहन जांच की गई। बैटरी बॉक्स के ऊपर बने गुप्त केबिन को खोलने पर पुलिस को एक-एक कर कुल 71 कार्टन चंडीगढढ़निर्मित अंग्रेजी शराब मिली। बरामद शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 7 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके पर शराब और कंटेनर ट्रक जब्त करते हुए ड्राइवर नवाब खान को गिरफ्तार कर लिया। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किसके लिए भेजा जा रहा था और इस तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका है। पुलिस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क और इसके मुख्य सप्लायरों की जांच में जुटी है।

मसूदा में रिश्तेदारों पर धोखाधड़ी कर कृषि भूमि हड़पने का आरोप

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के श्योपुरा देवमाली निवासी कालू भील ने अपने रिश्तेदारों पर धोखाधड़ी कर उसकी कृषि भूमि हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को रिपोर्ट देकर आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, जमीन पर कब्जे के प्रयास तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

- **आरोप है कि शराब पिलाकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिये**

पीड़ित कालू भील ने बताया कि 9 मई को उसका भतीजा मानाराम उसे मसूदा लेकर गया। आरोप है कि वहां पहले उसे शराब पिलाई गई और बाद में तहसील कार्यालय ले जाकर बताया गया कि जमीन के बंटवारे से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने हैं। इसी दौरान उसके पुत्र की हाल ही में हुई मृत्यु का हवाला देते हुए यह भी कहा गया कि दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से सरकारी सहायता और मुआवजा मिल जाएगा। बेटे की मौत के गहरे सदमे में होने के कारण उसने बिना पूरी जानकारी लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए। कालू ने बताया कि उसका पूरा परिवार अजमेर में रहता है। कुछ समय बाद गांव के लोगों ने उससे पूछा कि क्या उसने अपनी जमीन बेच दी है। इस पर जब उसने दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त की तो कथित रूप से पता चला कि उसकी हिस्सेदारी की कृषि भूमि धोखे से दूसरे के नाम दर्ज करा दी गई है।

पीड़ित के अनुसार, जब वह अपने खेत पर खेती करने पहुंचा तो 24 जुलाई को आरोपी पक्ष वहां आ गया और जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया तथा जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने पुलिस की शरण लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में तहसीलदार मसूदा तथा थाना अधिकारी मसूदा से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक उनसे संपर्क नहीं हो सका।

इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित आठ वाहनों में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में गुरुवार सुबह अचानक इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक समेत आठ गाड़ियों में आग लग गई। आग की लपटें देख आस-पास के लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया। घटना सुबह करीब 7:22 पर सरदारपुरा 8 वीं सी रोड की है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पाया। जब घटना हुई उस दौरान गली में ही खड़ी दो इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। सभी गाड़ियां एक ही गली में खड़ी थी।

फायर स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 7:22 पर आग लगने की सूचना मिली थी। टीम तुरंत ही मौके पर भी पहुंच गई थी। उन्होंने बताया कि सरदारपुरा में जिप्सी रेस्टोरेंट के सामने गली में एक साथ 8 गाड़ियां खड़ी थी।

- **जब घटना हुई उस दौरान गली में ही खड़ी दो इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी**

इनमें दो इलेक्ट्रिक स्कूटी, एक बुलेट और बाकी स्कूटी थी। टीम ने बताया कि हादसे से पहले इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से इनमें आग लगी। आग की लपटें इतनी तेज थी कि गली में खड़ी 8 गाड़ियों को भी चपेट में ले लिया। एक बार गली में आग की लपटें देख वहां मौजूद लोग भी घबरा गए थे। लेकिन, आग इतनी भयंकर थी कि आधे घंटे में सभी गाड़ियां जलकर खाक हो चुकी थी।

पूर्व सांसद अलवर, स्वतंत्रता सेनानी लाला काशीराम गुप्ता की मूर्ति स्थापना की

जयपुर/अलवर। लाला काशीराम गुप्ता, समाजसेवी, शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद, अलवर, की 48वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घीलोट में उनकी मूर्ति की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जानकारी के अनुसार स्व. लाला काशीराम ने घीलोट ग्रामवासियों के लिए गांव में ही शिक्षा स्थल उपलब्ध कराने के लिये इस विद्यालय की स्थापना करीब 1935 में की थी एवं कालांतर में स्वतंत्रता संग्राम में व्यस्तता के कारण इस विद्यालय को सरकार को सौंप दिया था। मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में लाला जी के परिवार से अलवर से रेणु गुप्ता, अलका गुप्ता, अपराजिता गुप्ता, ध्रुवसत्य गुप्ता व सुपुत्र केयांश दत्त गुप्ता, दीपक शर्मा, फरीदाबाद से आशा डाटा एवं अमरकान्त डाटा, शाहजहांपुर से शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। वहीं जयपुर से लालाजी के परिवार के अत्यंत करीबी किशन लाल कौशिक्, पूर्व निदेशक, कॉर्पोरेट मामलात मंत्रालय, भारत सरकार, एवं विकास कौशिक् भी मौजूद रहे। प्रधानाचार्य कालूराम सिरोहीवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। लाला जी की मूर्ति बनवाने से घीलोट विद्यालय में मूर्ति स्थापना तक का सम्पूर्ण कार्यक्रम लालाजी की सुपुत्रियां डॉ. मालती एवं डॉ. प्रभा गुप्ता द्वारा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घीलोट में आयोजित कार्यक्रम में लाला काशीराम गुप्ता की मूर्ति की स्थापना की गई।

विद्यालय प्राचार्य कालूराम सिरोहीवाल के सहयोग से सम्पन्न किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रशासक परमानन्द यादव ,पूर्व सरपंच प्रतिनिधि महताब सिंह चौहान, रविन्द्र कुमार पंचायत समिति सदस्य, राकेश चौहान पूर्व मण्डल अध्यक्ष सतिदान सिंह, सतीश सिंह, सत्यवीर सिंह यादव, शेर सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, डॉ. जलदीप पथिक सेवानिवृत्ति उपनिदेशक आयुष विभाग, पप्पू ठेकेदार, मोनू गुप्ता, परसराम गुप्ता, महावीर सिंह सेवानिवृत अध्यापक एवं गाँव के गणमान्य नागरिक तथा विद्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ, मालती गुप्ता द्वारा जलने पर प्राथमिक उपचार विषय पर लिखित द्विभाषिका पुस्तक 'पानी और आग, एक अनूठा संगम'का विमोचन भी किया गया।

अलवर में लाखों का गांजा पकड़ा, एक गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर पुलिस ने ऑपरेशन विजय प्रहार के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने अलग-अलग दो थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर 31 किलो 752 ग्राम गांजा जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जबकि एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया और एक बोलेरो गाड़ी जब्त की।

टहला थाना पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी और राजगढ़ वृत्ताधिकारी देशराज कुलदीप के सुपरविजन में कार्रवाई की। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पहली कार्रवाई में टहला थाना पुलिस ने 30 किलो 740 ग्राम गांजा और एक बोलेरो गाड़ी जब्त की। इस मामले में एक नाबालिग को भी पकड़ा है। एसपी ने बताया कि दूसरी कार्रवाई में विजय मंदिर थाना पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 1 किलो 12 ग्राम गांजा बरामद किया। इस मामले में हरदयाल पुत्र गुलाबचंद (49), निवासी डहरा, थाना विजय मंदिर को गिरफ्तार किया गया।

बजरी भरी ट्रैक्टर-टॉली जब्त

पचेरी कलां, (निसं)। जिले में अवैध खनन और बजरी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई कर पचेरी कलां थाना पुलिस ने गुरूवार को बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-टॉली जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम गश्त के दौरान श्योपुरा गांव के मोड़ पर पहुंची। इस दौरान एक लाल रंग का ट्रैक्टर बजरी से भरी ट्रॉली के साथ आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रूकवाकर जांच की तो चालक ने अपनी पहचान राजकरण पुत्र नित्यान्द्र निवासी श्योपुरा, थाना पचेरी कलां के रूप में बताई।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

भीनमाल, (निसं)। शहर के जाकोब तालाब में डूबने से बुधवार को एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी मोहित कासनियां सहित प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, चार दिन पूर्व हुई बारिश के बाद जाकोब तालाब में पानी की अच्छी आवक हुई थी। घटना की सूचना पर प्रशासन ने एनडीआरफ की टीम को मौके पर बुलाया। टीम के इंस्पेक्टर अरुण कुमार शर्मा के निर्देशन में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद युवक के शव को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान मोहन उर्फ मोया जीनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक के तालाब में डूबने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बारिश के मौसम में तालाबों, नाड़ियों, बांधों एवं अन्य जलाशयों के समीप जाने से बचें तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

युवक को शादी के कार्ड का लिंक भेजकर सायबर ठगी की

अजमेर, (निसं)। सायबर अपराधियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाने, नई तकनीकों का उपयोग करने और सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। अब सायबर ठगों ने शादी के निमंत्रण (वेडिंग कार्ड) का लिंक भेजकर ठगी करने का नया तरीका अपनाया है। अजमेर में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक के मोबाइल पर भेजे गए शादी के कार्ड के लिंक पर क्लिक करना भारी पड़ गया। ठगों ने न केवल उसका मोबाइल हैक कर लिया बल्कि उसके बैंक खाते से करीब 34 हजार रुपये भी निकाल लिए। इतना ही नहीं, मोबाइल हैक होने के बाद उसके सभी परिचितों को भी उसी तरह का फर्जी शादी का संदेश भेज दिया गया।

पीड़ित सैयद हफिज अली ने सायबर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक शादी के निमंत्रण का लिंक भेजा गया था। उसने सामान्य निमंत्रण समझकर जैसे ही लिंक खोला, कुछ ही देर में उसका मोबाइल सायबर ठगों के कब्जे में चला गया। इसके बाद अलग-अलग समय पर कुल नौ बार उसके बैंक खाते से करीब 34 हजार रुपयेनिकाल लिए गए।

पीड़ित ने बताया कि सायबर अपराधी केवल बैंक खाते से रकम निकालने तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने उसका मोबाइल पूरी तरह हैक कर उसमें सेव सभी संपर्क नंबरों पर शादी के कार्ड का वही फर्जी लिंक भेज दिया। कुछ देर बाद जब उसके परिचितों के फोन आने शुरू हुए और उन्होंने शादी का संदेश मिलने की जानकारी दी, तब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ सायबर ठगी हो चुकी है और उसका मोबाइल भी हैक कर लिया गया है। घटना के बाद सैयद हफिज अली ने सायबर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। साथ ही पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की गंभीरता से जांच करने, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा उसकी राशि वापस दिलाने की मांग की। पीड़ित ने आशंका जताई कि उसके मोबाइल से भेजे गए फर्जी संदेशों के कारण अन्य लोग भी सायबर ठगी का शिकार हो सकते हैं। सायबर पुलिस ने मामला दर्ज कर मोबाइल हैकिंग और बैंक खाते से हुए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी की राशि किन बैंक खातों या डिजिटल माध्यमों में ट्रांसफर की गई और अपराधियों ने किस तकनीक का इस्तेमाल किया।

सरिस्का किसान महापंचायत में 186 गांवों के किसानों ने भरी हुंकार

अलवर, (निसं)। जिले के भर्तृहरि तिराहा स्थित प्रेमनाथ आश्रम में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) अराजनैतिक के बैनर तले सरिस्का क्षेत्र और आसपास के 186 गांवों के किसानों की महापंचायत आयोजित हुई।

- **बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर आने वाले समय में आंदोलन को लेकर रणनीति भी तैयार की गई**
- **बैठक में तालवृक्ष रेंज के रेंजर को हटाने की मांग सहित क्षेत्र की सड़क सुविधाओं का मुद्दा भी उठा**

भर्तृहरि तिराहा स्थित प्रेमनाथ आश्रम में सरिस्का क्षेत्र और आसपास के किसानों की महापंचायत हुई।

महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण पहुंचे। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आने वाले समय में आंदोलन को लेकर रणनीति भी तैयार की गई।

किसान नेता राकेश दायमा ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे सरिस्का क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और आने वाली पीढ़ियों के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और विकास से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। महापंचायत में किसानों ने सबसे प्रमुख मांग निर्दोष किसानों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की उठाई। किसानों का कहना है कि आंदोलन के दौरान करीब 150 किसानों पर राजकार्य में बाधा जैसे मामले दर्ज किए गए, जिन्हें तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि इन मुकदमों से किसानों को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। बैठक में तालवृक्ष रेंज के रेंजर को हटाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। किसानों का कहना है कि वन विभाग के साथ लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि विभागीय हस्तक्षेप को कम किया जाए और सरिस्का क्षेत्र के आसपास कई पीढ़ियों से रह रहे ग्रामीणों के पारंपरिक अधिकारों का सम्मान किया जाए। महापंचायत में क्षेत्र की सड़क सुविधाओं का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा। किसानों ने नारायणपुर - तालवृक्ष-कुशलगढ़ सड़क मार्ग का निर्माण कराने की मांग दोहराई। इसके साथ ही कुशालगढ़ तिराहे से बाबा भर्तृहरि धाम होते हुए थानागाजी तक सडक़ बनाने की मांग भी रखी गई। किसानों का कहना है कि बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों के साथ-साथ धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। महापंचायत में मौजूद किसानों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया जाएगा और आगे की रणनीति के तहत चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) अराजनैतिक का कहना है कि किसानों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं का समाधान कराना है। संगठन ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि किसानों और ग्रामीणों से जुड़े मुद्दों का समय रहते समाधान किया जाए, ताकि क्षेत्र में अनावश्यक विवाद की स्थिति पैदा न हो।

विदेश भेजने के नाम पर 2.23 लाख की ठगी

चिड़ावा, (निसं)। झुंझुनूं जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने वाले दो वर्षों से फरार चल रहे 5 हजार रूपये के इनामी एवं थाना स्तरीय टॉप-10 वांछित अपराधी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी लक्ष्मी चंद वर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 6 फरवरी 2023 को दर्ज मामले में परिवादी ने रिपोर्ट दी थी कि आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र ओमप्रकाश स्वयं को विदेश भेजने का एजेंट बताकर लोगों को दुबई सहित अन्य देशों में अच्छी नौकरी और आकर्षक वेतन का झांसा देता था। आरोपी ने परिवादी को दुबई की एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 2 लाख 23 हजार रूपये की राशि हड़प ली। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

जांच के दौरान गवाहों के बयान, दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध प्रमाणित पाया गया। आरोपी लगातार फरार रहने पर न्यायालय से धारा 299 सीआरपीसी के तहत वारंट जारी करवाया गया तथा उसके विरुद्ध चालान पेश किया गया। बाद में आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रूपये का इनाम घोषित करते हुए उसे थाना चिड़ावा की टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल किया गया।

16 साल की संविदा सेवा के बाद नौकरी गई, डिप्रेशन में युवक की मौत

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर के सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में 16 वर्षों से संविदा पर सहायक कर्मचारी के रूप में कार्यरत एक युवक की कथित तौर पर नौकरी से हटाए जाने के बाद डिप्रेशन में आने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुरुवार को परिजन युवक का शव लेकर सीधे बैंक परिसर पहुंचे और बैंक प्रबंधन तथा प्रबंध निदेशक (एमडी) के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान राजेश मेघवाल के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, बैंक द्वारा हाल ही में 11 संविदा कर्मचारियों को सेवा से हटाया गया था, जिनमें राजेश

- **आक्रोशित परिजन शव लेकर बैंक पहुंचे और प्रदर्शन किया**

भी शामिल था। उनका आरोप है कि अचानक नौकरी छूटने के बाद राजेश मानसिक तनाव और डिप्रेशन में चला गया था। परिजनों ने बताया कि 29 जुलाई को राजेश की तबीयत बिगड़ने पर उसे जवाहिर अस्पताल, जैसलमेर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जोधपुर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद गुरुवार को परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शव लेकर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बैंक प्रबंधन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बैंक परिसर में तनावपूर्ण माहौल रहा। परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाता और बिना उचित व्यवस्था के उन्हें नौकरी से नहीं हटाया जाता, तो राजेश की जान बच सकती थी। घटना ने संविदा कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदर्शनकारी बैंक प्रबंधन की जवाबदेही तय करने और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा एवं एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की।

राजलदेसर में मूसलाधार बरसात से सरकारी अस्पताल में पांच फीट पानी भरा

तेज बारिश से पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई, कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया

राजलदेसर में हुई बारिश से चिकित्सालय में पानी भरने से लोगों को परेशानी की सामना करना पड़ा।

- चिकित्सालय के रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया
- पानी भरने से अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों के नुकसान की आशंका जताई

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार सुबह छह बजे से सात बजे के बीच हुई एक घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने कस्बे की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के चलते पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई और कई मुख्य मार्गों सहित निचले इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया।

पानी भरने से लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा तथा कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस जाने से घरेलू सामान व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। बारिश के कारण गांधी चौक, रेलवे स्टेशन रोड, फ्रेंड्स सोसायटी मार्ग, महेंद्र मुनि मार्ग, मेहंदीपुर बालाजी मार्ग, मुरलाई बस्ती, अंजनी माता मंदिर मार्ग, ढोली बस्ती, वार्ड संख्या 26 और वार्ड संख्या 35 सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित राजकीय चिकित्सालय रहा, जहां 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने से रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया। इससे अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मरीजों और चिकित्साकर्मियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान नगर पालिका की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हुए। सुबह करीब 5:30 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद पंप हाउस में लगे जनरेटर में डीजल उपलब्ध नहीं होने से जल निकासी का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके कारण कई इलाकों में पानी लंबे समय तक जमा रहा।

हालांकि अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने इसे खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। साथ ही लगातार पड़ रही उमस और गर्मी से भी लोगों को राहत मिली।

अधिशाषी अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को राहत कार्य में लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है, वहां टैंकर और पंपसेट लगाकर पानी निकासी का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र बहाल की जाएगी। देर शाम तक भी कस्बे के कई मार्ग जलमग्न रहे और अनेक स्थानों पर पानी की निकासी पूरी तरह नहीं हो सकी, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अलवर में बैंक जा रहे छात्र पर हमला, अपहरण की भी कोशिश

- घटना का वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है
- थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने छात्र की स्कूटी को टक्कर मारकर मारपीट की

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के खुदनपुरी इलाके में गुरुवार सुबह एक पॉलिटेक्निक छात्र पर दिनदहाड़े हमला करने का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि थार और कई मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने पहले उसकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिराकर बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, रिवॉल्वर दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घायल छात्र रितिक वर्मा (21) के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे अपनी स्कूटी से दिल्ली रोड स्थित एसबीआई बैंक में 1.50 लाख रुपए जमा कराने जा रहा था। जैसे ही वह चक्रधारी मंदिर के पास पहुंचा, पीछे से आई एक थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद सभी ने उसे घेर लिया और सड़क पर पटककर मारपीट शुरू कर दी। रितिक का आरोप है कि बदमाशों ने उसके सिर पर रिवाल्वर की बट से वार किया और लाठी-सरियों से हमला किया। इस दौरान उसे थार से कुचलने की कोशिश भी की गई। आरोपियों ने जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन शोर सुनकर आसपास लोग जमा हो गए। इसी बीच उसके ममेरे भाई अभिषेक जोनवाल भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की मदद से रितिक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया गया।

पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसके पास मौजूद 1.50 लाख रुपए नकद और करीब 15 ग्राम वजनी चांदी की चेन छीनकर फरार हो गए। हमले में उसका आईफोन-15 भी टूट गया और स्कूटी को भी नुकसान पहुंचा। घायल छात्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रितिक ने पुलिस को दी शिकायत में अमित, विशाल, मन्नू, दिनेश, यश, सुमित, भूपेंद्र उर्फ भूप्पी, चंद्रप्रकाश उर्फ चीकू समेत अन्य युवकों को नामजद किया है। उसने बताया कि आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। उसके अनुसार 28 जुलाई को भी उसे मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी। अलवर पुलिस के अनुसार मारपीट और लूट की शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। घटना का वीडियो भी खंगाला जा रहा है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीके (ग्रुप-सी) एवं साइंस व संस्कृत की मॉडल उत्तरकुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 अंतर्गत जीके (ग्रुप - सी) एवं साइंस तथा संस्कृत विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 1 से 3 अगस्त 2026 तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही उक्त परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रुपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कराकर प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क 100 रुपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है।

नाबालिग ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में एक 17 वर्षीय नाबालिग ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। मामले में सामने आया कि घटना के समय घर में कोई नहीं था, मां बाहर गई थी और छोटा भाई ट्यूशन पढ़ने गया था। परिजन जब घर पहुंचे तो नाबालिग फांसी पर फंदे पर लटकी मिली, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महावीर नगर थाने के एएसआई रामहेत ने बताया कि नाबालिग ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। घटना के वक्त नाबालिग घर में अकेली थी। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल सुसाइड के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

चूरू में छह जुआरी गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। पुलिस थाना रतननगर की टीम ने जुआ खेलते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 19,900 रुपए जुआ राशि जब्त की है। थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर सुभाषचन्द्र के नेतृत्व में टीम ने गश्त के दौरान एनएच 52 सड़क किनारे रोही रतननगर से आरोपी उमर कुरैशी पुत्र जाफर व्यापारी निवासी वार्ड नं. 24 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद हारून पुत्र याकुब व्यापारी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद रजजान पुत्र मोहम्मद सलीम तेली निवासी वार्ड नं. 20 रामगढ़ जिला सीकर, लतीफ कुरैशी पुत्र अब्दुल रहमान भिश्ती निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, इलियास पुत्र गुलामनबी व्यापारी वार्ड नं. 30 रामगढ़ पुलिस थाना रामगढ़ जिला सीकर और सलीम पुत्र मोहम्मद यासीन व्यापारी निवासी वार्ड नम्बर 30 रामगढ़ के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर प्रकरण दर्ज किया।

बीकानेर में दो हिस्ट्रीशीटरों के 10 अवैध कब्जों को बुलडोजर से तोड़ा

एक हिस्ट्रीशीटर पर 50 से ज्यादा केस दर्ज, दीवार बनाकर लोहे के गेट लगवा रखे थे

बीकानेर, (निसं)। यहां 2 हिस्ट्रीशीटरों के 10 से ज्यादा अवैध निर्माण को ढहाया गया। आधे घंटे चली कार्रवाई में बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी और 2 थानों की पुलिस मौजूद रही। कार्रवाई गंगाशहर इलाके में करमीसर गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर की गई। इसमें जमीनों पर बाउंड्री कर लोहे के गेट लगा कर कब्जा किया गया था।

आमीन खान कोटगेट थाने का हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और हथियार तस्करी के आरोप हैं। पिछले 20 साल से आमीन के खिलाफ हथियार सप्लाई के मामले दर्ज होते रहे हैं। बीकानेर में उसपर 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। हसन अली पर चार अलग अलग केस दर्ज है, जिसमें वो तीन में अदालत से दोषमुक्त हो चुका है। हसन के खिलाफ 2017 में आर्म्स एक्ट के तहत नयाशहर थाने में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें अब तक अदालत में कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा बीछवाल थाने में साल 2015 और कोटगेट थाने में 1996 में दर्ज मामले में अदालत से दोष मुक्त हो गया। वहीं हत्या के प्रयास का एक मामला सदर थाने में साल 2015 में दर्ज हुआ था। इसमें भी संदेह का लाभ देकर उसे दोषमुक्त किया गया।

जानकारी के अनुसार कोटगेट थाने के हिस्ट्रीशीटर आमिर खान और हसन अली से जुड़ी अवैध संपत्तियों और अतिक्रमणों को प्रशासन ने चिन्हित किया था। गुरुवार को बीकानेर विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए के उपायुक्त कुणाल राहड़ और तहसीलदार आकांक्षा गोदारा भी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

10.28 करोड़ के मादक पदार्थ नष्ट किये

चूरू, (कासं)। पुलिस लाईन चूरू में जिला चूरू के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई में जब्त किये गये 10 करोड़ 28 लाख रुपए कीमत के अवैध मादक पदार्थों को पुलिस द्वारा नष्ट किया किया गया।

यहां रिजर्व पुलिस लाईन परिसर चूरू जिला चूरू में पुलिस थाना सालासर 1, राजगढ़ 7, सुजानगढ़ 5, सदर सुजानगढ़ 1, सरदारशहर 3, तारानगर 4, भानीपुरा 3, दुधवाखारा 5, कोतवाली चूरू 3, रतनगढ़ 2, भालेरी 1 एवं हमीरवास 4 प्रकरणों सहित कुल 39 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में करीब 26 क्विंटल 56 किलोग्राम डोडा-पोस्त चूरा व छिलका, 67 किलोग्राम गांजा एवं 149220 नशीली टेबलेट को कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर नष्टीकरण किया गया।

छबड़ा के किसानों से कृषि कारोबार के नाम पर 12.50 लाख की ठगी

फर्जी फर्म बनाकर किसानों को शिकार बनाया, पंजाब से आरोपी को गिरफ्तार किया

- आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया
- किसानों से नकद और चेक से लाखों रुपये वसूल कर आरोपी फरार

छबड़ा, (निसं)। किसानों को कृषि व्यवसाय के नाम पर लाखों रुपये की चपत लगाने वाले अंतरराज्यीय ठग गिरोह का छबड़ा पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया और 12.50 लाख रुपये की ठगी कर फरार हो गए। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

सीआई राजेश खटाना ने बताया कि 11 अक्टूबर 2023 को छिछी श्यामपुरा निवासी छीतरलाल, देहरी निवासी मुकेश मीणा, इंद्रा कॉलोनी छबड़ा निवासी राधेश्याम मीणा तथा ग्रीन पार्क निवासी ओमप्रकाश ने छबड़ा थाने में मामला दर्ज कराया था। परिवाद में बताया गया कि आरोपियों ने फार्मर एग्रो सॉल्यूशन के नाम से फर्जी फर्म बनाकर झालावाड़ जिले के अकलेरा स्थित एक बैंक में खाता खुलवाया और किसानों को खेतों में फलदार पौधों का बगीचा विकसित कराने, पॉलीहाउस स्थापित कराने तथा जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का भरोसा दिया।

आरोपियों ने किसानों से नकद और चेक के माध्यम से करीब 12.50 लाख रुपये वसूल किए और बाद में फरार हो गए। जांच के दौरान एफआईआर में दर्ज नाम, पते और मोबाइल नंबर भी फर्जी पाए गए। तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर पुलिस ने गिरोह से जुड़े रघुनाथ गुप्ता निवासी बनकसही, थाना मुंडेरवा, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी लुधियाना (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश और ठगी के अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

लाखों की अवैध शराब जब्त

बीकानेर, (निसं)। आबकारी टीम ने कार्रवाई करते हुए 180 कार्टन अंग्रेजी शराब से भरी पिकअप जब्त की। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ जारी है। शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

जिला आबकारी अधिकारी मनोज बिस्सा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में हाईवे पर टीम मुखबिर की सूचना पर अलर्ट रही। जैसे ही संदिग्ध पिकअप आई तो उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप में चड्डीगढ़ ब्रांड की 180 कार्टन अंग्रेजी शराब मिली। ऐसे में पिकअप और शराब को जब्त किया। मामले में बीकानेर के सोडवाली (लूणकरन) निवासी 40 वर्षीय गिरधारीसिंह पुत्र अमरसिंह को गिरफ्तार किया।

कोटा के अस्पताल में मरीज की मौत को लेकर परिजनों का हंगामा

- मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की भी की
- परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लापरवाही के चलते मरीज की मौत हुई गई

कोटा, (निसं)। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज की मौत के बाद मृतक के परिजनों द्वारा अस्पताल में हंगामा करने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार रामपुरा निवासी अमर सिंह (70) को लकवे की शिकायत व न्यूमोनिया सहित अन्य बीमारी होने पर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मरीज की मौत हो गई, जिसके बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की हो गई। परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई ध्यान नहीं दिया गया। लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले में समझाईश की, वहीं हंगामे के बाद अस्पताल स्टॉफ ने कुछ समय के लिये कामकाज बंद कर दिया।

रेजिडेन्ट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत शर्मा ने बताया कि मरीज अमर सिंह को ब्रेन स्टॉक, न्यूमोनिया व अन्य कई बीमारी पर न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में डॉ. देवेन्द्र अजमेरा की यूनिट में भर्ती किया गया था। मरीज की तबियत बिगड़ने पर परिजनों को वेन्टीलेटर के लिये कहा, लेकिन परिजनों ने लिखित में वेन्टीलेटर सपोर्ट के लिये इंकार कर दिया। मरीज की तबीयत बिगड़ने पर सीपीआर दिया जा रहा था। पर मरीज की मौत होने पर मृतक के बेटे ने दूसरी यूनिट के एक रेजिडेन्ट डॉक्टर पर हमला कर मारपीट कर दी। मामले में पुलिस को भी शिकायत दी, जिस पर मृतक के बेटे को पुलिस ने डिटेन कर कार्यवाही की।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष शर्मा ने कहा कि रेजिडेन्ट डॉक्टर अस्पताल के वार्ड में राउंड ले रहे थे। एक मरीज की मौत होने पर परिजन ने हंगामा व डॉक्टर से हाथापाई की, मामले में शिकायत पुलिस को दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी हरेन्द्र सिंह सौदा ने बताया कि न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज अमर सिंह की उपचार के दौरान मौत होने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया एवं गुस्से में मृतक के बेटे ने डॉक्टर से हाथापाई कर दी।

नाबालिग किशोरी ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के रोहनवाड़ा गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी ने अपने घर के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- आत्महत्या करने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है, पुलिस ने मामला दज कर जांच शुरू की

सदर थाना के एएसआई ने बताया कि रोहनवाड़ा निवासी टीना ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीना के अनुसार वह खेत पर काम करने गई हुई थी, जबकि उसकी 16 वर्षीय बेटी खुशबू घर पर अकेली थी। खेत से लौटने के बाद जब टीना ने बेटी को आवाज दी और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो उसने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर खुशबू कमरे में पंखे से फंदे पर लटकी हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही पड़ोसी और पुलिस मौके पर पहुंचे। दरवाजा खोलकर किशोरी को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है : राज्यपाल बागड़े

कोटा में राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

- स्वस्थ एवं शिक्षित महिला : सशक्त राष्ट्र राष्ट्रीय कार्यशाला का कोटा में शुभारम्भ हुआ

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र का शुभारम्भ गुरुवार को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोटा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 वैज्ञानिकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास, ईमानदारी, जिज्ञासा तथा सतत अध्ययन की प्रवृत्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन करने, प्रश्न पूछने और भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है तथा शिक्षित एवं स्वस्थ महिलाएँ ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि गरीब एवं वंचित बालिकाओं की शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित एवं पौष्टिक आहार के माध्यम से रोग प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए कहा कि उचित भोजन अनेक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार एवं स्वास्थ्य को राष्ट्र की उन्नति के तीन प्रमुख स्तंभ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति डॉ. विमला डूंकवाल ने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहभागिता को समावेशी विकास का आधार बताते हुए प्रत्येक बालिका एवं महिला तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यशाला की शोध पत्र स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र आहार, विहार और महिला में डॉ. नीलांबरी दवे एवं डॉ. मिताबेन राजेश कोटेचा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, संतुलित आहार, जीवनशैली, भारतीय परंपरागत भोजन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य में डॉ. अजीत शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा बदलती जीवनशैली के प्रभावों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। तृतीय तकनीकी सत्र महिला शारीरिक स्वास्थ्य जागरूकता में डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी एवं डॉ. अंजना शर्मा ने महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, स्त्री रोगों की रोकथाम, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, स्वच्छता एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण विषयक पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन राज्यपाल एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों के नवाचारों एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शोध को समाजोपयोगी बनाने का आह्वान किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांकः-अअ/वि. खण्ड/बी./ निविदा/2026-27/666 दिनांक :-27.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 21/वर्ष 2026-27
(NIB Code No PWD2627A1799)

निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं सा.नि.वि., राज मे सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक 27.07.2026 से 07.08.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 10.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेंगी। प्री-बिड मिटिंग की दिनांक 04.08.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 05 कुल लागत 56.45 लाख

UBN No.- 1. PWD2627WSOB07636, 2. PWD2627WSOB07637, 3. PWD2627WSOB07639 4. PWD2627WSOB07640, 5. PWD2627WSOB07641

(पीयूष सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/13256/2026

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER
WATERSHED DEVELOPMENT AND SOIL CONNSERVATION JODHPUR
(Near RTO Office, BJS Colony Jodhpur-342006)
E-mail: acewdsc.jodhpur@rajasthan.gov.in

S.No.F()/ACE-Ju/WDSC/MJSA2.2/Bids/2026-27/ Date:

NOTICE INVITING BID

NIB No. – JODHPUR/DIV/PHA/01/2026-27

Bids for Execution of following Watershed Development Works under MJSA 2.2 Scheme of estimated cost as mentioned below are invited from interested bidders up to 14.08.2026, 05.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (*https://eproc.rajasthan.gov.in* or *https://sppp.rajasthan.gov.in*) of the state, and *www.watershed.rajasthan.gov.in* departmental website.

Bid No.	Block	Name of Work	Estimated Cost, Rs.in lakhs.	UBN No.
MJSA-2.2/PHA/BAP/01	Bap	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Bap, District Phalodi	341.00	WSC2627WSOB01196
MJSA-2.2/PHA/AAU/02	Aau	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block- Aau, District Phalodi	309.66	WSC2627WSOB01197
MJSA-2.2/PHA/DECHU /03	Dechu	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Dechu, District- Phalodi	301.70	WSC2627WSOB01198
MJSA-2.2/PHA/GHANTIYALI/04	Ghantiyali	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Ghantiyali, District- Phalodi	449.15	WSC2627WSOB01199
MJSA-2.2/PHA/LOHAWAT/05	Lohawat	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Lohawat District- Phalodi	379.00	WSC2627WSOB01200

(Bhagirath Bishnoi)
Additional Chief Engineer
Watershed Development & Soil Conservation
Jodhpur

DIPR/C/13204/2026

'हर जिले में ड्रग से जुड़े 10 प्रमुख केस और 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं की होगी सूची तैयार, सम्पत्ति होगी जब्त'

मुख्य सचिव ने प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र तंत्र (एनसीओआरडी) की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को सख्त एवं समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी पुलिस थानों में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ड्रग्स की जब्ती और तस्करों के विरुद्ध अभियान को और अधिक तेज किया जाए। साथ ही, जब्त ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों को प्रदेश के सभी पुलिस थानों मे एक दिन एक साथ विशेष अभियान चला कर नष्ट किया जाए।

उन्होंने कहा कि आदतन अपराधियों के विरुद्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों पर आधारित मजबूत चार्जशीट तैयार की जाए, जिससे न्यायालय में प्रभावी पैरवी हो सके और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर सजा दिलाई जा सके।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को केन्द्र सरकार की 'डिटेक्ट-डिसरप्ट-डेस्ट्रॉय' नीति के आधार पर ड्रग माफिया के पूरे नेटवर्क को समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए योजनाबद्ध एवं समन्वित कार्रवाई की जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षक ड्रग्स से जुडे 10 प्रमुख मामलों की सूची तैयार करें तथा उनमें से 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में वर्ष 2026-29 के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को इस संबंध में ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा युवा मामलात विभाग को निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समन्वित रूप से नशा मुक्ति, जागरूकता एवं ड्रग तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जांच के दौरान जब्त किए गए वाहनों की नियमानुसार शीघ्र नीलामी की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन आरोपियों के विरुद्ध तीन या उससे अधिक आपराधिक मामले लंबित हैं, उनके प्रकरणों का प्राथमिकता से शीघ्र निस्तारण किया जाए ताकि संगठित अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। इस दौरान एएनटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विकास कुमार ने बैठक का प्रस्तुतीकरण दिया।बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सांवन्त, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, एएनटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन., रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, इंटेलिजेंस ब्यूरो, चिकित्सा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि, राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र तंत्र की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित हुई।

- **राज्य स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र की बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कार्ययोजना बनाई। सभी पुलिस थानों में एक साथ विशेष अभियान चलाकर जब्त ड्रग्स को नष्ट करें : वी. श्रीनिवास**

मंदिर और सूने मकानों में चोरी करने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर। खोराबीसल पुलिस ने मंदिर और सूने मकानों में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए 2 शातिर आरोपियों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शनि मंदिर से चोरी किए गए चांदी के तीन छत्र तथा एक मकान से चोरी की गई पानी की मोटर बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 25 जुलाई को नांगल जैसा बोहरा स्थित शनि मंदिर (देव तलाई) से चांदी के छत्र चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस मामले की जांच के दौरान घटनास्थल और बैनाड़ रोड के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनके आधार पर राकेश प्रजापत (21) निवासी झामदा कला (चाकसू), हाल निवासी करधनी की पहचान हुई। आरोपी पहले से करधनी थाना क्षेत्र के चोरी के मामले में जयपुर सेंट्रल जेल में बंद था। पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किए गए तीनों चांदी के छत्र बरामद कर लिए गए। आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी और नकबजनी के मामले दर्ज हैं। वहीं दूसरे मामले में 20 जुलाई को ग्रीन पार्क, नांगल जैसा बोहरा निवासी राकेश कुमार ने मकान से औजार, लाइट का सामान और करीब 10 हजार रुपये की पानी की मोटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर सुनील लौरा (26) निवासी नारायण नगर, दादी का फाटक (झोटवाड़ा) को भैरूजी मंदिर के पास से गिरफ्तार किया।

16 अगस्त तक बढ़ी खरीफ फसलों के बीमा की अंतिम तिथि

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 16 अगस्त 2026 कर दी है। इससे अब हजारों ऐसे किसानों को अतिरिक्त समय मिलेगा जो किसी कारणवश 31 जुलाई तक अपनी फसलों का बीमा नहीं करा पाए थे। योजना के तहत ऋणी, गैर-ऋणी एवं बटाईदार किसान अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे।आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की आय को सुरक्षित बनाने, खेती में जोखिम कम करने तथा कृषि क्षेत्र को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत किसानों को सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़, ओलावृष्टि, चक्रवात, जलभराव सहित अन्य अधिसूचित प्राकृतिक जोखिमों से फसल क्षित होने पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सिर पर धारण किया पवित्र कलश

जयपुर। संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में संचालित संत रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को जयपुर में समरसता कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजापार्क स्थित श्रीराम मंदिर पहुंचकर वाराणसी से लाए गए पवित्र कलश को अपने सिर पर धारण किया तथा यात्रा में सहभागिता कर संत रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संत रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का प्रेरणास्त्रोत है। उनकी 650वीं जयंती के अवसर पर चलाया जा रहा यह अभियान संत रविदास के संदेश को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने समाज से जाति-पांति और ऊंच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आव्हान किया।

इस अवसर पर संगठन महामंत्री अजेय कुमार, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संत समाज और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती में राजस्थान बना मिसाल : क्लस्टर गठन में दूसरा, कृषक पंजीकरण में तीसरा स्थान

राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों का दिख रहा प्रभावी असर

- **2 लाख से अधिक किसान 91 हजार हैक्टेयर में कर रहे है प्राकृतिक खेती। मिट्टी की उर्वरता में बढ़ोतरी होने से किसानों का उत्पादन बढ़ा, लागत भी घटी**
- **राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से मिल रहा उत्तम प्रशिक्षण-उन्नत विपणन**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार ढाई लाख किसानों को जोड़कर एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हुए टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 2 हजार 380 क्लस्टर गठित किए जा चुके हैं, जो आंध्र प्रदेश के बाद देशभर में सर्वाधिक है। इन क्लस्टरों से प्रदेश के 2 लाख 12 हजार 346 किसान जुड़े हैं, यह संख्या आंध्र प्रदेश व उत्तर प्रदेश के बाद देश में सबसे अधिक है। साथ ही, अब तक राज्य के लगभग 91 हजार 166 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाई जा चुकी है, जो राज्य को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करती है। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 तक लगभग 49 करोड़ 97 लाख रुपये का व्यय किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को नई दिशा देने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। प्रदेश में 50 हजार किसानों को गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के माध्यम से जैविक खाद उत्पादन के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जोधपुर, कोटा और उदयपुर में ऑर्गेनिक फूड मार्केट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को जैविक उत्पादों का बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा। राज्य सरकार पारंपरिक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैलों से खेती करने वाले किसानों को 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 2 हजार 856 करोड़ रुपये का अनुदान राज्य की गोशालाओं को दिया गया है। बजट 2025-26 में कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नैचुरल फार्मिंग की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन 25 नवंबर 2024 को प्रारम्भ किया गया, जिसका उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करना तथा किसानों की आय बढ़ाना है। यह मिशन केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, प्रमाणन और विपणन की समग्र सुविधा भी उपलब्ध कराता है। इसके तहत देशभर में 527 कृषि विज्ञान केंद्र, 76 कृषि विश्वविद्यालय, 194 स्थानीय प्राकृतिक खेती संस्थान तथा 18 उत्कृष्टता केंद्र मिशन अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ प्रति वर्ष 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन सहायता राशि दो वर्षों तक उपलब्ध करवाई जा रही है। नीति आयोग की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक खेती अपनाने वाले लगभग 91 प्रतिशत किसानों के उत्पादन में वृद्धि हुई तथा लगभग 90 प्रतिशत किसानों की उत्पादन लागत में कमी आई है। साथ ही, मिट्टी के स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है। प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण, किसानों की आय में वृद्धि और भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ कृषि व्यवस्था का आधार बन रही है। यह समृद्ध किसान, स्वस्थ समाज और सुरक्षित पर्यावरण की आधारशिला है। जब किसान प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर खेती करेगा, तभी विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को नई गति मिलेगी।प्राकृतिक कृषि ऐसी कृषि पद्धित है जिसमें प्रकृति के अनुरूप खेती की जाती है तथा मिट्टी, जल, जैव विविधता और सूक्ष्मजीवों के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है।

कानून व्यवस्था कि बिगड़ी स्थिति का जिम्मेदार कौन, किसकी है जवाबदेही? : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में लगातार कानून-व्यवस्था बिगड़ने पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि भाजपा सरकार, आम जनता को यह विश्वास दिलाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है कि वह अपराध नियंत्रण पर गंभीर है। प्रदेश में लगातार आपराधिक वारदातें हो रही हैं और बेखौफ अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।जूली ने कहा कि राजस्थान में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं। जयपुर में एक मामूली विवाद में मानसरोवर इलाके में चार गुंडों ने एक युवक की पीट-पीट कर जान ले ली। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री तीनों ही जयपुर से विधायक हैं, उसके बावजूद राजधानी में कानून-व्यवस्था का यह हाल है। पुलिस अपनी कार्रवाई करेगी, लेकिन सवाल यह है कि अपराधियों में इतना दुस्साहस कैसे हो रहा है? सरेराह किसी की जान कैसे ली जा सकती है? अभी कुछ दिन पहले ही इसी घटनास्थल से कुछ दूरी पर स्थित एक नाइट क्लब में रात के 3 बजे सरेआम पार्टी चल रही थी, जहां एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी जाती है। शर्मनाक बात तो यह है कि उस पार्टी में भरतपुर से फरार चल रहे शातिर कैदी भी मौजूद थे। क्या यह जयपुर की बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था पर बड़ज्ञ सवाल नहीं है?नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राजधानी ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में ही हालात बेहद खराब हैं। उदयपुर में बुजुर्ग फाइनेंसर सागरमल मेहता की हत्या से जनता में भारी आक्रोश फैला हुआ है। मकराना में एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची के साथ यौन दुर्व्यवहार की घिनौनी वारदात सामने आई है, अलवर के नौगांवा थाना क्षेत्र में एक छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई। अपराधों की यह फेहरिस्त बहुत लंबी है और रोज नए मामले सामने आ रहे हैं। जूली ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार प्रशासनिक कसावट लाने के बजाय केवल बयानबाजी और राजनीतिक इवेंट्स तक सीमित रह गई है।

राजस्थान गौरव सम्मान से 31 विभूतियां अलंकृत

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था की ओर से गुरुवार को होटल आईटीसी राजपूताना शेराटन में 31वें राजस्थान गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, उद्योग, सामाजिक सेवा, न्याय, उद्यिमता और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रदेश की 31 प्रतिष्ठित विभूतियों को राजस्थान गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया।

मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज का दायित्व है। संस्कृति युवा संस्था पिछले 31 वर्षों से राजस्थान की प्रतिभाओं को सम्मानित कर प्रेरणादायी कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया।

संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देता है। मुख्य संरक्षक एडवोकेट एच.सी. गणेशिया ने संस्था के सांस्कृतिक और युवा जागरण से जुड़े प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजक सौम्यता मिश्रा ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था पिछले 16 वर्षों से देश की सबसे बड़ी मैराथन का आयोजन कर रही है, जिसमें इस वर्ष 1.25 लाख धावकों ने भाग लेकर रिकॉर्ड बनाया। संरक्षक गोविन्द पारीक ने बताया कि सम्मान चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है। समारोह में स्थानीय स्वशासन विभाग के सचिव रवि जैन, विधायक एवं पूर्व डीजीपी डॉ. राजेश कुमार सुरोलिया, मेजर नव्या शेखावत, आईएएस जितेंद्र डूडी, कमर-उल-जमान चौधरी, वीजीयू के सीईओ ओंकार बागड़िया, जयपुर ग्रेटर नगर निगम के डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय शुक्ला, व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित प्रशासन, चिकित्सा, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक सेवा से जुड़ी कुल 31 विभूतियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। संस्था पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अंत में गोविन्द पारीक ने आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरूवार को संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित समारोह में वरिष्ठ आईएएस डॉ. रवि जैन समेत 31 विभूतियों को राजस्थान गौरव सम्मान से अलंकृत किया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा और मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविंद पारीक भी मौजूद थे।

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर- 231/14, LIG, सैक्टर-23, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें सन्तोष कँवर- 9351591081

नाम परिवर्तन

मैनें मेरा नाम कृष्ण कुमार सिंह नरूका से बदलकर किशन सिंह नरूका (KISHAN SINGH NARUKA) रख लिया है भविष्य में किशन सिंह नरूका (KISHAN SINGH NARUKA) नाम से जाना जावें। निवासी- केशरी, पाखर, दौसा, राजस्थान

मैनें अपना नाम OURUSA AAFREEN से बदलकर URUSA AAFREEN धर्मपत्नी हस्सान अशरफ निवासी 301, रोशन रेजिडेन्सी K-7, फतेह टीबा, मोती डूँगरी रोड, आर्दश नगर, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे URUSA AAFREEN के नाम से जाना पहचाना जावें

मै अजय सिंह निवासी बराखुर भरतपुर, शपथपूर्वक यह बयान करता हूँ कि मेरे पुत्र- शिवा (Shiva) की स्कूल Jaipur Cambridge Academy Sr.Sec. School A-66 Shiv Shakti Nagar Jaipur की मार्कशीट में मेरा नाम सोनू (उपनाम) दर्ज कर दिया गया है जो कि गलत है, अतः मेरा सही नाम अजय सिंह दर्ज करें।

I army no 15774279X Ex NK Rohitashwa saini resident of village post nayan dhane bedwali shahpura district jaipur that I want to change name of my dependent from DEV SHREE SAINI to DEVSHREE SAINI vide affidavit dated 23/7/26 before Sub divisional magistrate shahpura jaipur

राजस्थान सरकार शिक्षा विभाग
कार्यालय, प्राचार्य रा. उ. मा. विद्यालय
सरना डूंगर झोटवाड़ा, जयपुर (राज.)
क्रमांक: पीईईओ/राउमावि सरना डूंगर/झोट/ जय/संस्था/2026-27/405 दि. 30.07.2026
विज्ञप्ति
स्थानीय विद्यालय में अनुपयोगी/अप्रचलित/नकारा सामान / स्टोर सामग्री की नीलामी स्थानीय विद्यालय परिसर में दिनांक 07.08.2026 को निम्न समय अनुसार की जावेगी । इच्छुक क्रेता [illegible]

क्र.	नीलामी स्थल	नीलामी दिनांक एवं समय	नीलामी योग्य सामग्री का पुस्तक मूल्य
1.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरना डूंगर झोटवाड़ा, जयपुर	07.08.2026 समय: 11.30 बजे	1,96,345/-

नीलामी सम्बन्धी अन्य [illegible]
प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरना डूंगर, झोटवाड़ा, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज
अनापत्ति आमंत्रण सूचना [illegible]
उपायुक्त हवामहल आमेर जोन नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 181/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री अनिल पुत्र श्री सीताराम स्वामी पुत्र श्री छोटूराम स्वामी निवासी [illegible] ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत [illegible] के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.09.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 65/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
[illegible] दीप हॉस्पिटल कैम्पस खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर [illegible] के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.09.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 721/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री आशुतोष गोयल गोयल निवास, 303 नेमीसागर कालोनी, क्वीन्स रोड वैशाली नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास राधेश्याम तुलसा देवी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट, 24 गोयल हाउस, अजमेर रोड, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06.10.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 669/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि भारती शर्मा, निवासी प्लॉट नम्बर बी 76 रॉयल सिटी कालवाड, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास एस के डी फाउण्डेशन, रॉयल सिटी, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14.09.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 717/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि [illegible] निवासी 79 मोहनपुरा, पृथ्वीसिंह, तहसील माधोराजपुरा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत [illegible] के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06.10.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
दिनांक:- 24/07/2026
जाहिर आम-सूचना [illegible] ...मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री चन्द्र प्रकाश लड्ढा पुत्र श्री मुरलीधर लड्ढा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 01/2026
न्यायालय एडमिनिस्ट्रेट जनरल राजस्थान
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम सुरज कंवर पत्नी स्व.कैलाश सिंह सोढा राजपुत
विवाद स्थान .....
मृतक कैलाश सिंह सोढा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- ....
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम कैलाश सिंह सोढा पुत्र स्व. चर्तुभुज सिंह सोढा जाति..... निवासी एच-24 देव विहार, रामनगर सोडाला जयपुर राज. का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रिेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 9 माह 9 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 21 माह 7 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-रीडर
न्यायालय एडमिनिस्ट्रेट जनरल राजस्थान
मोहर अदालत

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
भारत सरकार
सूचना
यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर 01.04.2026 से प्रारम्भ हो चुकी है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि का प्रदर्शन किया है।
5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा (31) जुलाई, 2026 तक), जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरस्कार के लिए पात्र है। किसी भी नागरिक से खुले नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए स्व-नामांकन और सिफ़ारिशों, दोनों पर विचार किया जाएगा।
ऑनलाइन नॉमिनेशन जमा करने की अंतिम तिथि, जो पूर्व में 31.07.2026 नियत की गई थी. उसे बढ़ाकर 15.08.2026 कर दी गयी है। अधिक जानकारी के लिए कृपया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर जाएं।
अखिलेश कुमार सिंह
AKHILESH KUMAR SINGH
अवर सचिव/Under Secretary
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
Ministry of Women & Child Development
भारत सरकार/Government of India
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
Shastri Bhawan, New Delhi-110001
CBC 46101/11/0012/2627

मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला शर्मनाक है। भारतीय टीम की पहचान और विरासत हमेशा से नीला रंग रही है। मैंने कई सालों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। **– विरेन रास्किन्हा**

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय हॉकी टीम के भगवा रंग को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

स्टीफन फ्लेमिंग

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। नियुक्ति के बाद स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, ''इंग्लैंड टेस्ट टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक है। विश्व क्रिकेट में यह कोचिंग की सबसे प्रतिष्ठित जिम्मेदारियों में से एक है और इस पद के लिए चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' मैं विशेष रूप से कप्तान जो रूट के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

क्या आप जानते हैं ?... जोशना चिनप्पा ने सीनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप में रिकॉर्ड 17 बार जीत हासिल की है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मो. बासिल को रजत

ग्लासगो, 30 जुलाई। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने बुधवार को इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पोडियम दिलाया। दिलीप गावित ने 10.71 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलन में मीराबाई चानू और पैरा शॉटपुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी हैं।

संघर्ष से शिखर तक दिलीप का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे। महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से चोट गैंगरीन में बदल गई और कोहनी के नीचे से उनका हाथ काटना पड़ा। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिलीप ने हार नहीं मानी और पैरा एथलेटिक्स में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इसी वर्ष इंडिया ओपन और नई दिल्ली ग्रां प्री में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। ग्लासगो में 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप और मोहम्मद बासिल का शानदार प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने एक साथ पोडियम पर स्थान बनाकर भारत का गौरव बढ़ाया और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के पदकों की संख्या में महत्वपूर्ण इजाफा किया।

नीरज समेत तीनों भारतीय भाला फेंक के फाइनल में

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेल-2026 की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को क्वालीफिकेशन राउंड में नीरज के साथ भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

क्वालीफिकेशन राउंड में किसी भी खिलाड़ी ने 84 मीटर के स्वचालित क्वालीफिकेशन मानक को पार नहीं किया। ऐसे में सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों को फाइनल में प्रवेश दिया गया। नीरज चोपड़ा ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 79.61 मीटर भाला फेंका और कुल स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

भारत के रोहित यादव ने 78.37 मीटर के साथ नौवां और यशवीर सिंह ने 78.36 मीटर के साथ 10वां स्थान हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का किया। इस तरह भारत के तीनों भाला फेंक खिलाड़ियों ने पदक दौर में प्रवेश कर देश की उम्मीदों को और मजबूत कर दिया।

क्वालीफिकेशन में श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे ने 82.84 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (81.29 मीटर) दूसरे और दक्षिण अफ्रीका के डाउ स्मिट (80.64 मीटर) तीसरे स्थान पर रहे। इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) चौथे स्थान पर रहे, जबकि नीरज पांचवें स्थान पर रहे। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 78.63 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई।

अब पुरुष भाला फेंक स्पर्धा का फाइनल 1 अगस्त को खेला जाएगा, जहां नीरज चोपड़ा 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक दोहराने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। भारत को इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचने से पदक की मजबूत उम्मीदें हैं।

अनिमेष कुजूर ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

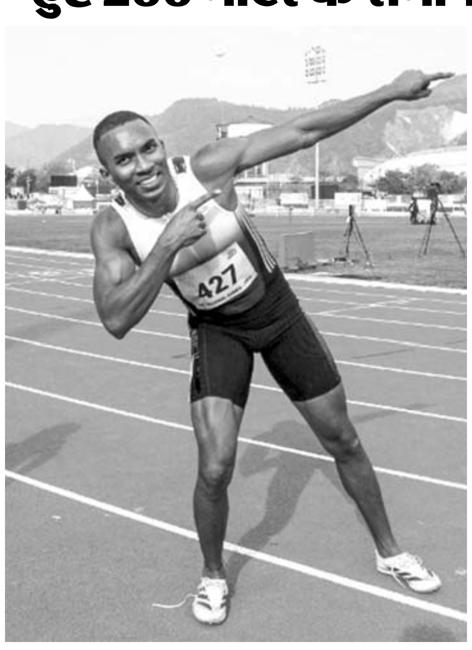

ग्लास्गो, 30 जुलाई। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजूर ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों में 200 मीटर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। 23 वर्ष के कुजूर ने 20 . 46 सेकेंड का समय निकालकर पहले दौर में चौथी हीट में जीत दर्ज की और कुल सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने कैमरून के इमैनुएल एसेमे को पछाड़ा जिन्होंने मंगलवार को 9.83 सेकेंड के समय के साथ 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता था। दस हीट में से 16 सबसे तेज धावक बृहस्पतिवार को होने वाले सेमीफाइनल में खेलेंगे। एसेमे ने भी 20.73 सेकेंड के समय के साथ 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुजूर के कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा कि यह जीत सेमीफाइनल से पहले भारतीय धावक के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। ओवेन्स ने कहा, ''अनिमेष ने आज शानदार प्रदर्शन किया। यह उनके लिए बेहतरीन प्रदर्शन था। मुझे लगा था कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें इससे भी तेज समय निकालना होगा।'' उन्होंने कहा, ''वह अच्छी लय में हैं और हम कल रात होने वाले सेमीफाइनल का इंतजार कर रहे हैं।

संतोष और यशस पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में

ग्लास्गो, 30 जुलाई। भारतीय एथलीट यशस पलाक्षा और संतोष के तमिलरासन ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में सबसे तेज दो क्वालीफायर के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए (फास्टेस्ट लूजर) के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। संतोष ने दूसरी हीट में 49.51 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया जबकि यशस पहली हीट में 49.65 सेकंड का समय निकालते हुए तीसरे स्थान पर रहे। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया। संतोष कुल मिलाकर सातवें और यशस आठवें स्थान पर रहे। तीन हीट में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाले धावकों ने सीधे आठ खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

श्रीशंकर ने लंबी कूद में जीता रजत

एथलेटिक्स में भारत की चमक बरकरार

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पोडियम पर जगह बनाई। 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जमैका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त बना ली। उनका यह प्रदर्शन पूरे मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ रहा। स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंज़ी ने पहले ही प्रयास में 8.08 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी लोकेश सत्यनाथन ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। श्रीशंकर पूरे मुकाबले के दौरान बेहतरीन लय में दिखाई दिए और स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार बने रहे, लेकिन अनुभवी जमैकाई खिलाड़ी ताजे गेल ने निर्णायक क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मार ली। श्रीशंकर का यह रजत पदक राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलेटिक्स की लगातार बढ़ती मजबूती का प्रमाण भी है।

ब्राजील से भिड़ सकती है भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, 30 जुलाई। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की पुरुष फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेल सकती है। यह मुकाबला ब्राजील के 2026 इंटरनेशनल कैलेंडर का हिस्सा है। हालांकि, एआइएफएफ और ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारत आएगी ब्राजील टीम – रिपोर्ट के मुताबिक, ब्राजील टीम सितंबर-अक्टूबर फीफा विंडो में तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलेगी। पहले दो मुकाबले 25 और 29 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के टाउन्सविले और ब्रिस्बेन में होंगे। इसके बाद 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ तीसरा और आखिरी मैच प्रस्तावित है। लंबे समय से चल रही थी चर्चा पिछले एक हफ्ते से ब्राजील के भारत दौरे को लेकर अटकलें तेज थीं।

रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

भावुक संदेश में कहा- हर शुरुआत का एक अंत होता है

नई दिल्ली, 30 जुलाई। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर अपने 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया।

अपने संदेश में रहाणे ने कहा, ''ज़िंदगी की सच्चाई यही है कि हर शुरुआत का एक अंत होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया और उसकी अहमियत को समझा। आज मुझे लगता है कि आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही सही समय है।''

उन्होंने कहा, ''डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर भारत की टोपी पहनने तक, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास किया कि यदि आपकी नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है।''

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, ''प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्याय भले समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है।

यूएई अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, 30 जुलाई। यूएई महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान मलेशिया को 1 रन से हराकर अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। एशिया क्वालिफायर का फाइनल बायुमास ओवल में खेला गया। यूएई पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। हालांकि मलेशिया को 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 94 रन के स्कोर पर रोककर मैच जीत लिया। आठ टीमों के इस रीजनल क्वालीफायर की शुरुआत 23 जुलाई को हुई थी। अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के अब तक 2 एडिशन खेले गए हैं। 2023 और 2025 में दोनों बार भारत ने जीत दर्ज की थी।

विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैम्पियनशिप : भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची, महिला टीम अमेरिका से हारकर बाहर

ओंटारियो, 30 जुलाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरूष टीम इंग्लैंड को हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि महिला टीम अमेरिका से हारकर बाहर हो गई। भारतीय पुरूष टीम ने तीसरी वरीयता प्राप्त इंग्लैंड को हराया और मुकाबला अमेरिका से होगा। पिछले साल भारत ने इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। आर्यवीर दीवान ने रॉनी हिकलिंग को हराकर भारत को बढत दिलाई लेकिन इस्माइल खलील ने युशा नफीस को हराकर इंग्लैंड को बराबरी दिलाई। भारत के गुरवीर सिंह ने निर्णायक मुकाबला जीता। वहीं महिला वर्ग में हाल ही में विश्व जूनियर चैम्पियन बनी अनाहत सिंह ने दिया यादव को हराकर भारत को बढत दिलाई। लेकिन चार्लोट जे ने भारत की रूद्रा सिंह को हराया और अनिका दुबे को लिली बूरेल के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 3 विकेट से विजेता

जयपुर, 30 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच मे मरुधर क्रिकेट एकेडमी और लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 177/10 34.3 में ऑल आउट हो गई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी की ओर से सचिन गुर्जर ने 85 रन, अमन यादव ने 30 रन और लवेश शर्मा ने 18 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए हेमंत सैनी ने 41 रन देकर 3 रन विकेट, प्रियांशु माली ने 46 रन देकर के 2 विकेट, ओविश जागिंड ने 27 रन देकर के 2 विकेट और तेंजस जोशी ने 18 रन देकर के 2 विकेट लिया।

जर्सी के भगवा रंग पर हॉकी इंडिया की सफाई, कहा- खिलाड़ियों और कोचों की तकनीकी सलाह पर हुआ फैसला

नई दिल्ली, 30 जुलाई। एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय हॉकी टीमों की नई भगवा (केसरिया) जर्सी को लेकर उठे सवालों के बीच हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि जर्सी के रंग में बदलाव खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सिफारिशों तथा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद किया गया है। संस्था ने कहा कि इस फैसले का मुख्य आधार तकनीकी जरूरत थी, न कि कोई अन्य कारण।

हॉकी इंडिया के अनुसार खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने महसूस किया कि पारंपरिक नीली जर्सी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में प्रचलित नीले सिंथेटिक टर्फ के साथ काफी हद तक मेल खाती है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर एक-दूसरे को पहचानने और दृश्य स्पष्टता बनाए रखने में कठिनाई होती थी। इसी कारण खिलाड़ियों और कोचों ने पीले या केसरिया रंग जैसे वैकल्पिक विकल्प सुझाए।

बयान में कहा गया कि सभी सुझावों पर विचार करने के बाद केसरिया रंग को अंतिम रूप दिया गया। यह रंग न केवल तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त है, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में से एक होने के कारण साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी के रंग में बदलाव कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर व्यावहारिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार टीम की जर्सी में बदलाव किए जाते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 2014 एफआईएच हॉकी विश्व कप के दौरान भारतीय टीम ने पीले रंग की जर्सी पहनी थी, जबकि 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग आसमानी नीला रखा गया था और उसका डिजाइन भी पूरी तरह बदला गया था।

हॉकी इंडिया ने अपने बयान के अंत में दोहराया कि मौजूदा केसरिया जर्सी का निर्णय पूरी तरह खिलाड़ियों और कोचों से मिले तकनीकी फीडबैक तथा राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े इस रंग के प्रतीकात्मक महत्व को ध्यान में रखकर लिया गया है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर दृश्यता मिलेगी।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में स्टेशनरी आपूर्ति हेतु दर संविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627GLRC00011** हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/8016 — **वित्त नियंत्रक**

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 117 — दिनांक :- 30/07/2026

संशोधित ईपीसी निविदा सूचना संख्या: 09/2025-26

इस कार्यालय द्वारा जारी ईपीसी निविदा सूचना संख्या 09/2025-26 में संशोधन उपरान्त बिड़ प्रपत्र डाउनलोड व अपलोड करने की अन्तिम तिथि 07.08.2026 सायं 6.00 बजे तक, मूल प्रपत्र कार्यालय में जमा कराने की तिथि 10.08.2026 सायं 4.00 बजे तक, तकनीकी बिड़ खोलने की तिथि 12.08.2026 अपरान्ह 3.00 बजे एवं वित्तीय बिड़ खोलने की तिथि 25.08. 2026 प्रातः 11.00 बजे रहेगी। अन्य शर्तें मूल बिड़ अनुसार यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/26/8101 — **अतिरिक्त मुख्य अभियंता-तृतीय, जयपुर**

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

क्रमांक–डीपीएम / मप्रकृप्रौविवि / निविदा / 2026–27 / 03 / 7175 — दिनांकः– 30.07.2026

निविदा सूचना–(03) / (2026–27)

कुलगुरू महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से विश्वविद्यालय एवं समस्त अधीनस्थ इकाईयों हेतु विज्ञापन प्रकाशन सेवा (अनुमानित लागत रू. 15 लाख) की आपूर्ति के लिए मुहरबन्द निविदाएँ आंमत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.mpuat.ac.in पर देखी जा सकती हैं।

UBN : ATU2627SLRC00133 — निदेशक (आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय)

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर

क्रमांक :- 417 — दिनांक :- 20/07/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मंडी समिति, धौलपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निम्न व्यवस्थाओं के लिए रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्मा/अधिकृत डीलरों/विक्रेताओ/संवेदको/ संस्थाओं से ऑन लाइन निविदाये निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 04/08/2026 सायं 6:00 बजे तक एवं तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक 05/08/2026 प्रातः 10 बजे

क्र.	व्यवस्था का नाम एवं UBN No.	अनु. राशि लाखों में	बिड सिक्योरिटी राशि रु.	निविदा शुल्क रु.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क रु.
1	मानव संसाधन उपापन सफाई ठेका UBN : DAM2627SLOB00361	20.00	0.40 लाख	500	1180
2	मानव संसाधन उपापन कम्प्यूटर आपरेटर आपूर्ति UBN : DAM2627SLOB00362	12.00	0.24 लाख	500	1180
3	मानव संसाधन उपापन चौकीदार / इलेक्टीशियन आपूर्ति। UBN : DAM2627SLOB00363	27.00	0.54 लाख	500	1180

निविदा सूचना एवं अन्य शर्ते ई-निविदा पॉर्टल, **sppp.rajasthan.gov.in** एवं विभागीय बेवसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर (राज०)

राज.संवाद/सी/26/8040

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH
Near Bus Stand Deogarh
Tel. No. 02904-252039 E-mail Id-EODEOGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN

S.No. F ( )/MBD/Engg./E-NIB/07/2026-27/1843 — Date :- 27-07-2026

Notice Inviting BID
NIB No 07/2026-27

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यो हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2627A4876
UBN :- DLB2627WSOB11676, DLB2627WSOB11677, DLB2627WSOB11678, DLB2627WSOB11679, DLB2627WSOB11680

–:: महत्वपूर्ण तिथियां ::–

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	05
निविदा की अनुमानित लागत	110.35 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	27.07.2026 09:00 AM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	27.07.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	05.08.2026 06:00 PM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	06.08.2026 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	06.08.2026 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधि	नियमानुसार

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका देवगढ़

राज.संवाद / सी / 26 / 8024

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)
Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com

क्रमांकः– न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 2863 — दिनांकः– 27.07.2026

ई– निविदा सूचना संख्या 13/2026–27
आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 25.07.2026 समय प्रातः 10.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 03.08.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 05.08.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय विड खोली जावेंगी।

निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्ते देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSRC11691	2026_DLB_577560_1	17,12,880/-

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बसेडी

राज.संवाद / सी / 26 / 8047

कार्यालय नगर परिषद्, ब्यावर
Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / निर्माण / 2026–27 / 5327 — दिनांकः– 23.07.2023

ई–निविदा सूचना संख्या 08/2026–27

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजनान्तर्गत 04 निर्माण कार्य परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के सक्षम पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रकिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। दिनांक 13.08.2026 सांय 06:00 बजे तक निविदा भरी जा सकती है एवं ई–निविदा फार्म शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आई.एफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा कराकर बोली धरोहर का डी.डी. /बैंकर चैक नगर परिषद, ब्यावर के निर्माण शाखा में दिनांक 14.08.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 निर्माण कार्य कराये जाने है। ई–निविदा सूचना की समस्त शर्ते SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिसका **NIB Code DLB2627A4863** है एवं **UBN No.** निम्नानुसार है:–
1. DLB2627WLOB11637 2. DLB2627 WLOB11639
3. DLB2627 WLOB11638 4. DLB2627 WLOB11640

आयुक्त
नगर परिषद, ब्यावर

राज.संवाद / सी / 26 / 8075

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl
कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग), नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड़, कोटा- 324001
दूरभाष नं. - 0744- 2320881, 2450066 ईमेलः- zcekz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई–निविदा (तकनीकी–वाणिज्यिक) एआरसी 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है:– बारां वृत में, सहायक अभियंता (पवस) किशनगंज के अंतर्गत मायथा गाँव में, आवेदक हथियादेह सिंचाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारां) के लिए 11 KV 3–फेज लाइन और 33/11 KV GSS बृजनगर में 11 KV बे का निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–07 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00252), सहायक अभियंता (पवस), किशनगंज के अंतर्गत करवारी कलां गाँव में, आवेदक हथियादेह सिंचाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारां) के लिए 11 KV 3–फेज लाइन और 33/11 KV GSS रेलावन में 11 KV बे का निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–08 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00253) झालावाड़ वृत में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवस–ग्रामीण), झालावाड़ के अन्तर्गत 33 / 11 केवी रुंजी सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–09 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00254) कोटा वृत में उपखण्ड सहायक अभियंता (एचटीएम–डीडी), कोटा के अन्तर्गत 33 / 11 केवी निमोदा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–10 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00255), सहायक अभियंता (एचटीएम–डीडी), कोटा के अन्तर्गत 33 / 11 केवी कसार सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–11 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00256) बूंदी वृत में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवस), के. पाटन के अन्तर्गत 33 / 11 केवी केशवनगर सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–12 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00257), सहायक अभियंता (पवस), करवर के अंतर्गत 132 KV GSS जरखोदा से विभिन्न 33/11 KV सब–स्टेशन और 33 KV लाइनों तक 04, 33 KV इंटरकनेक्शन का निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–13 / 2026–27)। (UBN: VVN2627WSOB00258) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 01.08.2026 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 10.08.2026 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट **http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/8028 — जेपीआर - 3198 (2026) — संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

‘पृथ्वीराज नगर में हाईटेंशन लाइन के नीचे पिछले 10 वर्षों में 800 घर बने कैसे?’

हाईकोर्ट ने 12 अगस्त की अगली सुनवाई पर जेडीए के ज़ोन18-19 में गत दस वर्षों में पदास्थापित रहे प्रवर्तन अधिकारियों की सूची और उनके मौजूदा पद का ब्यौरा मांगा

- जेडीए की ओर से अदालत में कहा गया कि, अगली सुनवाई पर अधिकारियों की जानकारी के साथ इन अतिक्रमणों की फोटो सहित जानकारी शपथ पत्र के साथ पेश करेंगे।
- जेडीए प्रशासन ने माना कि अजमेर रोड से वंदे मातरम् रोड तक करीब डेढ़ किमी. क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन कॉरिडोर में 800 मकान व 200 दुकानें बनी हुई हैं, इनमें से 206 लोगों को नोटिस दिया जा चुका है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 30 जुलाई। राजधानी जयपुर के पृथ्वीराज नगर में हाईटेंशन लाइन के नीचे 800 से ज्यादा घर और 200 दुकानें बने होने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने जेडीए के अधिवक्ता को कहा है कि जेडीए के पीआरएन ज़ोन 18 व 19 में बीते 10 साल में तैनात हुए अफसरों का विवरण और उनके मौजूदा पदस्थापन की जगह भी बताए।

इसके साथ ही अदालत ने जेडीए को कहा है कि वह 12 अगस्त तक शपथ पत्र पेश कर प्रवर्तन अधिकारी का बयान सत्यापित करें कि यहां हाईटेंशन लाइनों के नीचे बड़ी संख्या में अतिक्रमण हो गए हैं। एक्टिंग सीजे एस.पी. शर्मा और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश साहेब सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। साहेब सिंह की ओर से अदालत में अधिवक्ता रामरख शर्मा पेश हुए थे।

सुनवाई के दौरान जेडीए के स्थानीय प्रवर्तन अधिकारी गंगाराम अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि उन्होंने गत 24 अप्रैल को ही कार्यभार संभाला है। जबकि पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में हाईटेंशन लाइनों के आसपास और उसके नीचे करीब 800 मकान और 200 दुकानें बनी हुए हैं।

जेडीए के ज़ोन उपायुक्त की ओर से शपथ पत्र पेश कर कहा गया कि यहां अधिकांश निर्माण 10 साल से भी अधिक पुराने हैं।

जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने अदालत को बताया कि करीब 206 लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया जा चुका है। इसके साथ-साथ मौके पर हुए नए अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटाया जा रहा है। अजमेर रोड से वंदे मातरम रोड़ तक करीब डेढ़ किमी एचटी लाइन कॉरिडोर में कराए सर्वे में करीब 800 मकान व 200 दुकान प्रभावित पाई गई हैं। मौजूदा प्रवर्तन अधिकारी के कार्यकाल में कोई बड़ा नया अतिक्रमण नहीं हुआ है।

इस पर अदालत ने 10 साल में यहां तैनात प्रवर्तन अधिकारियों की विस्तृत जानकारी मांगते हुए जेडीए को मौजूदा हालात की रिपोर्ट देने को कहा है। जनहित याचिका में अधिवक्ता रामरख शर्मा ने बताया कि दोनों जोन में हाईटेंशन लाइन के दोनों ओर 60 फीट की सेक्टर रोड है। कई लोगों ने यहां 30 फीट तक अतिक्रमण कर लिया है, लेकिन जेडीए ने कोई कार्रवाई नहीं की।

वंदे मातरम् विधेयक लोकसभा से भी पारित

नई दिल्ली, 30 जुलाई। लोकसभा में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को शोर-शराबे के बीच गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक एक दिन पहले ही राज्यसभा से पारित हुआ था। विधेयक का उद्देश्य वंदे मातरम् को राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण और सम्मान प्रदान करना है।

सरकार का कहना है कि यह विधेयक भारत की सांस्कृतिक विरासत,

- यह विधेयक ‘वंदे मातरम्’ को भी राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करता है।

राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणाओं को सशक्त करेगा। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज लोकसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद विधेयक पारित कर दिया गया और कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। राय ने कहा कि यह केवल विधायी संशोधन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति देश की प्रतिबद्धता है।

रामगढ़ बाँध के बहाव क्षेत्र के सभी एनीकट हटाएं- हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि बहाव क्षेत्र में एक भी सबमर्सिबल पंप नहीं होना चाहिए

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को शपथ पत्र पेश करके यह बताने को कहा है कि कैचमैंट एरिया में किन लोगों ने अतिक्रमण किए हैं। अदालत ने कैचमैंट एरिया की जमीन और वहाँ बने फार्म हाउस व होटलों का ब्यौरा भी मांगा।

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने से जुड़े मामले में राज्य सरकार को बांध के बहाव क्षेत्र में मौजूद सभी एनीकटों को हटाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, अदालत ने कहा कि क्षेत्र में सबमर्सिबल पंप भी नहीं होने चाहिए। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने ये आदेश रामगढ़ बांध सहित, प्रदेश के अन्य जल स्रोतों में अतिक्रमण से जुड़े मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर दिए।

अदालत ने कहा कि बांध और उसमें पानी लाने वाली नदियों को मूल स्वरूप में लाने का प्रयास किया जाए। अदालत ने राज्य सरकार से शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि बांध के कैचमेंट एरिया में किन लोगों ने अतिक्रमण किया है और इन्हें हटाने के लिए क्या किया गया। अदालत ने कैचमेंट एरिया की जमीन और यहां बने फार्म हाउस व होटलों का ब्यौरा भी मांगा है। खंडपीठ ने जयपुर व कोटपूतली कलेक्टर को 13 अगस्त को रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि रामगढ़ बांध में पानी लाने वाली नदियों में पानी क्यों नहीं आ पा रहा।

अदालती आदेश के पालन में जयपुर कलेक्टर वीसी के जरिए उपस्थित हुए। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण के संबंध में आमेर एसडीओ का शपथ पत्र पेश किया और बताया कि कुल 625 रेफरेंस थे, जिनमें से 404 निस्तारित हो चुके हैं और बाकी लंबित चल रहे हैं। जिन केसों का निस्तारण हो चुका है, उनकी जमीन भी राज्य सरकार में दर्ज हो चुकी है। इसके अलावा, बांध मामले में दो कमेटियां बनी हुई हैं। एक कमेटी की 14 व दूसरी की 17 मीटिंग हो चुकी हैं। इस पर खंडपीठ ने एजी से कहा कि वे शपथ पत्र से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार एक विस्तृत शपथ पत्र पेश कर बताए कि कितने अतिक्रमण हटाए थे और वे किसके थे। इस दौरान न्याय मित्र डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि रामगढ बांध में पानी लाने का मुख्य जरिया बाणगंगा नदी है, जो विराटनगर, शाहपुरा व अन्य जगहों से होती हुई बांध में पानी लाती है। इसके बहाव क्षेत्र में कई फार्म हाउस, रिसोर्ट व होटल बन गए हैं और बहाव क्षेत्र में बने एनीकटों के पीछे भी मिट्टी जमा हो गई है, जिससे पानी का बहाव क्षेत्र में फ्लो नहीं रहता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के प्रथम दिन मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि एवं आमजन के सुखमय जीवन की कामना की।

दिल्ली सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंखों समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

याचिका में कहा गया है कि पैलेट गन को भले ही कम घातक हथियार बताया जाता हो, लेकिन इससे बड़ी संख्या में धातु के छर्रे निकलते हैं। इससे आंखों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। पैलेट गन का इस्तेमाल संविधान के तहत न्यायसंगत बल प्रयोग की कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

आठ जिलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उल्लेखनीय है कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित और किफायती समाधान की व्यवस्था है। इसमें आपसी सहमति से निर्णय किए जाते हैं, जिससे आमजन के समय और धन दोनों की बचत होती है।

‘बिना “लोगो” व विज्ञापन वाले कैरीबैग का भुगतान वसूल सकते हैं दुकानदार’

राज्य उपभोक्ता आयोग ने डी-मार्ट रेवन्यू मार्केट लि. बनाम शेखर कुमार स्वर्णकार व कपिल देव सोनी के खिलाफ दायर 2 अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए

- डी-मार्ट की ओर से अधिवक्ता हेमांग कुमावत ने बताया कि, उनकी नीति भी है कि, अगर उपभोक्ता कैरीबैग नहीं रखना चाहते तो कैरीबैग लौटा दें और भुगतान वापस कर दिया जायेगा। परंतु उपभोक्ताओं ने ना तो यह बैग लौटाया और ना ही दिए जाने की शिकायत की।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग ने फैसला दिया है कि दुकानदार, उपभोक्ताओं से कानूनी तौर पर उन “कैरीबैग” का भुगतान ले सकता है, जिन पर कोई विज्ञापन अथवा किसी कंपनी का “लोगो” नहीं छपा हुआ हो।

उपभोक्ता आयोग ने यह फैसला डी-मार्ट रेवन्यू मार्केट लि. बनाम शेखर कुमार स्वर्णकार व कपिल देव सोनी के खिलाफ दायर 2 अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिया। इस मामले में डी मार्ट की ओर से अधिवक्ता हेमांग कुमावत पैरवी के लिए पेश हुए थे। यह फैसला आयोग की न्यायाधीश उर्मिला वर्मा व करूणा जैन की पीठ ने सुनाया है।

इस मामले के तथ्यों के अनुसार, शेखर कुमार स्वर्णकार ने 862 रुपए का सामान डी मार्ट से 25 जुलाई 2019 को खरीदा था, जब उन्होंने सामान लिया तो एक कैरीबैग भी लिया, जिसका अतिरिक्त शुल्क 6 रुपए डीमार्ट ने उनके बिल में जोड़ा था।

दूसरी ओर कपिल देव सोनी ने 2 अक्टूबर 2019 को 846.72 रुपए का सामान खरीदा था, उनसे भी 5.50 रुपए कैरीबैग के वसूले गए थे। कपिल देव ने इससे पहले 21 मई 2019 को जब 728 रुपए का सामान खरीदा था, तब उनसे कैरीबैग के 6 रुपए लिए गए थे। इन तीनों मामलों में उपभोक्ता ने पहले उपभोक्ता जिला मंच का दरवाजा खटखटाया, जहां से उपभोक्तओं के पक्ष में फैसला हुआ और तीनों मामलों में डी मार्ट को 3-3 हजार रुपए प्रति मामले के मानसिक उत्पीड़न के बदले और 2000 रुपए कानूनी खर्च के लिए भुगतान के आदेश दिए थे। ये आदेश 30 जून 2025 को दिए गए थे।

जिला उपभोक्ता मंच के इस फैसले के विरोध में डी-मार्ट की ओर से राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की गई, जहां उपभोक्ता आयोग को बताया गया कि जो कैरीबैग उपभोक्ताओं को दिए गए थे, उनमें कोई विज्ञापन लोगो नहीं थे, बल्कि एक बार कोड था, जिस पर बैग की कीमत अंकित थी। डी-मार्ट की ओर से यह भी बताया गया कि उनकी नीति भी है कि अगर उपभोक्ता कैरीबैग नहीं रखना चाहते तो कैरीबैग लौटा दें और भुगतान वापस कर दिया जायेगा। परंतु उपभोक्ताओं ने न तो यह बैग लौटाया और न यह शिकायत दी थी कि उन्हें जबरन यह कैरीबैग क्यों दिया जा रहा है।

इस पर राज्य उपभोक्ता आयोग ने कानून को देखते हुए फैसला दिया है कि दुकानदार, उपभोक्ताओं से कानूनी तौर पर उन “कैरीबैग” का भुगतान ले सकता है, जिन पर कोई विज्ञापन अथवा किसी कंपनी का “लोगो” नहीं छपा हुआ हो।

एक तरफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की शिकायत भी नहीं करतीं।

इन टिप्पणियों के बाद भारी आक्रोश फैल गया। केरल पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरएसएस ने आधिकारिक तौर पर इस बयान से खुद को अलग करते हुए कहा कि ये मोहनदास के निजी विचार हैं तथा संघ ने उनकी निंदा की।

वहीं भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर जेन ज़ेड प्रदर्शनकारियों की आलोचना करते हुए उन्हें ''जनरेशन गटर'' कहा। उन्होंने उनके वीडियो को ''उल्टी आने लायक'' और ''बदसूरती से भरा हुआ'' बताया तथा उनकी तुलना गंदगी फैलाने वाले तिलचट्टों से करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करने के बजाय उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए।

खड़गे की मनुस्मृति पर टिप्पणी ने राज्यसभा में हंगामा मचाया

खड़गे ने कहा था कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया

- खड़गे की टिप्पणी पर इतना अधिक विरोध व हंगामा हुआ कि राज्यसभा की बैठक तीन बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

नई दिल्ली, 30 जुलाई। एंटी पेपर लीक बिल को राज्यमंत्री डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने राज्यसभा में पेश किया। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। खड़गे ने कहा कि 12 साल में पहली बार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ।

उन्होंने सरकार ने पेपर लीक और प्रदर्शन के दौरान छात्रों की बात नहीं सुनी। बाद में जेपी नड्डा ने उन्हें बुलाया। ये पहले हो गया होता तो छात्रों को लाठी नहीं खानी पड़तीं। खड़गे ने इस दौरान मनुस्मृति को लेकर चर्चा की, जिसके चलते राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका, जिसके कारण राज्यसभा की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की मनुस्मृति के बारे में की गई टिप्पणी ने विवाद को बढ़ ाया। खड़गे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ ावा दिया है, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई।

जैसे ही मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ ावा देती है, राज्यसभा में भारी हंगामा मच गया। विपक्षी सांसदों ने सदन में “माफी माफी” के नारे लगाने शुरू कर दिए, वहीं सत्ता पक्ष के सदस्यों ने खड़गे द्वारा की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई।

इस पर स्पीकर ने कहा कि खड़गे की मनुस्मृति पर की गई टिप्पणियां रिकॉर्ड से हटा दी जाएंगी।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

बिना निर्वाचित हुए छः माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय तक मंत्री बने रहने की अनुमति दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह याचिका इस संवैधानिक प्रश्न से जुडी है कि राज्य विधानसभा के किसी भी सदन का सदस्य न होने के बावजूद, दीपक प्रकाश का बिहार के पंचायती राज मंत्री के रूप में बने रहना संविधान के अनुरूप है या नहीं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता और व्हिसलब्लोअर राकेश कुमार सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया था। याचिका में बिहार में नई सरकार बनने के बाद दीपक प्रकाश की मंत्री के तौर पर दोबारा नियुक्ति को चुनौती दी गई है। याचिका के अनुसार, दीपक प्रकाश को पहली बार 20 नवंबर 2025 को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था, जबकि उस समय भी वे राज्य विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं थे।

15 अप्रैल को तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद मंत्रिपरिषद भंग हो गई थी। इसके बाद 7 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी नई सरकार में दीपक प्रकाश को फिर से पंचायती राज मंत्री नियुक्त किया गया, जबकि तब भी वे न तो राज्य विधानसभा के सदस्य नहीं विधान परिषद के। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 164(4) से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उठाया गया है। इस अनुच्छेद के अनुसार, कोई भी ऐसा व्यक्ति जो विधायक नहीं है, अधिकतम छह महीने तक मंत्री रह सकता है। इस अवधि के भीतर उसे राज्य विधानमंडल का सदस्य बनना अनिवार्य है। अनुच्छेद 164(4) में कहा गया है- ''यदि कोई मंत्री लगातार छह महीने तक राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं रहता है, तो उस अवधि की समाप्ति पर वह मंत्री पद पर नहीं रहेगा।''दीपक प्रकाश लगातार छह महीने तक मंत्री नहीं रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल में वे 4 महीने 26 दिन मंत्री रहे। इसके बाद 22 दिनों का अंतर रहा और फिर 7 मई से उन्हें दोबारा उसी मंत्रालय का मंत्री बना दिया गया। इस तरह दोनों कार्यकालों को मिलाकर उनका कुल कार्यकाल छह महीने से अधिक हो चुका है।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि एडीशनल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के पद पर तैनात अभियुक्त अनिल मिश्रा उसके व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और वह उनसे जाकर मिले। इस दौरान मार्च माह में वह भोपाल जाकर अभियुक्त से मिली। अभियुक्त ने पति की मदद का प्रलोभन देकर ऑफिसर मैस में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके अलावा, अभियुक्त ने उससे कई बार अपने बैंक खाते में रुपए भी ट्रांसफर कराए। इसके साथ ही अभियुक्त ने उसके साथ जोधपुर और मुंबई सहित अन्य जगहों पर ले जाकर दुष्कर्म किया। अप्रैल, 2014 में अभियुक्त ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ भी अश्लीलता की।

दीपके ने गृह मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले अभिजीत दीपके ने कहा कि जिस तरह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला किया गया और उनका खून बहाया गया, वह गृह मंत्री अमित शाह के आदेश के बिना संभव नहीं था।

दीपके की यह मांग कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा शाह पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश देने का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग करने के एक दिन बाद आई। दीपके ने कहा कि वह राहुल गांधी की मांग का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, “मैं भी मानता हूं कि अमित शाह को इस्तीफा दे देना चाहिए।”

सीजेपी को विदेशी फंडिंग मिलने के आरोपों को खारिज करते हुए दीपके ने कहा, “यदि गृह मंत्रालय की कमान अमित शाह के हाथ में होने के बावजूद हमें विदेशी फंड मिल रहा है, तो यह भी उनकी विफलता है। फिर आप किस तरह के चाणक्य हैं? ऐसी स्थिति में भी उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।”

दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए पत्थरबाजी की पूरी घटना की साजिश रची। उनका दावा था कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल पर पुलिस एक ट्रक भरकर पत्थर और एक क्षतिग्रस्त वाहन लेकर आई, ताकि यह दिखाया जा सके कि पुलिस की कार्रवाई हिंसा के जवाब में की गई।

उन्होंने कहा, “दिल्ली पुलिस ने ही पत्थरबाजी करवाई। भाजपा के गुंडे आए, उन्होंने पत्थर फेंके और इसका दोष छात्रों पर मढ़ दिया गया।”

दीपके ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने उन्हें और उनके परिवार को पार्टी में शामिल होने के लिए धमकाया। उन्होंने कहा, “मुझे धमकी दी गई। मेरे माता-पिता को धमकी दी गई है कि वे मुझे भी भाजपा में शामिल होने के लिए राजी करें। हमें कहा गया कि या तो पार्टी में शामिल हो जाओ, नहीं तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो।”

वहीं, भाजपा नेता केशव उपाध्ये ने दीपके पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि उन्हें राहुल गांधी की राह पर चलना है तो उन्हें कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, “वे एक आंदोलन का चेहरा थे। भाजपा सरकार ने उनकी मांगें मानते हुए पेपर लीक के खिलाफ कानून बनाया और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किया। उन्हें इसका सम्मान करना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय वे राजनीति कर रहे हैं। यदि उन्हें राहुल गांधी की लाइन पर चलना है तो उन्हें कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए।”

भाजपा ने दीपके और उनके परिवार को धमकी दिए जाने के सभी आरोपों से इनकार किया।

सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी तीन प्रमुख शिखर सम्मेलनों में शामिल होंगे

इसकी शुरुआत होगी किर्गिस्तान में होने जा रहे एससीओ समिट से, जिसमें शामिल होने प्र.मंत्री मोदी किर्गिस्तान जाएंगे

- एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन) में चीन, रूस, भारत, ईरान, बेलारूस, पाकिस्तान, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान शामिल हैं।
- एससीओ समिट के बाद दिल्ली में ब्रिक्स समिट का आयोजन होगा, उसके बाद प्र.मंत्री मोदी न्यूयॉर्क जाएंगे, जहाँ वे यूनाईटेड नेशन्स जनरल असैम्बली को संबोधित करेंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। भारत 2026 के सबसे व्यस्त कूटनीतिक चरणों में से एक की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सिर्फ एक महीने में तीन बड़े-बड़े मल्टीलेटरल कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी तीन दिन की ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर भी जाएंगे। इस दौरान वे द्विपक्षीय बैठकों और भारतीय समुदाय के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इनमें “मैलबर्न मीट्स मोदी” कार्यक्रम भी शामिल है।

भारत 2026 के सबसे व्यस्त कूटनीतिक चरणों में से एक का गवाह बनने जा रहा है। सितंबर महीने की शुरुआत किर्गिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पी.एम. मोदी की मौजूदगी से होगी।

इसके बाद, नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत करेगा। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) को भी संबोधित करेंगे। यह व्यस्त कार्यक्रम दिखाता है कि अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों के बीच, नई दिल्ली अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्क और कूटनीतिक पहुंच को सक्रिय रूप से मजबूत करने पर ध्यान दे रही है।

यह व्यस्त कूटनीतिक कार्यक्रम 31 अगस्त और 1 सितंबर को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि एससीओ में चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं।

जयशंकर ने आसियान बैठक में चीन के वांग यी से कहा, “सामान्य सम्बन्धों के लिए सीमा पर शान्ति जरूरी (है)।” बांग्लादेश द्वारा भारत के प्रवक्ताओं को चुनने पर सवाल क्यों उठे?

शुरुआत में एससीओ की स्थापना सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी सहयोग के उद्देश्य से की गई थी। बाद में संगठन का दायरा बढ़ाकर संपर्क, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषयों को भी इसमें शामिल कर लिया गया।

भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन यूरेशिया की प्रमुख शक्तियों के साथ बातचीत का अवसर होगा। इसमें आतंकवाद, उग्रवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा और संपर्क जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके दो सप्ताह से भी कम समय बाद, 12 और 13 सितंबर को भारत, अपने 2026 के अध्यक्षीय कार्यकाल के तहत, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

इस वर्ष भारत ने अपनी अध्यक्षता के लिए “लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण” थीम को अपनाया है।

ब्रिक्स की स्थापना ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने की थी। समय के साथ, इस समूह का काफी विस्तार हुआ है।

ऐसा लगता है, ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्त किया था और संभवतः यही ईरान की हालिया कार्रवाइयों की सबसे बड़ी वजह थी। ईरान ने जीपीएस बंद कर होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे तीन वाणिज्यिक जहाज़ों पर हमला किया था, जिसके बाद उन्हें कुछ नुकसान हुआ और उन्हें लौटना पड़ा।

वास्तव में, समुद्र के उस पार स्थित अपने पड़ोसी ओमान के साथ ईरान के गहरे मतभेद हैं। ओमान चाहता है कि यह समुद्री मार्ग सभी के लिए खुला रहे, जबकि ईरान उस पर नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इस मुद्दे पर सभी खाड़ी देश ओमान के पक्ष में हैं, क्योंकि यदि स्थायी नियंत्रण ईरान को मिल जाता है, तो उनकी अर्थव्यवस्थाएँ ईरान पर निर्भर हो जाएँगी।

दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज़ पर नियंत्रण को अपनी प्रतिष्ठा और रणनीतिक बढ़त का विषय बना लिया है। युद्ध से पहले यह जलमार्ग सभी देशों के लिए समान रूप से खुला था और हर राष्ट्र को यहाँ से आवागमन का अधिकार प्राप्त था। लेकिन युद्ध के बाद ईरान को यह एहसास हुआ कि वह इस संकरे समुद्री मार्ग पर नियंत्रण स्थापित कर न केवल अपनी कूटनीतिक ताकत बढ़ा सकता है, बल्कि आय का एक स्थायी स्रोत भी हासिल कर सकता है।

यदि यह शक्ति उससे छिन जाती है, तो यह संदेश जाएगा कि ईरान अमेरिका और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के सामने झुक गया। विशेष रूप से इसे सऊदी अरब के प्रति रियायत के रूप में देखा जाएगा, जो प्रमुख सुन्नी पावर है और सबसे बड़े शिया राष्ट्र ईरान का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भी। यह वैचारिक और सामरिक विभाजन इतना गहरा है कि इसे आसानी से पाटा नहीं जा सकता।

ऐसे में, कई दिनों से जारी संघर्ष के बाद अमेरिका का दबाव ईरान पर लगातार बढ़ता जा रहा है। उसके सैन्य संसाधन और हथियारों का भंडार भी तेजी से घट रहा है।

अमेरिका के तीव्र होते हमले ईरान पर भारी दबाव डाल रहे हैं, चाहे ईरानी नेतृत्व कितनी भी दृढ़ता का प्रदर्शन करने की कोशिश करे।

इन कठिन परिस्थितियों में ईरान अकेले ही कई दिशाओं से शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का सामना कर रहा है। पूरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस बात के पक्ष में दिखाई देता है कि होर्मुज़ ईरान की पकड़ से मुक्त हो जाए।

यदि अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद इज़रायल एक बार फिर नई सैन्य शक्ति और नई रणनीति के साथ मोर्चा खोलता है, तो यह ईरान के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। ऐसी स्थिति में ईरान के लिए इज़रायल की सैन्य कार्रवाइयों का पहले की तरह प्रभावी ढंग से जवाब देना संभवतः कठिन होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908